CMYK

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, सोमवार, 4 दिसंबर 2023 । वर्ष – 33 । अंक –215 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु.

भाजपा की सफलता से ज्यादा कांग्रेस की विफलता : टीएमसी — पृष्ठ 3

- उत्तर भारत में भाजपा नहीं जीती कांग्रेस हारी
- इतनी नफ़रत इतना ज़हर? — पृष्ठ 4

- इजरायल के खान यूनिस पर हवाई हमले में करीब 193 फिलीस्तीनी मारे गए — पृष्ठ 9

एक कप्तान के तौर पर पैट कमिंस मेरी उम्मीदों से कहीं आगे निकले : इयान चैपल — पृष्ठ 10

भरोसे की सरकार का बंटाधार

छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार

तेलंगाना कांग्रेस के हवाले

रायपुर, 3 दिसंबर(देशबन्धु)। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम के नतीजे अप्रत्याशित और चौंकाने वाले हैं। एग्जिट पोल से उत्साहित कांग्रेस जहां रात भर सरकार बनाने के सपने देख रही थी वह गिनती के हर घंटे ध्वस्त होते चला गया। शुरुआती रूझान में जहां कांग्रेस के पक्ष में आंकड़े दिख रहे थे वह बाद में बहुत तेजी से पलटते हुए भाजपा के पक्ष में चला गया जो निरंतर शाम तक बढ़ता ही रहा। लेकिन दोपहर में ही राजस्थान और मध्यप्रदेश में भाजपा की ज्यादा बढ़त से उनकी सरकार सुनिश्चित हो गई थी। छत्तीसगढ़ में भाजपा-कांग्रेस के बीच कांटे का संघर्ष चल रहा था पर दोपहर बाद प्रदेश में भी भाजपा की जीत सुनिश्चित हो गई। तीनों राज्यों में भाजपा की इतनी भारी जीत का अंदाजा बिल्कुल नहीं था। छत्तीसगढ़ में प्रदेश के 9 मंत्री धराशायी हो गए। पाटन सीट से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी 11 बजे तक पीछे चल रहे थे बाद में कुछ बढ़त बनाकर अपनी विधायकी बचा पाए। भतीजे ने चाचा को खूब छकाया। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल अपने जीवन में आठवीं बार जीत हासिल किए। छालीवुड फिल्मों के नायक अनुज शर्मा भी चुनाव जीत गए।

प्रदेश के सभी पांच संभागों में भाजपा ने बढ़त बनाई है और सरगुजा संभाग में तो मानो कांग्रेस पर बुलडोजर ही चल गया। सरगुजा संभाग के 14 में 14 सीटों पर भाजपा छा गई है। डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। बस्तर संभाग में जहां 12 के 12 सीटों पर कांग्रेस का कब्जा था, वहां आठ सीटों को भाजपा ने हथिया लिया यहां तक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज चित्रकोट सीट से 8 हजार से अधिक वोटों से हार गए। रायपुर जिले की सातों सीट पर भाजपा ने कब्जा कर लिया। भाजपा को 54 सीट पर सफलता मिली है और कांग्रेस 71 से 35 सीट पर सिमट गई है। 1 सीट गणतंत्र गोंडवाणा पार्टी ने पाली तानाखार से जीत लिया है।

यही स्थिति मध्यप्रदेश और राजस्थान में है। एग्जिट पोल ने जहां कांग्रेस की सरकार बता रही थी वहां जमकर भाजपा को वोट पड़े हैं। राजस्थान में 116 सीटों पर आगे है तो मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान 163 सीट में आगे होकर लाड़ली बहनों में छा गए हैं। सफलता का श्रेय देख पीएम मोदी भी फोन करके बधाई देने से नहीं रह सके।

आज चार राज्यों में हुए गिनती में सिर्फ तेलंगाना ही कांग्रेस के हवाले हुआ है जहां वह बीआरएस को मात देकर 64 सीटें हासिल कर सकी है और बीआरएस को 39 पर रोक दिया है। लेकिन यहां भी बीजेपी एक से 8 में आ गई है। बीजेपी के इस पूरी जीत के पीछे कोई स्थानीय संघर्ष नहीं रहा केवल पीएम मोदी के चेहरे को ही सामने रखकर चुनाव प्रचार हुआ है। निःसंदेह यह सत्य है कि अंत में मोदी का फेका पांसा 'मोदी की गारंटी' काम कर गया। तूफान की तरह आई गारंटी कांग्रेस का डेरा उड़ा ले गई।

विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी : राहुल

तेलंगाना में मतदाताओं का आभार जताया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में पार्टी को बहुमत से जीतने के लिए वहां की जनता का आभार व्यक्त किया लेकिन कहा कि वह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मिले जनादेश को विनम्रता पूरक स्वीकार करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी लड़ाई विचारधारा की है और यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने तेलंगाना में कांग्रेस को बहुमत देने के लिए वहां के मतदाताओं का आभार जताया और कहा 'तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद – प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा हम ज़रूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया।' इस बीच कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश ने कहा कि जिन राज्यों में पार्टी को हार मिली है वहां जल्द ही पार्टी फिर मजबूती के साथ खड़ी होगी। उन्होंने कहा, ठीक 20 साल पहले भी कांग्रेस को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हुए विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। उस वक्त हमें सिर्फ दिल्ली में जीत मिली थी। लेकिन कुछ ही महीनों में ज़ोरदार ढंग से वापसी करते हुए कांग्रेस लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और केंद्र में सरकार बनाई। आशा, विश्वास, धैर्य और दृढ़ संकल्प साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनावों के लिए तैयारी करेगी।

- छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के डिप्टी सीएम सिंहदेव सहित नौ मंत्री धराशायी
- प्रदेश के पांचों संभाग में भाजपा को बढ़त, सरगुजा संभाग में चला बुलडोजर
- तूफान की तरह आई मोदी की गारंटी कांग्रेस का घर उजाड़ गई

छत्तीसगढ़ (90)

भाजपा :	54
कांग्रेस :	35
अन्य :	01

मध्य प्रदेश (230)

भाजपा :	164
कांग्रेस :	65
अन्य :	01

राजस्थान (199)

भाजपा :	115
कांग्रेस :	69
अन्य :	16

तेलंगाना (119)

भाजपा :	08
कांग्रेस :	64
बीआरएस :	39
एआईएमआईएम :	07
अन्य :	01

मध्य प्रदेश में पांचवी बार भाजपा सरकार

मध्यप्रदेश में भाजपा 2018 के चुनाव में करीब एक साल कांग्रेस के हाथों सत्ता गवांने को छोड़कर लगातार पांचवी बार सरकार बनाने जा रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में कांग्रेस को 114 सीटें मिली थीं जबकि भाजपा 109 सीटों पर विजयी हुयी थी, बाद में श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में पार्टी विधायक दल के एक धड़े के भाजपा में मिलने से कमलनाथ सरकार गिर गयी थी।

पिछले चुनाव में राजस्थान कांग्रेस को 100, भाजपा को 73 सीटें मिली थीं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को 68 पर विजय हुई थी और भाजपा 15 सीटों पर सिमट गयी थी। ➤ ➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सार संक्षेप

100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दस्तक दे सकता है तूफान

नई दिल्ली। भारत मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी और दक्षिण अंडमान सागर में बन रहे चक्रवात मिचौंग तूफान को लेकर बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने इस तूफान के मजबूत होने की जानकारी देते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। चक्रवात मिचौंग चेन्नई को छोड़कर नेलोर और मछलीपट्टनम में मंगलवार को 1` किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भारी तूफान के साथ दस्तक दे सकती है। दक्षिणी रेलवे ने तमिलनाडु में तीन से छह दिसंबर तक 1 1 8 ट्रेनों को रद्द कर दिया है।

कांग्रेस ने 6 दिसम्बर को बुलाई इंडिया गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अगले साल होने वाले 224 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। खबर है कि मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है। ये बैठक 6 दिसम्बर को राजधानी दिल्ली में होगी। इस बैठक में पूरे घटक दलों के बजाए समन्वय समिति में शामिल दलों के नेता शामिल होंगे। जिसमें लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। माना जा रहा हा कि चार राज्यों के नतीजों का असर इंडिया गठबंधन के समीकरण पर भी पड़ सकता है।

मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती आज

आइजोल। मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती सोमवार सुबह शुरू होगी जिसके लिए सभी 1 1 जिलों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी एच. लियानजेला ने कहा कि महिलाओं सहित चार हजार से अधिक अधिकारियों को लगाया गया है जो रविवार सुबह आठ बजे से वोटों की गिनती के लिए राज्य भर के 1 3 केंद्रों पर तैनात रहेंगे। उन्होंने आईएएनएस को बताया, विभिन्न जिलों में लगभग 4 मतगणना हॉल बनाए गए हैं।

आज आत्मनिर्भर भारत की जीत हुई : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना के चुनाव को लेकर लोगों को धन्यवाद करते हुए विपक्ष पर रविवार को जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि ये लोग समाज को जाति के नाम पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं। पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि इस चुनाव में समाज को जातियों में बांटने की खूब कोशिश हुई। लेकिन मैं लगातार कह रहा था कि मेरे लिए देश में चार जातियां ही सबसे बड़ी जातियां हैं. ये हैं हमारी नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसान और गरीब परिवार। इन चार जातियों को सशक्त करने से ही देश सशक्त होने वाला है। आज बड़ी संख्या में ओबीसी और आदिवासी इसी जाति में आते हैं। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संवोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज की विजय ऐताहिसिक है। सबका साथ, सबका विकास की भावना की जीत हुई है। विकसित भारत के आह्वान की जीत हुई है। आत्मनिर्भर भारत की जीत हुई है। आज भारत के विकास के लिए राज्यों के विकास की सोच की जीत हुई है। आज ईमानदारी की जीत हूई है।

राजस्थान में 17 मंत्री चुनाव हारे गहलोत ने इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा

राजस्थान में भाजपा को बड़ी जीत मिली है। यह जीत कितनी बड़ी है कि इसे इस बात से समझा जा सकता है कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के 25 मंत्री में से 17 मंत्री चुनाव हार चुके हैं। यहां की 21 हॉट सीट में से 10 से ज्यादा सीटों पर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। इस हार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने राजस्थान के राज्यपाल से मिलकर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष और दिग्गज कांग्रेस नेता सीपी जोशी खुद चुनाव हार गए हैं। इस तरह की हार भाजपा के खेमे में भी हुई है। भले ही भाजपा की राजस्थान में शानदार जीत हुई है लेकिन इसके कई बड़े नेता हार गये हैं। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौर और प्रतिपक्ष के उपनेता सतीश पूनिया भी हार चुके हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी हार को कबूल करते हुए कहा है कि काम करने के बाद भी हम कामयाब नहीं हुए है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे काम न करें। यह अप्रत्याशित परिणाम है। राजस्थान में भाजपा की इस जीत पर पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की नेता वसुंधरा राजे ने कहा है कि राजस्थान की शानदार जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दी हुई गारंटी की जीत है। उन्होंने इसका श्रेय पीएम मोदी और भाजपा शीर्ष नेतृत्व को दिया है।

कांग्रेस ने कहा, हार से हताश नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तेलंगाना के मतदाताओं को अपनी पार्टी के प्रति विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि पार्टी तीन राज्यों में अपनी हार से हताश हुए बगैर अगला लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के दलों के साथ दोगुने जोश के साथ लड़ेगी। कांग्रेस के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फिर से ईवीएम का मुद्दा उठाया और पार्टी के कुछ कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय पर ईवीएम के खिलाफ तख्तियां लेकर प्रदर्शन करते देखे गए।

केसीआर ने दिया इस्तीफा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने अपनी पार्टी की हार को स्वीकार करते हुए पद से इस्तीफा दे दिया है। इन चार राज्यों के साथ मिजोरम विधानसभा के लिये हुए चुनाव की मतगणना सोमवार को होगी।

मप्र में लहर में हारे कई दिग्गज

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए हैं। प्रदेश की करीब 164 सीटों पर बीजेपी ने बढ़त बनाई है। वहीं, पार्टी की लहर के बावजूद कई दिग्ग्ज नेता चुनाव हारे हैं। इनमें फग्गन सिंह कुलस्ते, कमल पटेल, माया सिंह और सिंधिया की करीबी इमरती देवी जैसे नेताओं के नाम शामिल हैं। वहीं, नरोत्तम मिश्रा चुनाव की दतिया क्षेत्र में री काउंटिंग की खबर सामने आई है।बीजेपी के प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, सिंधिया की मामी ग्वालियर पूर्व से बीजेपी प्रत्याशी माया सिंह को हार मिली है।

जीते

हारे

भूपेश बघेल ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

रायपुर। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मिली करारी पराजय के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रात राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को इस्तीफा सौंप दिया। हालांकि नए मुख्यमंत्री के शपथ लेने तक श्री बघेल कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम करते रहेंगे।

श्री बघेल ने इस्तीफा सौंपने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि वे जनादेश को स्वीकार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के हितों के लिए निरंतर संघर्षरत रहेगी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि अब पार्टी हार के कारणों की समीक्षा करेगी।

सिंहदेव, चौबे,अकबर, डहरिया, भगत सहित 9 मंत्री हारे

इस बार के चुनाव नतीजे काफी चौकाने वाले रहे है। भाजपा की ऐसी आंधी चली कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,मंत्रि कवासी लखमा,उमेश पटेल,अनिल भेड़िया ही अपनी सीट बचाने में सफल रहे है ।वही

उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव सहित नौ दिग्गज मंत्री चुनाव हार गए है ।आठ बार के विधायक रहे मंत्री रविंद्र चौबे को पहली बार चुनाव लडने वाले ईश्वर साहू से पराजित किया है। पिछले दिनों हुए दंगे में ईश्वर साहू के पुत्र की मौत हुई है ।भाजपा ने माहोल की गंभीरता को देखते हुए ईश्वर पर दाव लगाया था ।साम्प्रदायिक तनाव के चलते कांग्रेस के मो अकबर को भी हार का सामना करना पड़ा ।विधान सभा क्षेत्र बदलकर चुनाव लडने वाले मंत्री और सतनामी समाज के गुरु रुद्र कुमार भी चुनाव हार गए ।कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटने के बाद कुछ समय के लिए मंत्री बने मोहन मरकाम भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत,नगरीय निकाय मंत्री शिव डहरिया,गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, मंत्री जयसिंह अग्रवाल को भी चुनाव में शिकस्त मिली है।

कांकेर में मात्र 16 मतों के अंतर से जीती भाजपा

कांकेर विधानसभा चुनाव का परिणाम काफी दिलचस्प रहा जब भाजपा प्रत्याशी आशा राम नेताम ने 67980 मत पाकर कांग्रेस प्रत्याशी शंकर ध्रुव (67964) को पराजित किया। गौर करने वाली बात है पराजित मतों का अंतर केवल 16 रहा। अधिकृत रुप से यहां विजयी प्रत्याशी की घोषणा हो गई है।

64 हजार मतों से जीते ओपी चौधरी

रायपुर। रायगढ़ विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी ओपी चौधरी 66 हजार वोट से जीत गए हैं ।जीत के बाद ओपी चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि इस जीत के लिए मैं रायगढ़ की जनता को धन्यवाद देता हूं। ये सबके आशीर्वाद से संभव हुआ है। रायगढ़ की जनता, प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व और हमारे कार्यकर्ताओं ने ये चुनाव जीताया है। इसके लिए मैं रायगढ़ की जनता के लिए जितना भी करूं फिर भी उनका ये ऋण नहीं चुका पाउंगा। मुख्यमंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि मैं बहुत छोटा कार्यकर्ता हूं, मुझसे ऐसे बड़े-बड़े सवाल ना पूछें। मुझसे पहले कई बड़े नेता हैं ।मैं एक छोटा सा कार्यकर्ता हूं। वहीं ओपी चौधरी हैं जिनके रोड शो में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने जनता से कहा था कि आप ओपी को विधायक बनाइए, इसको बड़ा आदमी बनाने की जिम्मेदारी मेरी है।

लोरमी से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने मारी बाजी, मुंगेली में पुन्नूलाल मोहले ने 7वीं बार दर्ज की जीत

रायपुर। लोरमी विधानसभा से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष 45891 मतों से चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस के थानेश्वर साहू को हरा दिया है ।वहीं मुंगेली विधानसभा में पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहले भी 11781 मतों से चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस के संजीत बनर्जी को पछाड़ दिया है ।. पुन्नूलाल मोहले ने 7वीं बार विधानसभा का चुनाव जीतकर रिकॉर्ड बना लिया है. वे 2 बार मंत्री और 4 बार सांसद भी रह चुके हैं। प्रदेश में भाजपा 55 सीटों पर आगे चल रही है ।वहीं कांग्रेस 34 सीटों पर आगे चल रही है. इसके साथ ही पाली तानाखार से गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने जीत दर्ज की है।

कांग्रेस को 22 विधायको की टिकट काटना मंहगा पड़ गया

रायपुर। विधानसभा चुनाव चुनाव में कांग्रेस को सिटिंग एमलए की टिकट काटना मंहगा पड़ गया। जिसका फायदा भाजपा को मिला है। जिन 22 विधायकों की टिकट काटी गई थी, वे सभी विधायक 2018 के चुनाव में जीतकर आए थे। ऐसे में कांग्रेस को विधायकों का टिकट काटना और नए चेहरों पर दांव लगाना भारी पड़ गया है। जिन 22 सीटों पर कांग्रेस ने विधायकों की टिकट काटी थी, उसमें से 14 सीटों पर भाजपा ने कब्जा किया है। वहीं कांग्रेस केवल 8 सीट पर ही वापसी कर पाई है ।वहीं 1 सीट पर गोडवाना गणतंत्र पार्टी ने कब्जा किया 2018 चुनाव में कांग्रेस ने 15 साल बाद सत्ता में वापसी की थी ।कांग्रेस ने 68 सीटों के साथ अपनी सरकार बनाई थी। वहीं भाजपा 15 सीट पर ही सिमट कर रह गई थी। 2018 में भाजपा के कई बड़े चेहरों को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा वापसी करते हुए अपनी सरकार बना रही है।

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 23 साल बाद मरवाही में खिला कमल

मरवाही विधानसभा क्षेत्र की जनता ने भाजपा के प्रणव मरपच्ची को दिया जनादेश

गौरेला पेंड्रा मरवाही 03 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 23 साल बाद मरवाही विधानसभा क्षेत्र में एक बार फिर कमल खिला है। मरवाही की जनता ने यहां भाजपा प्रत्याशी प्रणव मरपच्ची को जनादेश दिया है। आज हुई मतगणना में मरवाही विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी प्रणव मरपच्ची 11102 मतों से जीत दर्ज की है। प्रणव मरपच्ची मतगणना के पहले राऊंड से 18 वे राऊंड तक आगे रहे।

राजनीतिक पंडितों के विश्लेषण एवं तमाम पूर्वानुमान को पीछे छोड़ते हुए प्रदेश में जहां बीजेपी ने जीत हासिल की है तो मरवाही में 23 साल बाद भाजपा ने सभी अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए प्रणव मरपच्ची ने जीत दर्ज की है।

जीत का श्रेय मरवाही की जनता को - प्रणव मरपच्ची

अपनी जीत के बाद अपनी जीत के बाद भाजपा से विजय प्रत्याशी प्रणव मरपच्ची ने अपनी जीत का श्रेय मरवाही की जनता को दिया है। उन्हें विधानसभा क्षेत्र के जनता को बधाई देते हुए कहा है कि मैं एक फौजी हूं। फौजी के अनुशासन के अनुसार मरवाही में सुशासन का निर्माण होगा। यहां विकास की अनेक संभावनाएं हैं उन संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में काम किया जाएगा।भाजपा अपने मोटो पर काम कर रही थी। हमने छत्तीसगढ़ बनाया है, हम ही सवारेंगे ।

पहले राउंड से ही आगे रहे मरपच्ची

मरवाही विधानसभा चुनाव में पहले राउंड से 15वे राउंड तक भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रणव कुमार मरपच्ची से कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर के के ध्रुव पीछे थे। लेकिन 15 में राउंड के बाद गुलाब राज ने बढ़त बनाई और दूसरे स्थान पर 37742 वोट पाकर रहे जबकि कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर के के ध्रुव 36580 वोट पाकर तीसरे स्थान पर चले गए।

दोपहर 12:00 बजे ही डॉक्टर के के ध्रुव मतगणना स्थल छोड़कर चले गए

प्रथम राउंड के मतगणना के बाद से ही जैसे-जैसे मतों का अंतर बढ़ने लगा वैसे-वैसे कांग्रेसियों की बेचैनी बढ़ने लगी थी और जब यह निश्चित हो गया कि मरवाही से कांग्रेस या चुनाव हार रही है डॉक्टर के के ध्रुव सहित उनके समर्थक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मतगणना स्थल छोड़कर जाने लगे।

आजादी के बाद मरवाही में तीसरी बार बना है भाजपा का विधायक

यहां पर उल्लेखनीय है कि मरवाही विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का विधायक आजादी के बाद तीसरी बार बना है। वर्ष 1990 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए डॉक्टर भंवर सिंह पोर्ते मरवाही से भाजपा के विधायक चुने गए थे जिन्हें अभिभाजित मध्य प्रदेश की सुंदरलाल पटवा सरकार ने पशुधन एवं डेयरी विकास मंत्री बनाकर कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया था। उसके बाद वर्ष 1998 में हुए विधानसभा चुनाव में रामदयाल उइके मरवाही विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए थे जो छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद बने कांग्रेसी मुख्यमंत्री अजीत जोगी के लिए अपनी सीट छोड़ दी थी। अब वर्ष 1998 के बाद सीधे वर्ष 2023 में एक बार फिर मरवाही की जनता ने भाजपा के प्रणव मरपच्ची को जनादेश देकर मरवाही में कमल खिलाया है।

कलश यात्रा व घट स्थापना के साथ परमेश्वरी महोत्सव का हुआ शुभारंभ

तखतपुर 03 दिसंबर (देशबन्धु)। सात दिवसीय परमेश्वरी महोत्सव का आयोजन 3 दिसम्बर से 9 दिसम्बर तक जनकपुर रोड स्थित देवांगन भवन में देवांगन समाज की ओर से किया गया।

इसमें परमेश्वरी महापुराण कथा यज्ञ का भी आयोजन किया गया जिसमें कथावाचक किशन राव चांपा वाले है। जिसमें 3 दिसम्बर घट स्थापना हुई। 9 दिसम्बर को सहस्त्र धारा शोभायात्रा एवं विसर्जन होगा। प्रथम दिवस समाज के लोगों के द्वारा देवांगनपारा से 111 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई जो देवांगन मोहल्ला चण्डी चौक होते हुए कार्यक्रम स्थल देवांगन भवन में पहुंची उसके बाद घट स्थापना किया गया और पं. किशन राव ने विधि विधान के साथ प्रथम दिवस का पूजन अर्चन सम्पन्न कराया।

कथावाचक- किशन राव मुख्य यजमान राजेश अमरिका देवांगन, रामाधार देवांगन, गंगाराम देवांगन, राजेश देवांगन, राजू देवांगन, कांत देवांगन, दिनेश देवांगन, शेखर देवांगन, रवि देवांगन, चंद्रप्रकाश देवांगन, सुरेश देवांगन, कृष्णा देवांगन, तिलक देवांगन, मुकेश देवांगन, शत्रुहन देवांगन, सन्नी देवांगन, अरब देवांगन, पप्पू देवांगन, विकास देवांगन सहित अन्य उपस्थित रहे।

डौण्डीलोहारा में अनिला भेड़िया, बालोद में संगीता सिन्हा व गुंडरदेही में कुंवर सिंह निषाद फिर बने विधायक

बालोद, 3 दिसम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के तहत बालोद जिले के विधानसभा क्षेत्र बालोद, गुंडरदेही व डौण्डीलोहारा तीनों सीट में इस बार भी कांग्रेस ने विजय हासिल की है। इनमें पूर्व मंत्री अनिला भेड़िया ने रिकॉर्ड बनाया है। पूरे बालोद जिले में लगातार तीसरी बार अब तक कोई भी विधायक नहीं बने थे। लेकिन अनिला भेड़िया ने तीसरी बार शानदार जीत दर्ज की है। वही बालोद और गुंडरदेही में कांग्रेस की फिर से जीत हुई है लेकिन इस बार जीत का अंतर पिछले बार की तुलना में कम रहा। तीनों विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की जीत के बाद कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल तो रहा लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार से उनके चेहरे में वह खुशी नजर नहीं आई। दूसरी तरफ हार के बाद भाजपाइयों ने यह सोचकर संतुष्टि जाहिर की कि राज्य में उनकी सरकार बनने जा रही है। रविवार को बालोद जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र के मतों की गिनती सुबह 8 बजे प्रारंभ हुई। तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे। लगभग 9 बजे प्रथम राउंड का परिणाम सामने आया। तीनों ही विधानसभा क्षेत्र में प्रथम राउंड में ही कांग्रेस ने भाजपा से बढ़त बना ली थी। यह बढ़त अंत तक बनी रही। हालांकि बीच में बढ़त में कुछ कमी जरूर आई, लेकिन अंततः कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत हुई। लगभग 2 बजे तीनों विधानसभा क्षेत्र के आधे से ज्यादा मतों की गिनती हो गई थी। तब तक काफी बढ़त कांग्रेस प्रत्याशियों ने बना ली थी। डौण्डीलोहारा में तो अनिला भेड़िया ने 20,000 से ज्यादा मतों की बढ़त बना ली थी। वही बालोद में लगभग 12,000 की बढ़त और गुंडरदेही में 6000 मतों की बढ़त बन गई थी। इसके बाद कांग्रेसियों में खुशी छा गई और मतगणना स्थल के बाहर पटाखे फोड़कर खुशियां मनाई। तीनों ही केंद्र में कांग्रेस प्रत्याशियों की शुरू से बढ़त होने के कारण कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश नजर आ रहा था पाकुरभाट स्थित मतगणना केंद्र में सुबह से ही सभी प्रत्याशी पहुंच गए थे। गुंडरदेही क्षेत्र के दोनों प्रत्याशी कुंवर सिंह निषाद और वीरेंद्र साहू, बालोद के प्रत्याशी राकेश यादव, संगीता सिन्हा, डौण्डीलोहारा के प्रत्याशी देवलाल ठाकुर,अनिला भेड़िया शुरू से ही मतगणना स्थल पर पहुंच गए थे। सभी प्रत्याशी अपने अपने अभिकर्ताओं से पल-पल की जानकारी ले रहे थे। शुरू में पिछड़ने के बाद भी भाजपा के प्रत्याशियों को अंत में गड्ढों को पाट देने की बड़ी उम्मीद थी लेकिन वे असफल रहे। इस बार के चुनाव में हाई प्रोफाइल सीट बताई जा रही बालोद विधानसभा सीट में सामाजिक फैक्टर काम नहीं आया। इस क्षेत्र में माना जा रहा था कि साहू समाज ने मीना साहू को भरपूर समर्थन दिया है। उनकी जीत की उम्मीद भी जताई जा रही थी लेकिन उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा। वे तीसरे स्थान पर रही। गुरुर क्षेत्र में जरूर उन्हें कुछ ज्यादा मत मिले लेकिन हार से नहीं बच पाई। मतगणना स्थल के बाहर कांग्रेस समर्थकों में कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत की खबर के बाद जमकर जोश नजर आया। कुछ देर के लिए भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता आपस में नारेबाजी करते हुए एक दूसरे के पास पहुंच गए थे, पुलिस की सक्रियता व नेताओं की मध्यस्थता के बाद मामला शांत हुआ और कोई अप्रिय स्थिति नहीं बनी। मतगणना स्थल के बाहर कांग्रेस और भाजपा के पंडाल में काफी संख्या में कार्यकर्ता देर शाम तक मौजूद रहे। बीच-बीच में आतिशबाजी भी चलती रही। लगभग 4 बजे पहला परिणाम डौंडीलोहारा विधानसभा क्षेत्र का आया। डौंडीलोहारा विस में कांग्रेस को 10, 2762 को भाजपा 67, 183 मिले। डौंडीलोहारा विधानसभा में 20 राउंड की गिनती के बाद कांग्रेस से अनिला भेड़िया 35,579 वोट से जीत दर्ज की। वही कुंवर सिंह निषाद ने 14901 वोटो से जीत दर्ज की। संगीता सिन्हा ने 20 हजार से अधिक वोटो से जीत दर्ज की।

■ तीनों ही प्रत्याशियों की शुरू से बनी रही बढ़त

भाजपा के धर्मजीत सिंह ने 14892 वोटों से दर्ज की जीत

तखतपुर 03 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव का परिणाम आते ही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। पहली बार ऐसा हुआ है जब कांग्रेस और भाजपा के जीत का आंकड़ें का अंतर काफी है। जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ढोल ताशे के साथ जीत का जश्न पूरे नगर में भ्रमण कर मनाया। धर्मजीत सिंह ने 14892 वोट से जीत दर्ज की।

छत्तीसगढ़ में आज विधानसभा चुनाव के जैसे ही पेटीयां खुलने लगी वैसे ही कांग्रेसीयों के बुलंद हौंसले पस्त होने लगे। तखतपुर विधानसभा से भाजपा और कांग्रेस की कड़ी टक्कर मानी जा रही थी पर चुनाव के परिणाम जब आए तब भाजपा प्रत्याशी धर्मजीत सिंह को 90978 और कांग्रेस प्रत्याशी 76086 वोट मिले।

कांग्रेस प्रत्याशी रश्मि सिंह को 14892 वोट से हार मिली। 12वें राउण्ड के बाद जब भाजपा लगभग 10 हजार वोटों से आगे चल रही थी तब भाजपा के कार्यकर्ताओं में उत्साह धीरे धीरे भरने लगा था और जैसे जैसे गणना आगे बढ़ने लगी। वैसे वैसे कार्यकर्ता पुराना बस स्टैण्ड के पास इकठ्ठा होने लगे और जमकर आतिशबाजी शुरू होने लगी जो देर शाम तक चलती रही इसके बाद कार्यकर्ताओं ने पूरे नगर में ढोल ताशे के साथ नगर भ्रमण किया और नगरवासीयों के साथ जीत की खुशीयां मनाई।

इस अवसर पर काशी देवांगन, दिलीप तोलानी, घनश्याम शिवहरे, बाला ठाकुर, जितेंद्र ठाकुर, राजकुमार यादव, गजेंद्र गुप्त, देव साहू, तिलक देवांगन, मोनू ठाकुर, डाकेश जायसवाल, लल्लन शुक्ला, निरंजन क्षत्री, सोनू क्षत्री, माधो दंवागन, हनी पाण्डेय, संदीप साहू, अमित मंदानी, चिंपू ठाकुर, तन्नू कुकरेजा, नैन लाल साहू सहित अन्य उपस्थित रहे।

हार के बाद अभनपुर कांग्रेस प्रत्याशी ने ईव्हीएम से छेड़छाड़ का लगाया आरोप

रायपुर, 3 दिसम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिल सकती है, वहीँ भाजपा बहुमत के साथ सरकार बना सकती है। कुछ देर में ही इस परिणाम सामने आ जायेंगे। रायपुर के सातों सीटों पर भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज कर ली है। वहीं एक और बड़ी खबर सामने आ रही है कि रायपुर के अभनपुर कांग्रेस प्रत्याशी धनेंद्र साहू ने हार के बाद ईवीएम पर सवाल उठाए है। उन्होंने जिस तरीके के नतीजे आए है, वह बिलकुल भी विश्वशनीय नहीं है। इस बार हमारी कांग्रेस की सरकार ने किसानों,बेरोजगारों महिलाओं, मजदूरों समेत सभी वर्ग के हित में काम किया है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही ईवीएम मशीन में छेड़खानी की गई है, उन्होंने इसकी आशंका जताई है। इससे संदेह नहीं किया जा सकता इसमें गड़बड़ी नहीं की गई हो।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव मतगणना के अब तक जो रुझान आए हैं वो चौकाने वाले हैं. सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस पीछे चल रही है. 90 विधानसभा सीटों में बीजेपी बढ़त बनाई हुई है. जिसमें भाजपा 54, कांग्रेस 35 और अन्य 1को जीत मिली।

कड़ी टक्कर के बीच मंत्री कवासी लखमा को 1930 वोटो से मिली जीत

कांग्रेस के जीत का खाता धरमजायगढ़ से खुला है. कांग्रेस प्रत्याशी लालजीत सिंह राठिया 10 हजार वोटों से जीत दर्ज की. वहीं अब कोंटा विधानसभा में कड़ी टक्कर के बीच मंत्री कवासी लखमा ने जीत दर्ज कर ली है. पूरे 17 राउंड की गिनती में कवासी लखमा को 1930 वोट से जीत मिली। कवासी लखमा (कांग्रेस) 32613, देवेंद्र तेलाम (जोगी कांग्रेस) 1383, मड़कमी मासा (बहुजन समाज) 1067, सोयम मुक्का (भाजपा) 30683, चनाराम मरकाम (आदिदल) 2849, जगदीश नाग (आजाद)1794, मनीष कुंजाम (निर्दलीय) 28748, बीड़ा सोढ़ी (निर्दलीय) 1444, नोटा 3675, कुल 104256

बेमेतरा से दीपेश साहु, नवागढ़ से दयाल बघेल, साज़ा से ईश्वर साहू की जीत

बेमेतरा, 3 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिले के तीनों विधानसभा में इस बार भारी उलट फेर हो गया,भाजपा जोरदार 2013 की तरह वापसी करते हुए तीनो विधानसभा नवागढ़, साज़ा, बेमेतरा में अपना कब्जा जमा लिया । गद्दावर मंत्री रविंद्र चौबे, रुद्र गुरु,विधायक आशीष को हार मिली । बीजेपी की प्रत्याशी चुनाव में विजय प्राप्त किए । इसमें नवागढ़ विधान सभा से पूर्व मंत्री दयाल दास बघेल विजय हुए उन्होंने वर्तमान मंत्री गुरु रुद्र कुमार गुरु को पराजित किया वही साज़ा विधानसभा क्षेत्र में पूरे प्रदेश की जहां सब की निगाहें लगी हुई थी वहां पर सारे समीकरण से हटकर भाजपा के ईश्वर साहू ने कद्दावर नेता एवं छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे को पराजित किया ,इसी तरह बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के दीपेश साहू विजय रहे इसके साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी और डीजे बजा कर अपनी खुशी इज़हार किया शुरुआत में जैसे-जैसे लोगों को जानकारी होती है वैसे-वैसे कृषि उपज मंडी के दोनों गेट की तरफ दोनों पार्टी के कांग्रेस में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एकत्रित हुए थे लेकिन जैसे-जैसे राउंड में अलाउंस होता गया वैसी वैसी बीजेपी के कार्यकर्ता उत्साहित होकर जिंदाबाद के नारा लगाने लग गए इसके साथ ही कई जगह आतिशबाजी भी होने लगा उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय में स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में रविवार को बेमेतरा जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र नवागढ़ साज़ा एवं बेमेतरा के लिए हुए मतदान का स्ट्रांग बनाया गया था ,जिसे निर्धारित समय पर विभिन्न राजनीतिक दलों के अभिकर्ताओं की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम खोला गया। इसके बाद जैसे-जैसे ईवीएम मशीन की गिनती शुरू हुई वैसे-वैसे स्थिति स्पष्ट होने लग गया

■ 2̈13 की तरह भाजपा ने वापस लहराया परचम

शुरुआत से ही नवागढ़, साज़ा, बेमेतरा में कांग्रेस प्रत्याशी पिछड़ने लगे

निर्धारित समय पर तीनों विधानसभा में हुए मतदान की गिनती ईवीएम मशीन से शुरू हुई और तीनों विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी बढ़त नहीं ले पाए पहले राउंड में जहां आशीष छाबड़ा ने लगभग 1 हजार 1 वोट की बढ़त लिए जरूर लेकिन उसके बाद से जो पीछे होते चले गए वह आखिरी राउंड तक पीछे ही रह गए जबकि साजा विधानसभा क्षेत्र में तथा नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी लगातार अपनी बढ़त बनाए रखें जो अंत तक जारी रहा ।

चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' का असर

144 ट्रेनें कैंसिल, तमिलनाडु में एसडीआरएफ के 100 जवान तैनात

रायपुर, 3 दिसम्बर (देशबन्धु)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 3 राज्यों में साइक्लोन अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु, ओड़िसा, पुडुचेरी में 4 और 5 दिसंबर को तूफ़ान का असर देखा जाएगा। यहाँ तटीय इलाकों में भारी बारिश की संभावना है जबकि आंध्रप्रदेश के कुछ इलाकों में हल्के से मध्यम वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। के अनुसार बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव का क्षेत्र 2 दिसंबर को डीप डिप्रेशन में बदल गया अगले 12 घंटों में यह तूफान में बदल जाएगा द्य अलर्ट को देखते हुए तमिलनाडु में एसडीआरएफ के 100 जवान तैनात किए गए। तूफान के चलते सेंट्रल रेलवे ने 3 से 7 दिसंबर के बीच चलने वाली 144 ट्रेन को रद्द किया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, तमिलनाडु, बेंगलुरु, हैदराबाद, नई दिल्ली, हावड़ा, लखनऊ, विशाखापत्तनम, तिरुपति, पुडुचेरी सहित अन्य रूट पर चलने वाली ट्रेनों को कैंसिल किया गया है। रद्द की गई ट्रेनों में विजयवाड़ा जनशताब्दी (ट्रेन नंबर 12077 और 12078), निजामुद्दीन चेन्नई दुरंतो (ट्रेन नंबर 12269 और 12270), गया चेन्नई एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12389 और 12390) और बरौनी कोयंबटूर स्पेशल (ट्रेन संख्या 3357 और 3358) शामिल हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, 5 दिसंबर की सुबह तूफान आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और मछलीपट्टनम तट के बीच लैंडफॉल करेगा। उस समय तूफान की स्पीड 80-90 किमी प्रति घंटे होगी। यह 100 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मध्य प्रदेश में पांचवी बार ...

तेलंगाना में 2018 में बीआरएस 88 सीटें पर जीती थी और कांग्रेस को 19 सीटें मिली थीं। भाजपा ने इस जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति मजबूत जनास्था और भाजपा सरकारों की जन कल्याण की नीतियों और विकास कार्यक्रमों का परिणाम बताया।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर चुनावनतीजों पर अपनी प्रारम्भिक टिप्पणी में कहा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है। उसका भरोसा भाजपा में है।

सिंधिया की समर्थक इमरती भी हारीं

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को बड़ा झटका लगा है। उनकी कट्टर समर्थक कही जाने वाली इमरती देवी को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा है। इमरती देवी को उनके समधी सुरेश राजे ने 1825 वोटों से हराया है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा ने एग्जिट पोल को किया गलत साबित

रायपुर, 3 दिसम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना समेत 4 राज्यों के वोटों की गिनती में भाजपा को बड़ी बढ़त मिली है। राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा रुझानों में बहुमत हासिल कर चुकी है। वहीं छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के मुकाबले भाजपा काफी आगे चल रही है। इस तरह एग्जिट पोल्स को भी भाजपा की सफलता ने गलत साबित किया है। किसी भी एग्जिट पोल ने छत्तीसगढ़ में भाजपा को बढ़त नहीं दिखाई थी।

■ प्रदेश में खिला कमल, बदलेगी सरकार, भाजपाइयों में जश्न का माहौल

रायपुर जिला में कांग्रेस की करारी हार, भाजपा ने सभी 7 सीटों में किया कांग्रेस का सूपड़ा साफ, रायपुर उत्तर, दक्षिण, पश्चिम, ग्रामीण, धरसींवा, अभनपुर, आरंग में भाजपा की जीत।

रायपुर के सेजबहार भाजपाइयों में खुशी का माहौल, बैंड बाजा बजाकर और पटाखा फोड़कर कर रहे खुशी का इजहार। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा कार्यालय में जय जय मोदी और भाजपा जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे है।

छत्तीसगढ़ में मतगणना जारी है। शुरुआती तौर पर जो रुझान आया वह टक?कर वाला था लेकि?न समय के साथ बीजेपी बढ़त बनाती गई और कांग्रेस की जीत की उम्?मीद खत?म होती गई। छत?तीसगढ़ में कांग्रेस हार तो रही है पर जनता इतनी परेशान हो गई है कि? सरकार के कई मंत्री भी पीछे चल रहे हैं। छत्तीसगढ़ में विधानसभा की 90 सीटें हैं और यहां मतदान दो चरणों में सात और 17 नवंबर को मतदान हुआ था।

NECC

28.11.2023	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	535	83	145
चिल्हर	6.50	98	175

डिलीवरी 550 सैकड़ा
दर्जन अंडा 75 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

देश

उवाच

"मध्य प्रदेश में कमलनाथ ने भाजपा की बी टीम की तरह व्यवहार किया इस पराजय के लिए कांग्रेस नेतृत्व दोषी है। कांग्रेस पार्टी को अपनी गलतियों से सीखना चाहिए और सभी को एक साथ लेकर चलना चाहिए।

–पिनाराई विजयन, केरल के मुख्यमंत्री

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	25.	14.
मुंबई	33.	26.
कोलकाता	27.	21.
चेन्नई	25.	26.

तेलंगाना में लोकतंत्र को करेंगे पुनर्जीवित : कांग्रेस

बीआरएस सरकार पर लगाया लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप

हैदराबाद, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत को तेलंगाना के शहीदों को समर्पित करते हुए तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि पार्टी राज्य में लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करेगी। कांग्रेस नेता ने पार्टी मुख्यालय गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से कहा कि राज्य सचिवालय को जनता के लिए खोल दिया जाएगा, जबकि मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास प्रगति भवन का नाम बदलकर अंबेडकर प्रजा भवन रखा जाएगा। सीएम पद के प्रबल दावेदार रेवंत रेड्डी ने आश्वासन दिया कि सरकार गरीबों की मदद करने और तेलंगाना को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए काम करेगी। यह आरोप लगाते हुए कि बीआरएस सरकार ने लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर दिया है, टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस इसे पुनर्जीवित करने के लिए काम करेगी और मानवाधिकारों की रक्षा में सबसे आगे रहेगी। तेलंगाना के कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केटीआर ने कांग्रेस की सरकार का स्वागत किया है। अब जब हमारी सरकार आएगी यह जज्बा जारी रहेगा। तेलंगाना में कांग्रेस के जीत पर प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यालय के बाहर जश्न मना रहे कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार जताया।

प्रदेश में मिली बड़ी जीत पर कांग्रेस पार्टी के समर्थकों का जताया आभार

गरीबों की मदद करने व तेलंगाना को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए काम करेगी सरकार : रेवंत रेड्डी

विपक्ष के विचारों को भी महत्व देते हैं हम

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि 10 वर्षों तक बीआरएस पावर में रही अब वह विपक्ष में बैठेगी। हम विपक्ष के विचारों को भी महत्व देते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि यह 3 दिसम्बर 2009 को श्रीकांत चारी ने तेलंगाना के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया था। राज्य के लोगों द्वारा दिया गया जनादेश 3 दिसम्बर 2023 को उनके प्रति एक उपयुक्त श्रद्धांजलि है। रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस को चुनावी जीत पर बधाई देने के लिए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि पार्टी विपक्षी दलों का सम्मान करेगी और सरकार चलाने में उन्हें साथ लेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि बीआरएस भविष्य में भी ऐसा ही जज्बा दिखाएगा। यह कहते हुए कि लोगों का जनादेश मिलने के बाद कांग्रेस की जिम्मेदारी बढ़ गई है, उन्होंने आश्वासन दिया कि पार्टी अपने सभी वादे पूरे करेगी। उन्होंने कहा, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, जिसने 21 दिनों तक तेलंगाना को कवर किया, ने उन्हें और राज्य के सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस की सहयोगी पार्टी भाकपा को भी धन्यवाद दिया और वादा किया कि पार्टी प्रभावी तरीके से सरकार चलाने के लिए माकपा, तेलंगाना जन समिति और अन्य दलों की मदद लेगी। तेलंगाना पुलिस ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने 4 दिसम्बर और 9 दिसम्बर को शपथ ग्रहण समारोह के लिए सुरक्षा इंतजाम करने के लिए कहा है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर रविवार को पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक (कानून व्यवस्था) संजय कुमार जैन और अतिरिक्त महानिदेशक (सीआईडी) महेश भागवत के साथ चर्चा की। बैठक के दौरान रेड्डी ने बताया कि वह जल्द ही राज्यपाल से मिलने की योजना बना रहे हैं।

केसीआर ने राज्यपाल को भेजा इस्तीफा

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने 119 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस द्वारा बहुमत सीटें जीतने के बाद रविवार को राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को अपना इस्तीफा भेज दिया। जब साफ हो गया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सत्ता बरकरार नहीं रखेगी, केसीआर ने एक अधिकारी के माध्यम से राजभवन को अपना इस्तीफा भेज दिया। उम्मीद थी कि केसीआर अपना इस्तीफा सौंपने राजभवन खुद जाएंगे। वह निजी कार में चुपचाप मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास प्रगति भवन से निकल गए, लेकिन राजभवन नहीं पहुंचे। बाद में पता चला कि उन्होंने अपना इस्तीफा एक अधिकारी के माध्यम से भेजा है। बताया गया है कि मुख्यमंत्री मेडक जिले के एर्रावल्ली गांव स्थित अपने फार्महाउस के लिए रवाना हो गए हैं। केसीआर के इस रुख ने कई लोगों को चौंका दिया, वो काफिले में नहीं गए और यहां तक कि मार्ग की मंजूरी के बिना एक आम व्यक्ति के रूप में चले गए।

राजस्थान, छग व मध्य प्रदेश में नजीतों से कांग्रेस को झटका

■ हार के साथ हिमाचल को छोड़कर हिंदी बेल्ट से कांग्रेस का हुआ सफाया

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। आक्रामक अभियान चलाने के बावजूद कांग्रेस राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में हार गई और इसके साथ ही 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनावों से हिमाचल प्रदेश को छोड़कर पार्टी का मुख्य हिंदी बेल्ट में लगभग सफाया हो गया है। इस बड़े झटके ने लोकसभा चुनाव के लिए अधिक सीटों की सौदेबाजी के लिए भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) में भी कांग्रेस को झटका दिया है। पार्टी के एक नेता ने, जो अभी तक तीन राज्यों में हार के सदमे से उबर नहीं पाए हैं, नाम न छापने की शर्त पर कहा कि नतीजे हमारे लिए बहुत बड़ा झटका हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी को उम्मीद थी कि वह छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार बनाएगी, जहां उसे पिछले पांच वर्षों में कोई समस्या नहीं हुई और न ही कोई सत्ता विरोधी लहर दिखी और न ही पार्टी नेतृत्व के पास कोई रिपोर्ट आई। मप्र के नतीजों पर टिप्पणी करते हुए पार्टी नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि राज्य की रिपोर्ट के आधार पर हमें राज्य में 150 सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हालांकि, चीजें हमारे अनुरूप नहीं रहीं और हम इस चुनाव में बहुत कम सीटों पर सिमट गए, जो काफी आश्चर्यजनक है। पार्टी नेता ने बताया कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में सफलता का स्वाद न चख पाने का मुख्य कारण यह था कि पार्टी के रणनीतिकार सुनील कनुगोलू और उनकी टीम को कमल नाथ और अशोक गहलोत जैसे नेताओं द्वारा खुली छूट नहीं दी गई थी। पार्टी नेता ने कहा, हालांकि, उन्हें तेलंगाना में पार्टी को उचित रिपोर्ट देने और अभियानों के लिए तरीके सुझाने की पूरी आजादी थी और राज्य नेतृत्व उनसे सहमत था और उन्हें आवश्यक सभी मदद दी। उन्होंने कहा, यहां तक कि राज्य नेतृत्व ने कनुगोलू की टीम द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षणों पर कार्रवाई की, जो कि राजस्थान और मध्य प्रदेश में नहीं था, जहां वरिष्ठ कांग्रेस नेता उनके साथ नहीं आए, जिसके कारण मूड अनुकूल होने के बावजूद इतनी बड़ी हार हुई। पार्टी नेता ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि राजस्थान में कनुगोलू की टीम के बीच मतभेद तब सामने आए जब उन्होंने पार्टी के आंतरिक सर्वेक्षण में सुझाव दिया कि कई मौजूदा विधायक और मंत्री रेगिस्तानी राज्य में जीत नहीं पाएंगे। हालांकि, पार्टी नेता ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी रणनीति टीम डिजाइनबॉक्स्ड द्वारा किए गए सर्वेक्षणों के आधार पर अपने विधायकों और मंत्रियों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर से इनकार किया है। यही वह जगह है जहां अंतर है। कनुगोलू की टीम द्वारा तैयार किया गया सर्वेक्षण एक ईमानदार सर्वेक्षण था जिसने समस्याओं को उजागर किया था, जिसे नजरअंदाज कर दिया गया। पार्टी नेता ने कहा कि अब हिंदी पट्टी में पूरी तरह से सफाये के बाद 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव से पहले की राह आसान नहीं होगी।

कामारेड्डी में भाजपा उम्मीदवार ने केसीआर व रेवंत रेड्डी दोनों को हराया

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंदशेखर राव और राज्य कांग्रेस प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी, जिनके अगले मुख्यमंत्री होने की संभावना है, कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र में दोनों भाजपा के उम्मीदवार से हार गए। भाजपा के वेंकट रमना रेड्डी जायंट किलर साबित हुए। उन्होंने के. चंद्रशेखर राव को 5,156 वोटों के अंतर से हराया। रेवंत रेड्डी तीसरे स्थान पर रहे। सुबह गिनती शुरू होने के बाद से ही कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। शुरुआत में भाजपा प्रत्याशी ने बढ़त बना ली थी। इसके बाद रेवंत रेड्डी आगे रहे। कुछ राउंड में केसीआर भी आगे चल रहे थे। लेकिन जब वोटों की गिनती खत्म हुई तो नाटकीय अंदाज में बीजेपी के वेंकट रमना रेड्डी जीत गए। वो यहां के स्थानीय नेता माने जाते हैं। केसीआर जहां अविभाजित मेडक जिले से हैं, वहीं रेवंत रेड्डी अविभाजित महबूबनगर जिले से आते हैं। हालांकि, केसीआर और रेवंत रेड्डी दोनों क्रमशः अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र गजवेल और कोडंगल से चुने गए हैं। जहां केसीआर लगातार तीसरी बार गजवेल से चुने गए, वहीं रेवंत रेड्डी कोडंगल में विजयी हुए। 2018 में उन्हें इस सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। वहीं भाजपा के उम्मीदवार टी राजा सिंह गोशामहल सीट से जीत गए हैं। बीआरएस के नंद किशोर व्यास को 21457 वोटों से हराया। भाजपा ने तेलंगाना में आर्मूर निर्वाचन क्षेत्र से पहली जीत दर्ज की। पैदी राकेश रेड्डी ने 29669 वोटों के अंतर से यह सीट जीती। वहीं भाजपा के पैदी राकेश रेड्डी ने रविवार को कांग्रेस उम्मीदवार प्रोद्दुतुरी विनय कुमार रेड्डी को 29,669 मतों के अंतर से हराकर तेलंगाना में आर्मोर विस सीट जीत ली। मतगणना शुरू होने के बाद से ही भाजपा प्रत्याशी ने 16 राउंड की समाप्ति तक अच्छी बढ़त बना रखी थी। आयोग ने आर्मोर विस क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार पेदी राकेश रेड्डी को निर्वाचित घोषित किया है।

सार संक्षेप

बीएपी ने मध्य प्रदेश में पहली जीत की हासिल

भोपाल। भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने मध्य प्रदेश में डेब्यू करते हुए रविवार को रतलाम जिले की सैलाना सीट जीती है। चुनाव आयोग के अनुसार, पार्टी के कमलेश्वर डोडियार ने सैलाना निर्वाचन क्षेत्र में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के हर्ष विजय गहलोत को 4,618 मतों के अंतर से हराया। यह पहली बार है कि राजस्थान में मुख्यालय वाली बीएपी ने मध्य प्रदेश के किसी चुनाव में जीत दर्ज की है। रतलाम जिले की सैलाना सीट राजस्थान की सीमा पर स्थित है। साल 22 में भारतीय ट्राइबल पार्टी से उभरी बीएपी आदिवासी-आधारित पार्टी है और विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही इसे मध्य प्रदेश में औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया था। पार्टी ने मध्य प्रदेश में आदिवासी बहुल क्षेत्रों में 25 उम्मीदवार उतारे थे।

तेलंगाना में समर्थन पर शाह ने लोगों को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने विधानसभा चुनाव में उत्साहजनक समर्थन के लिए तेलंगाना के लोगों का आभार जताया। शाह ने एक्स पर एक ट्वीट में कहा, समर्थन को प्रोत्साहित करने के लिए तेलंगाना के लोगों का आभार। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा तेलंगाना के विकास के लिए काम करना जारी रखेगी। लोगों के सहयोग से हम निश्चित रूप से तेलंगाना को एक समृद्ध राज्य बनाएंगे। तेलंगाना भाजपा के कार्यकर्ताओं और प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी को उनके अथक प्रयासों के लिए हार्दिक धन्यवाद। तेलंगाना में कांग्रेस 63 सीटों पर, बीआरएस 4 सीटों पर, भाजपा आठ सीटों पर और सीपीआई एक सीट पर आगे चल रही है।

लोस चुनाव में 35 से ज्यादा सीटें जीतने में मदद मिलेगी : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि तीन राज्यों में जीत से भाजपा को अगले साल के लोकसभा चुनाव में 35 से ज्यादा सीटें जीतने में मदद मिलेगी। उन्होंने तीन राज्यों मध्य प्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में भाजपा के पक्ष में स्पष्ट जनादेश देने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया।

विरोधी दल की जिम्मेदारी निभाएगी कांग्रेस : कमलनाथ

भोपाल, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिल रही भारी बढ़त के बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने अपनी हार स्वीकार ली है और कहा है कि विरोधी दल के नाते कांग्रेस अपने कर्तव्य का निर्वहन करेगी। कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में कमल नाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला की मौजूदगी में कहा कि उन्हें मध्य प्रदेश के मतदाताओं पर पूरा भरोसा था और आगे भी यही भरोसा रहेगा। कमलनाथ ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि राज्य में नौजवानों के भविष्य, रोजगार और कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है और कांग्रेस इस दिशा में अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन करेगी।

तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों पर बोली टीएमसी

भाजपा की सफलता से ज्यादा कांग्रेस की विफलता

कोलकाता, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार पर टीएमसी ने कहा यह नतीजे भाजपा की सफलता से ज्यादा कांग्रेस की विफलता है। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि तीन राज्यों में भाजपा की सफलता की कहानी से ज्यादा कांग्रेस की विफलता है।

कांग्रेस तेलंगाना में पहले से ही बीआरएस को हटाने के लिए तैयार थी। उन्होंने दावा किया कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनावों के नतीजों का आम चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट करके कहा कि टीएमसी वह पार्टी है जो देश में बीजेपी को हराने की लड़ाई में नेतृत्व प्रदान कर सकती है। टीएमसी नेता ने दावा किया कि इन राज्यों में चुनाव जीतने के लिए अन्य पार्टियों ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कल्याणकारी योजनाओं को आत्मसात कर लिया है। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि 'भगवा लहर' पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत दिलाने में मदद करेगी और 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी सरकार को सत्ता से बेदखल करेगी।

देश में भाजपा को हराने की लड़ाई में नेतृत्व प्रदान कर सकती है टीएमसी : कुणाल घोष

नंदीग्राम विधायक ने कहा कि भाजपा सोमवार को राज्य विधानसभा के बाहर से विजय रैली आयोजित करेगी और दोपहर दो बजे के बाद पूरे बंगाल की पूरी गलियों में लड्डू बांटेगी। अधिकारी ने सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भगवा लहर के लिए नरेंद्र मोदी को भगवा शुभकामनाएं।

तीनों राज्यों में फेल हुई आम आदमी पार्टी

आप उम्मीदवारों को मिले नोटा से भी कम वोट, जमानत जब्त

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल घरेलू मोर्चे पर कड़ी लड़ाई का सामना कर रहे हैं। उनके नेता संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जेल में हैं, तो स्वयं उनके भी जेल जाने की संभावना जताई जा रही है। लेकिन इसी बीच अरविंद केजरीवाल को तीनों राज्यों में करारी हार का सामना करना पड़ा है। आम आदमी पार्टी ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों में अपनी किस्मत आजमाने का काम किया था, लेकिन उसके ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। कई विधानसभा में आम आदमी पार्टी उम्मीदवारों को नोटा से भी कम वोट मिले हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि अब राजधानी दिल्ली की जनता भी अरविंद केजरीवाल से छुट्टी चाहती है और केजरीवाल की विदाई तय है। इसके पहले आम आदमी पार्टी ने गुजरात और गोवा के विधानसभा चुनावों में अपनी किस्मत आजमाने का काम किया था, जहां उसे कई सीटों पर जीत मिली, तो कुछ सीटों पर उसके उम्मीदवार दूसरे नंबर पर भी आए। इसकी बदौलत ही आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर की पार्टी होने का गौरव हासिल किया। लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी उतनी सफल नहीं रही और तीनों ही महत्वपूर्ण राज्यों में उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लोगों ने मोदी गारंटी पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। यही कारण है कि इन राज्यों में भाजपा को शानदार जीत मिली है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने भी भाजपा के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। इसका वे स्वागत करते हैं। आने वाले चुनावों में भाजपा तेलंगाना में भी अपनी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि तीनों राज्यों की जनता ने अरविंद केजरीवाल की गंदी राजनीति को खारिज कर दिया है।

लोकतंत्र में जीत व हार स्वाभाविक : सिद्दारमैया

बेंगलुरु, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने चार में से तीन राज्यों में कांग्रेस को मिली हार को लेकर प्रतिक्रिया दी है। सीएम का कहना है कि लोकतंत्र में जीत और हार स्वाभाविक है। सिद्दारमैया ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को हार से सीख लेने की जरूरत है। हम हार से निराश नहीं होते और न ही सफलता से उत्साहित होते हैं। तेलंगाना में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिल गया है। जबकि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पार्टी को झटका लगा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना हमारा पड़ोसी राज्य है और कर्नाटक सरकार की गारंटी योजनाओं की सफलता में इसकी बड़ी भूमिका है। प्रदेश के कांग्रेस नेताओं ने भी खूब मेहनत की है। किसी को उम्मीद नहीं थी कि कांग्रेस तेलंगाना में सत्ता तक पहुंचेगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया।

विस चुनाव के परिणाम कर्नाटक में कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी : बोम्मई

बेंगलुरु, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि चार राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम 2024 के लोकसभा चुनावों के संभावित परिणाम का संकेतक हैं, जिससे दो राज्यों में भाजपा के जीतने और सत्ता बरकरार रखने की संभावना बढ़ गई है। इन नतीजों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को और निखारा है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए बोम्मई ने कहा कि ये परिणाम कर्नाटक कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी हैं। इन चार विधानसभा चुनावों के नतीजों को सेमीफाइनल कहा गया है, क्योंकि ये महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव से पहले आए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कई बार बयान दिया है, जो गलत साबित हुए। विधानसभा चुनाव के नतीजों ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए स्पष्ट संदेश दिया है। बोम्मई ने कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा को दो-तिहाई बहुमत मिला है और राजस्थान और छत्तीसगढ़ में स्पष्ट बहुमत मिला है, साथ ही तेलंगाना में भाजपा की सीटें एक से बढ़कर ग्यारह हो गई हैं।

बोम्मई ने कहा, चार राज्यों में भाजपा के प्रदर्शन के लिए पीएम मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान जैसे वरिष्ठ भाजपा नेताओं को बधाई दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद इंडिया गठबंधन बिखर जाएगा, क्योंकि सहयोगी दल कांग्रेस से दूर हो जाएंगे।

उम्मीद | *कांग्रेस के दिमाग में बीस साल पहले वाला मैजिक*

लोकसभा चुनाव के लिए अपनी हार को शुभ मान रही कांग्रेस

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को प्रचंड बहुमत हासिल हुआ है। कांग्रेस पार्टी को इन तीनों राज्यों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी को 2 साल पहले वाले चमत्कार पर भरोसा है। कांग्रेस को लगता है कि तीन राज्यों की हार उसके लिए। शुभ है। पार्टी नेता जयराम रमेश ने अपने ट्वीट में साफ कर दिया है। उन्होंने लिखा, बीस साल पहले कांग्रेस पार्टी, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में चुनाव हार गई थी। इसके कुछ माह बाद ही लोकसभा चुनाव में, कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। कांग्रेस ने तब केंद्र में सरकार बनाई थी। इस आशा, विश्वास, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन की भावना के साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनावों के लिए तैयारी कर रही है। जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और स्टार प्रचारक राहुल गांधी ने तीन राज्यों में हुई पार्टी की हार के बाद कहा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का जनादेश हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद। प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा हम जरूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया। राहुल गांधी ने इस हार के बावजूद यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस अपनी विचारधारा से दूर नहीं जाएगी। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर विश्वास और भरोसा जताने के लिए मैं तेलंगाना के मतदाताओं का धन्यवाद करता हूं। मैं उन सभी का भी धन्यवाद करता हूं जिन्होंने हमें छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में वोट दिया। ये चुनाव परिणाम हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे हैं, परंतु हमें विश्वास है कि हम मेहनत एवं दृढ़निश्चय से मजबूती से वापसी करेंगे। कांग्रेस पार्टी ने पूरे दम खम के साथ इन चार राज्यों के चुनाव में भाग लिया। मैं अपने अनगिनत कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। हमें इस हार से हताश हुए बगैर इंडिया दलों के साथ, दोगुने जोश से लोकसभा चुनाव की तैयारी में लग जाना है। कांग्रेस को छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सत्ता में वापसी की उम्मीद थी और मध्य प्रदेश में भी भाजपा से सत्ता छीनने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा कि लेकिन नतीजे उम्मीद से बिल्कुल अलग आए हैं। यह हमारे लिए कठिन समय है, लेकिन हम 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए कुछ तरीके ढूंढेंगे।

कांग्रेस पिछले साल पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में हार गई थी। बिहार में कांग्रेस राजद और जदयू के महागठबंधन का हिस्सा है और झारखंड में कांग्रेस झामुमो के साथ गठबंधन सरकार का हिस्सा है।

■ आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर एकजुट होगी पार्टी

देशबन्धु

बिलासपुर, सोमवार 4 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्यों हारी कांग्रेस

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में चार के नतीजे 3 दिसंबर को आ गए। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक चार में से तीन राज्य भाजपा के खाते में और एक कांग्रेस के खाते में जा रहा है। यानी मुकाबला बीजेपी के नाम ही रहा है। तीन में से दो राज्य, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पिछले पांच साल कांग्रेस की सरकार रही और अब अगले पांच साल के लिए सत्ता भाजपा के खाते में जा रही है। वहीं मध्यप्रदेश की सत्ता इस बार नैतिक तरीके से भाजपा के पास आ गई है। पिछली बार कांग्रेस के हाथों से भाजपा ने छल के जरिए सत्ता हथिया ली थी और विधानसभा चुनावों में यह बड़ा मुद्दा भी बना था। लेकिन जनता को शायद सरकार चुराने के इस खेल से खास फर्क नहीं पड़ा या फिर अन्य कारण कांग्रेस के खिलाफ काम कर गए और सत्ता पूरी तरह से भाजपा के हाथ में आ गई है। ये तीनों हिंदी पट्टी के राज्य हैं, और यहां भाजपा बरसों से कांग्रेस से मजबूत रही है। हिंदी पट्टी राज्यों में धर्म का कार्ड कैसे चलना है, इस की विशेषज्ञ भाजपा है। जबकि कांग्रेस उसकी नकल करने के चक्कर में पिट गई। जब लोगों को धर्म के आधार पर ही वोट देना है, तो वो असली छोड़, नकली माल की ओर क्यों देखेंगे। कांग्रेस पता नहीं कब इस बात को समझेगी कि सॉफ्ट हिंदुत्व से वो बीजेपी का मुकाबला नहीं कर पाएगी। बागेश्वरधाम जैसे बाबा के चरणों में सिर नवाने में किसी कांग्रेस नेता की निजी श्रद्धा हो सकती है, और ऐसा करके वह अपनी और अपने परिवार की जीत सुनिश्चित कर सकता है, लेकिन यहां पार्टी आलाकमान की जिम्मेदारी है कि वे पूछें कि इससे कांग्रेस का भला कैसे हो सकता है। जाहिर है कमलनाथ जैसे नेताओं की इस तरह की मनमर्जी पर आलाकमान रोक नहीं लगा पाया और इसका नतीजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा है।

इन नतीजों में भाजपा के लिए दक्षिण के दरवाजे एक बार फिर बंद हो गए हैं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। इन नतीजों की एक और व्याख्या ये है कि देश में दक्षिण और उत्तर भारत की मानसिकता का फर्क पूरी तरह सतह पर आ गया है। कांग्रेस ने जैसी गारंटियां कर्नाटक में दी थीं, वैसी ही तेलंगाना और छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी दी थीं। लेकिन इन गारंटियों का असर दक्षिण भारत में अलग हुआ और उत्तर भारत में अलग रहा। रोजगार, नौकरियों के लिए परीक्षाएं, सस्ता परिवहन, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, किसानों, मजदूरों के हित, ओबीसी का हक ऐसे तमाम मुद्दों पर उत्तर और दक्षिण भारत की जनता की सोच अलग नजर आई। कर्नाटक के बाद तेलंगाना के लोगों ने कांग्रेस की विकासपरक सोच को धर्म के ऊपर तरजीह दी, लेकिन हिंदी पट्टी में धर्म बाजी मार गया। इन नतीजों में क्षत्रपों के रवैये ने भी कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है। तेलंगाना में कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी का कहना है कि 20 साल की राजनीति में 15 साल वो विपक्ष में रहे हैं और इसने उन्हें जनता से जोड़ा है, नयी पहचान दी है। गौरतलब है कि एबीवीपी से राजनीति की शुरुआत करने वाले रेवंत रेड्डी टीडीपी में भी रहे और फिर कांग्रेस में आए। दो साल पहले ही उन्हें कांग्रेस की राज्य ईकाई की कमान मिली और अपने पर दिखाए इस भरोसे को उन्होंने गलत साबित नहीं होने दिया। तेलंगाना में बीआरएस, एआईएमआईएम और भाजपा की मिली-जुली घेराबंदी को तोड़ते हुए उन्होंने कांग्रेस को आगे निकाला। जाहिर है ये काम एक अकेले के बस का नहीं है, बल्कि पूरे संगठन को साथ लेकर चलने की क्षमता की जरूरत होती है। रेवंत रेड्डी ने इसी क्षमता का परिचय दिया। लेकिन छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश में तीन की जगह केवल एक प्रतिद्वंद्वी यानी भाजपा से ही कांग्रेस को मुकाबला करना था, उसमें भी छत्तीसगढ़ और राजस्थान में तो उसकी अपनी सरकारें थीं, मगर फिर भी कांग्रेस यहां फेल हो गई, क्योंकि उसके क्षत्रपों ने पार्टी की जगह खुद को जरूरत से अधिक तवज्जो दे दी। पार्टी आलाकमान इन्हें साध नहीं पाया या इन क्षत्रपों का अहंकार पार्टी से बढ़कर हो गया, इसकी विवेचना खुद कांग्रेस को करनी होगी। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान, तीनों जगह कांग्रेस में बड़े पदों पर बैठे नेता भाजपा से अधिक एक-दूसरे से लड़ने में व्यस्त रहे। इस तरह कहा जा सकता है कि इन क्षत्रपों का अहंकार जीत गया, और पार्टी की हार या जीत से इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि फर्क पड़ता होता तो चुनाव के करीब आने पर एकता का दिखावा करने की जगह वे ईमानदारी से अपनी दरारें भरते, ताकि पार्टी को जीत मिलती। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता न आलाकमान के भरोसे पर खरे उतरे, न स्थानीय कार्यकर्ताओं के। वे केवल अपने अहंकारों की कसौटी पर खरे उतरे। अब ये कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विचार करने का सवाल है कि इसके बाद इन राज्यों में कांग्रेस को सही अर्थों में वे कैसे पुनर्जीवित करेंगे और कैसे बेलगाम हो चुके नेताओं को काबू में रखेंगे।

कांग्रेस की तीन राज्यों में हार का असर क्या अब इंडिया गठबंधन पर पड़ेगा या 2024 के चुनाव इससे किसी तरह प्रभावित होंगे, अभी ऐसे कुछ सवालों पर चर्चा चलेगी। हालांकि पिछले चुनाव के अनुभव यही बताते हैं कि राज्य जीतने के बावजूद कांग्रेस आम चुनाव हार गई थी। मुमकिन है इस हार से कांग्रेस की तंद्रा भंग हो और वो 2024 की रणनीति तैयार करने में इस बार हुई भूलों से सबक ले सके। अगर कांग्रेस तीन राज्यों में जीत जाती, तो शायद उसके क्षत्रपों की मनमानी और बढ़ जाती और 2024 में उसका अच्छा असर नहीं होता। इस लिहाज से ठीक ही हुआ कि कांग्रेस ने हिंदी पट्टी के राज्यों में हार का स्वाद चख लिया है। देश की असल पहचान और संविधान बचाने के लिए जरूरी है कि उन सामाजिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हो, जो बीते दशक में तेजी से दफन कर दिए गए हैं। जिन बातों को न्यू नॉर्मल कहकर सहज स्वीकृति मिल चुकी हैं, वे दरअसल भारत की जड़ों को खोखला कर रही हैं। इसलिए सत्ता का केन्द्रीकरण और व्यक्तिकेन्द्रित राजनीति दोनों को खत्म करना होगा। इंडिया गठबंधन की जीत से यह मुमकिन हो सकता है, इसलिए 2024 के चुनावों पर अब कांग्रेस और गठबंधन के बाकी दलों का फोकस होना चाहिए। हालांकि भाजपा की पूरी कोशिश रहेगी कि मोदी मैजिक जैसे जुमले को वो भारतीय राजनीति का सच बनाने की कोशिश करे।

फिलहाल इस बार के बाद अब यह देखना है कि भाजपा का अहंकार और कितना बढ़ता है, गांधी परिवार पर उसके हमलों में कितनी तेजी आती है और ये भी देखना है कि कांग्रेस कब ईमानदारी से आत्ममंथन कर अपनी गलतियों को सुधारती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि मोहब्बत के कारोबार का जिम्मा केवल राहुल गांधी के कंधों पर नहीं डाला जा सकता, इसमें सबको अपनी हिस्सेदारी निभानी होगी।

उत्तर भारत में भाजपा नहीं जीती कांग्रेस हारी

शकील अख्तर

2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना। और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है।

उत्तर भारत के क्षत्रपों ने कांग्रेस को फिर डुबो दिया। जबकि तेलंगाना के नायक रेवंत रेड्डी ने कर्नाटक के सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की तरह दक्षिण में कांग्रेस की नैया पार लगा दी।

राहुल गांधी का रोल हर जगह समान रहा। खूब मेहनत की। निश्चित ही रूप से उनके साथ पार्टी अध्यक्ष खरगे जी और प्रियंका गांधी की भी पूरी मेहनत रही। मगर उनके नेता कमलनाथ, गहलोत, पायलट, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव सब अपनी ढपली अपना राग बजाते रहे। किसी को न पार्टी की चिन्ता थी और न ही राहुल की।

नतीजा सबके सामने है। जबकि दक्षिण में कर्नाटक भी और फिर तेलंगाना भी कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने अपना अहं छोड़कर पार्टी के लिए लड़ा। और वहां का नतीजा भी सामने है।

अब फैसला कांग्रेस नेतृत्व को करना है। उसे उत्तर भारत के इन क्षत्रपों पर लगाम लगाना है या फिर ऐसा ही ढीला ढाला रवैया चलते रहने देना है।

राजस्थान में पांच साल से ज्यादा कांग्रेस में भयंकर गुटबाजी चली। 2018 के चुनाव में जाने से पहले गहलोत और पायलट में तलवारें खिंच चुकी थीं। और उसके बाद 2023 में रिजल्ट आने के बाद तक वे म्यानों में वापस नहीं गईं। हमने शायद दो साल पहले लिखा था कि वोट कांग्रेस को मिलते हैं। उसके नेताओं सोनिया गांधी राहुल के नाम पर। उसकी नीतियों को लोग पसंद करते हैं। मगर चुनाव जीतने के बाद क्षत्रप यह समझने लगते हैं कि वोट उन्हें मिले। लोकप्रियता उनकी है और वे अपनी मनमानी करने लगते हैं। हमारी यह बात उस समय कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं की समझ में आई थी। एकाध ने सार्वजनिक रूप से उसका समर्थन कर दिया। बड़ा हंगामा मचा। कांग्रेस के क्षत्रप लाल-पीले हो गए। मगर बात सच थी और आज नुकसान उठाकर कांग्रेस की समझ में आई है।

हमने यह भी लिखा था कि कांग्रेस को राजस्थान में गहलोत और पायलट दोनों को भूलकर तीसरा नेतृत्व तैयार करना चाहिए। मगर कांग्रेस कभी सुनती है? याद रखना चाहिए कि राजस्थान में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां की सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे को किनारे करके चुनाव लड़ा। मगर कांग्रेस गहलोत और पायलट के बीच झूलती रही। जिस समय पायलट अपने विधायकों को लेकर मानेसर गए कांग्रेस क्या कर रही थी? क्यों नहीं पायलट के खिलाफ एक्शन लिया गया? और फिर जब पार्टी अपना सबसे बड़ा डिसिजन ले रही थी। परिवार के बाहर का अध्यक्ष बनाने का तो गहलोत ने राजस्थान की कहावत के अनुसार मुट्ठी भर बाजरे के लिए हिन्दुस्तान की बादशाहत ठुकरा दी।

कांग्रेस गहलोत को अध्यक्ष बना रही थी। मगर राजस्थानी भाषा के अनुसार गहलोत नट गए। मतलब इन्कार कर दिया। और उसके साथ ही उन्होंने भी पार्टी का अनुशासन तोड़ने का एक बड़ा काम भी कर दिया। कांग्रेस ने वहां विधायक दल की बैठक बुलाई थी। उसमें आब्जर्वर के तौर पर उस समय के राजस्थान इंचार्ज अजय माकन और खरगे जी जिनका नाम उस समय अध्यक्ष पद की रेस में दूर-दूर तक नहीं था गए थे। मगर गहलोत ने अपने समर्थक विधायकों को उसे बैठक में जाने से रोक दिया। कांग्रेस इस पर कोई एक्शन नहीं ले पाई। नतीजा आज राजस्थान के रिजल्ट हैं।

मध्य प्रदेश की कहानी तो और भी खराब है। वहां तो कमलनाथ ने अपने आपको भावी मुख्यमंत्री ही लिखवाना शुरू कर दिया था। ये तो सबको मालूम था कि वे किसी से मिलते-जुलते नहीं हैं। मगर यह नहीं मालूम था कि वे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री पूरे टर्म के अखिलेश यादव के लिए ऐसे भी बोल सकते हैं कि अरे छोड़िए भी अखिलेश वखिलेश! और इससे भी आगे जाकर दस साल मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह और उनके विधायक पुत्र जयवर्द्धन सिंह जिनका टिकट बंटवारे से कोई लेना-देना नहीं के लिए यह बोल सकते हैं कि जाकर उनके कपड़े फाड़ो।

दिग्विजय ने एक कार्यक्रम में इस पर कमलनाथ की मौजूदगी में ही हल्के व्यंग्य के साथ एक कमेंट भी किया। मगर पार्टी की एकता बनाए रखने को ध्यान में रखते हुए ज्यादा तूल नहीं दिया। इसके साथ ही बेमतलब की फिल्मी डायलगबाजी की गई। वहां कांग्रेस इन्चार्ज के तौर पर अच्छा-भला बैकग्राउंड में रहकर काम कर रहे वरिष्ठ नेता जयप्रकाश अग्रवाल को अचानक प्रेस नोट जारी करते पद से हटा दिया गया। इतने वरिष्ठ नेता को पहले से जानकारी देना भी कांग्रेस ने उचित नहीं समझा। जिस समय उन्हें हटाने की विज्ञप्ति आई वे कांग्रेस मुख्यालय के अपने आफिस में पत्रकारों को भाजपा पर बाइट दे रहे थे। बता रहे थे कि कांग्रेस कैसे मध्य प्रदेश से भाजपा को हटाएगी मगर उसी समय उन्हीं को हटा दिया गया। उनकी जगह आए रणदीप सुरजेवाला ने उनकी चुपचाप काम करने वाली स्टाइल के विपरीत धूम-धड़ाका शुरू कर दिया। कमलनाथ और दिग्विजय को फिल्म शोले की जय-वीरू की जोड़ी बता दिया। बीजेपी तो इसी के इंतजार में थी। उसने फौरन सवाल किया की फिल्म खत्म होने से पहले एक खत्म हो गया था। वह कौन है? और वह अब कमलनाथ निकले।

कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ ने तारीख तो मध्यप्रदेश में उनके शपथ ग्रहण की बताई थी मगर किस को पता था कि उनकी राजनीति ही खत्म हो जाएगी। कमलनाथ किसी की सुनते नहीं थे। इंडिया गठबंधन ने जिस एंकर का बायकाट किया था उसे वे अपने जहाज में घुमाते हुए इंटरव्यू दे रहे थे। अपने आसपास के लोगों द्वारा रोज सुबह-शाम जय जय कमलनाथ सुनकर उन्हें लगने लगा था कि वे मुख्यमंत्री बन ही गए हैं।

अब बात छत्तीसगढ़ की। जहां कांग्रेस सबसे ज्यादा अपनी जीत सुनिश्चित मान रही थी। भाजपा को दस से ज्यादा सीटें न देने की बात कही जा रही थी। वहां मुख्यमंत्री बघेल, कमलनाथ जैसे अहंकार में तो नहीं थे मगर आत्मुमग्ध थे। उनके आसपास भी ऐसे लोगों की भीड़ जुट गई थी जो करते-धरते तो कुछ नहीं थे मगर रोज आकर बघेल को कहानियां सुनाते थे कि उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है।

तीनों राज्यों में एक बात कॉमन थी कि दो के मुख्यमंत्री गहलोत और बघेल को और तीसरे के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को चापलूस लोगों ने घेर रखा था। सत्ताधारियों का चाटुकारों और दलालों से घिरा होना कोई खास बात नहीं मगर खास बात यह है कांग्रेस के नेता इनके अलावा किसी और से कोई संपर्क ही नहीं रखते थे।

यहां एक बात और कह दें कि दिल्ली भी अब अपने नेताओं पर निगाह नहीं रख पाती है। इन्दिरा गांधी के समय तक कांग्रेस में एक निगरानी की व्यवस्था थी। बाद में बीच के लोगों ने खुद ही सबकुछ देख लेने की जिम्मेदारी लेकर सब कुछ व्यक्तिगत बना दिया। सिस्टम खत्म कर दिया।

2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना।

और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है। उसे लिस्ट में से उन सब लोगों को निकालकर बाहर कर देना चाहिए जो केवल बातें करते हैं। जिनका कोई काम नहीं है। नए लोगों को जिम्मेदारियां देना चाहिए। गणेश परिक्रमा करने वाले कांग्रेस के सबसे बड़े दुश्मन हैं।

इतनी नफ़रत इतना ज़हर?

■ तनवीर जाफ़री

हमारे भारतीय समाज में धार्मिक सद्भावना की जड़ें इतनी गहरी हैं कि दुनिया भारत के इस सद्भवना पूर्ण इतिहास की मिसालें पेश करती है। भारत को 'अनेकता में एकता' रखने वाले देश के रूप में जाना जाता है। जिस देश में हिन्दू देवी देवताओं के प्रशंसक कवि रहीम, रसखान और जायसी जैसे अनेक कवि हों, जिस देश में अकबर के सेनापति मान सिंह और महाराणा प्रताप के सेनापति हाकिम ख़ान सूर रहे हों, जिस देश में छत्रपति शिवाजी महाराज के कई सेनापति, नेवल कमाण्डर से लेकर उनके गुप्त दस्तावेज़ पढ़ने व उसका जवाब देने वाले मुस्लिम रहे हों, जिस देश की आज़ादी की लड़ाई में क़ुर्बान होने वाले लाखों हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई शहीदों के नाम से पोर्ट ब्लेयर जेल की दीवारें तथा नई दिल्ली के इण्डिया गेट की शिलायें पटी पड़ी हों, जिस देश की सेना में शहीद होकर ब्रिगेडियर उस्मान व वीर अब्दुल हमीद जैसे हज़ारों शहीदों ने अपनी राष्ट्रभक्ति व कर्तव्यपरायणता की मिसाल पेश की हो। जिस देश की मिसाइल व परमाणु सुरक्षा प्रणाली का जनक भारत रत्न मिसाइल मैन ए पी जे अब्दुल कलाम जैसा महान वैज्ञानिक हो, उसी देश में नफ़रत और ज़हर से भरा हुआ संकीर्ण मानसिकता रखने वालों का एक छोटा सा वर्ग ऐसा भी है जो न केवल उपरोक्त तथ्यों को नज़र अंदाज़ करने की कोशिश करता रहता है बल्कि इसके विपरीत साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने तथा नफ़रत के प्रचार प्रसार के काम में भी व्यस्त रहता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि इन स्वयंभू राष्ट्रवादियों के पुरखों का न तो देश के स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान है न ही देश की आज़ादी के लिये लाठियां-गोलियां खाने वालों में इनका कोई ज़िक्र है। परन्तु दुर्भाग्यवश अंग्रेजों की जी हुज़ूरी करने वाले इसी मानसिकता के लोग नफ़रत और साम्प्रदायिक दुर्भावना के सहारे, ख़ासकर देश में हिन्दू-मुस्लिम के मध्य खाई गहरी कर सत्ता में ज़रूर आ गए हैं। और सत्ता में आते ही इनको यह एहसास हो गया है कि चूंकि हमारी सत्ता का आधार ही साम्प्रदायिकता है लिहाज़ा इसे निरंतर 'धार' देते रहना सत्ता में बने रहने के लिये जरूरी है। इसी मकसद के तहत कहीं जिलों, शहरों, कस्बों व स्टेशन्स के नाम बदले जा रहे हैं, मदरसों के खिलाफ कार्रवाइयां हो रही हैं, हलाल का मुद्दा उठाया जा रहा है, जिहाद, लव जिहाद, अज़ान और हिजाब जैसे विषय उछाले जाते हैं, इतिहास बदले जा रहे हैं। नये इतिहास गढ़े जा रहे हैं। हद तो यह है कि धार्मिक पहचान देखकर मॉब लिंचिंग की जाती है, ट्रेन में धर्म विशेष के यात्रियों को गोली मार दी जाती है, संतों जैसे दिखाई देने वाले व्यक्ति द्वारा मुस्लिम महिलाओं का बलात्कार करने की धमकी लाऊड स्पीकर पर दी जाती है।

ऐसे साम्प्रदायिकता वादियों और समाज में जहर घोलने वाले नफरत के सौदागरों को उनके इस छिछोरेपन का जवाब देने के लिये बातें तो बहुत की जा सकती हैं। परन्तु क्या यह बता सकते हैं कि 6 नवंबर 2005 को देश के सबसे बड़े मंदिरों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन जिस समय अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख द्वारा देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा कराया गया था उस समय यह नफ़रत के सौदागर कहां मुंह छुपाये बैठे थे ?

पिछले दिनों ऐसी ही ग्रुण मानसिकता के मुट्ठी भर लोगों ने उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर ज़िले के साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के बाद अपनी नफरती हरकतों से विवाद खड़ा कर दिया। दरअसल उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के बलवा गांव के साम्या माता मंदिर में शतचंडी महायज्ञ कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस यज्ञ के मुख्य आयोजक पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला थे जिन्होंने यज्ञ में स्थानीय समाजवादी पार्टी विधायक सैय्यदा खातून को यज्ञ आयोजन की मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया था। हालांकि यह आयोजन पूरी श्रद्धा के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और विधायक सैय्यदा ख़ातून ने भी इसमें पूरी श्रद्धा व सम्मान के साथ शिरकत की। परन्तु आयोजन समाप्ति के एक दिन बाद नियोजित तरीक़े से इसी आयोजन में नफ़रत का 'एंगल' साम्प्रदायिकतावादियों द्वारा ढूंढ कर इसे विवादित बना दिया गया। एक स्थानीय छुटभैय्ये भाजपा नेता द्वारा अपनी पार्टी व हिंदू संगठन के अपने चंद साथियों के साथ उसी साम्या माता मंदिर में पहुंचकर मंदिर को गंगाजल से धुलवाया गया। नफ़रत के इन सौदागरों का कहना था कि 'विधायक सैय्यदा खातून और उनके समाज को जब मंदिर से कुछ लेना-देना नहीं हैं तो फिर वह हमारे धार्मिक स्थल पर क्या करने आई थीं? हम लोग हर मंगलवार यहां पर पूजा करते हैं। वो लोग मांस खाने वाले हैं, पता नहीं क्या खाकर यहां आए और मंदिर को अपवित्र कर गए ?'

जबकि साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के मुख्य आयोजक और मंदिर प्रमुख पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला का इस विषय पर कहना है कि 'वह मंदिर मेरा है, और आज से नहीं सदियों से हिंदू और मुसलमान इस मंदिर में आते जाते थे। अलग-अलग धर्म के लोग आज भी मंदिर में जाते हैं। ये विवाद किस बात को लेकर फैला रहे हैं हम?' वे सवाल उठाते हैं, 'अगर एक मुसलमान के मंदिर जाने पर मंदिर अपवित्र हो जाता है तो हिंदू भी तो मुसलमानों के तीर्थ स्थानों पर जाते हैं। तो उन्हें भी उनके स्थलों पर नहीं जाना चाहिए? ' पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला कहते हैं, 'हमारे लिए कोई अपवित्र नहीं है. ग्रन्थों में भी यही लिखा है कि मंदिर में जात-पात का कोई भेदभाव नहीं होता है। मंदिर तो धार्मिक स्थल है, वहां कोई भी जाकर के अपना शीश झुका सकता है।' सपा विधायक के निमंत्रण पर 'कृष्णदत्त शुक्ला ने बताया कि जब मंदिर में हमने शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया तो हमारे डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र में जितने भी प्रत्याशी थे हमने सभी को न्यौता दिया था। सबको न्यौता देने के बाद जो हमारे पास आया उसका हमने स्वागत किया। पंडित शुक्ला ने स्पष्ट कहा कि - मंदिर हमारा है, हमारा था और हमारा ही रहेगा। वहां आने वालों में हिंदू और मुसलमान का कोई भेदभाव नहीं है। पहले भी जैसे लोग मंदिर आते-जाते थे, आगे भी वैसे ही आएंगे। उधर विधायक प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश उपाध्याय का इस पूरे मामले पर कहना था कि साम्या माता के शतचंडी यज्ञ में विधायक को न्यौता दिया गया था। विधायक वहां गईं, वहां के पुजारियों ने विधायक का स्वागत सत्कार किया। फिर वहां कुछ दान करके वह वापस चली आईं। जबकि विधायक सैय्यदा ख़ातून इस विषय पर कहती हैं कि विवाद खड़ा करने वालों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। सोशल मीडिया में और क्षेत्र की जनता के बीच शोहरत पाने के लिए वह ऐसा करते हैं। इन जैसे लोगों की बातों और काम पर मैं ध्यान नहीं देती। ऐसे लोगों को ज़्यादा तवज्जो देने की ज़रूरत नहीं है। विधायक ने कहा कि अगर मेरे क्षेत्र की जनता मुझे बुलाएगी तो मैं ज़रूर जाऊंगी। मेरे लिए मंदिर और मस्जिद, सब खुदा के घर हैं।

ऐसे साम्प्रदायिकता वादियों और समाज में जहर घोलने वाले नफरत के सौदागरों को उनके इस छिछोरेपन का जवाब देने के लिये बातें तो बहुत की जा सकती हैं। परन्तु क्या यह बता सकते हैं कि 6 नवंबर 2005 को देश के सबसे बड़े मंदिरों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन जिस समय अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख द्वारा देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा कराया गया था उस समय यह नफ़रत के सौदागर कहां मुंह छुपाये बैठे थे ? क्या उनकी अब भी दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर को शुद्ध करने की कोई योजना है ? दूसरी बात यह कि मंदिरों या हवन में प्रवेश करने व शामिल होने के लिये क्या शाकाहारी होना जरूरी है ? यदि जरूरी है, तो फितना फैलाने वाली इसी पार्टी व विचारधारा के तमाम नेता न केवल माँसाहारी हैं बल्कि गोभक्षक भी हैं। देश में सभी धर्मों व जातियों में तमाम मांसाहारी लोग पाये जाते हैं। स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई माँसाहारी थे। देश के गृह मंत्री किरण रिजिजू तो गोभक्षक हैं। इन सबसे किसी को कोई तकलीफ नहीं ? भाजपाई मुस्लिम नेता किसी भी मंदिर में जाएँ तो कोई आपत्ति नहीं परन्तु सपा मुस्लिम नेता यज्ञ में गयीं तो आपत्तिजनक? इस अवसरवादी दोहरे चरित्र को देखकर अक्सर यह ख़ुयाल आता है कि इतनी नफ़रत, इतना ज़हर यह लोग आख़िर लाते कहाँ से हैं ?

गुरुवाणी विचार

तीरथ शब्द विचार अंतर ज्ञान है

बानी गुरु गोविंद सिंहजी की त्वैप्रसादि सव्यै
कहां गयो जो दोऊ लोकन मंद के
बैठ रहियो बक धियान लगाइओ
लोक गयो परलोक गवाइयो
बास कीओ बिखियन सों बैठ के
अैसे ही अैसे सुबांस बिताइओ
साच कहों सुनि लेह सभै
।जिन प्रेम कीओ तिन से प्रभु पाओ।

दसम गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा रचित त्वैप्रसाद सवये नामक वाणी से ये कुछ पंक्तियां ली गईं पैं। इसमें गुरुदेवजी समझा रहे हैं कि अधिकांश लोग प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हेतु दोनों आंखें मूंदकर ध्यान लगाये रहते हैं। तपस्या करते रहते हैं पर किसी विरले का ही ध्यान परमात्मा में लग पाता है। जो प्रभु की प्राप्ति करना तो चाहते हैं पर मन तो उनका भी भटकता ही रहता है। किसी विरले का ही मन प्रभु परमात्मा की बंदगी में जुड़ पाता है। कुछ लोग सात समुद्रों की यात्रा कर तीर्थों में स्नान भी करते हैं यह सोचकर कि इससे प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हो पाएगी। पर तीर्थ स्नान करने मात्र से मन तो पवित्र नहीं हो जाता। लौकी (तुम्बी) को अड़सठ तीर्थों में गंगा में डुबो कर ले आओ पर रहती तो कड़वी की कड़वी ही है। तुम्बी अड़सढ़ तीरथ नावें कड़ुआन तो न जावे। तीर्थ स्नान करने मात्र से मन शुद्ध नहीं हो सकता बल्कि तीर्थ सही मायने में प्रभु का नाम सिमरन बंदगी करने पर ही है-

तीरथ नावन जावो तीरथ नाम है।
तीरथ शब्द विचार अंतर ज्ञान है।।

इस तरह बगुले की तरह ध्यान लगाने से, तीर्थों में स्नान करने से आंख बंद कर प्रभु बंदगी ध्यान लगाने से आप अपने आपको धार्मिक तो दिखला सकते हो पर इन बातों से प्रभु परमात्मा की प्राप्ति किसी विरले को ही अगर हमने सही मायने में प्रभु की सिमरन परमात्मा की की प्राप्तिकरनी हैतो मन को सिमरन साची रूपी मथनी से मथना पड़ोग। प्रभु परमात्मा से साची प्रीति लगानी पड़ेगी। जैसे भकत रविदास ने लगाई थी-

साची प्रीत हम तुम सिंओ जोड़ी।
तुम सिंओ जोर अवरसंग तोड़ी।।

इस तरह उपरोक्त किसी भी तरह का कर्मकांड करना प्रभु प्राप्ति का साधन नहीं है बल्कि प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हेतु इन कर्मकांडों के साथ साची प्रीत प्रभु परमात्मा से लगानी पड़ेगी। विषय विकारों से मोह भंग करना पड़ेगा। तभी हमें प्रभु की प्राप्ति होगी। हम सांसारिक मोह माया में फंसकर विषय विकारों में गलतान होकर अपने हीरे जैसे मानव जीवन को जो हमें पूर्व जनम के किसी अच्छे पुण्य कर्म के कारण प्राप्त हुआ है। जिसको व्यर्थ ही गंवा रहे हैं। अंतिम पंक्तियों में आप समझा रहे हैं कि सही मायने में जिसने भजन बंदगी कर साध संगत में जाकर प्रभु कथा कीर्तिन में मन रमाकर प्रभुबंदगी की है उसी ने प्रभु परमात्मा से साची प्रीति लगाई है। जिन्होंने प्रभु सिमरन कर अपने मन में विराजमान प्रभु परमात्मा के दर्शन कर लिए हैं। जिसने प्रभु द्वारा बनाए प्रत्येक मानव से प्रेम किया है जरूरतमंदों की मदद की है। नेक कमाई कर उसका दसबंध निकाल दीन दुखियों की सेवा में लगाया है। इस तरह मानव जीवन पाकर हमारा एक सूत्रीय कार्यक्रम होना चाहिए। ऊबर पोषण हेतु कार विहार भी करते रहना है पर मन हमहर वक्त निरंकार से जुड़ा रहना चाहिए। तभी हमारा मानव जीवन पाकर इस धरा पर आना सफल हो सकेगा और तभी हम अपन जीवन नौका को सुचारू रूप से खेकर इससंसार सागर से पार उतर कर प्रभु की साची दरगाह में स्थान प्राप्त कर पाएंगे। इस लिए- कर बंदे तू बंदगी जिचर घटि में साहो।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

एक्जिट पोल और हकीकत

एक दौर था जब चुनाव सम्पन्न होने के बाद लोग खुलकर बोलने लगते थे तब उनकी बात से जो कयास लगाया जाता वह अधिकांशत: सच के बहुत करीब होता था। जैसे-जैसे मतदाता को यह भान हो गया कि इसे गोपनीय रखना चाहिए उसने अपने दिल की बात कहना कम कर दिया लेकिन एक्जिट पोल का धंधा जोरों से चल पड़ा। जबकि ये आमतौर पर सही साबित नहीं होते। कभी कभार ही किसी की चांदी हो जाती है।

इससे पहले ज़मीन से जुड़े पत्रकार ही इस तरह की अनुमानित विवेचना देते थे जो बहुत कुछ सही साबित होती रही थीं लेकिन जब से मोदी मीडिया उदित हुआ उसने जमीनी सच्चाई से मुख मोड़ लिया है वह आसमान से हाथ हिलाती सत्ता का मुखापेक्षी बन गया है। अब तो एक रणनीति के तहत यह पूरी तरह सरकारी व्यवसाय बन गया है। कुछ सटोरिए भी इस वक्त अच्छी कमाई कर लेते हैं। ये एक्जिट पोल वाले कब, कहां किससे संपर्क करते हैं ये बताने वाला एक भी व्यक्ति मुझे आज तक नहीं मिला। जैसे सब मनगढ़ंत हो इसलिए इन पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। ऊंट किस करवट बैठेगा यह मुहावरा इसलिए अंत में जोड़ा जाता है ताकि अपनी इज्जत बचाई जा सके।

यह पहली बार इस चुनाव में देखा गया कि सरकार विरोधी वोट देने के बावजूद लोग इस भय से कि 'जीतेगा मोदी ही' चुप साध लिए या जबरिया बोलने कहा गया तो उन्होंने मौजूदा सरकार का ही नाम लिया। ईवीएम का खतरा भी वे जानते हैं इसलिए ऊंट किस करवट बैठेगा आसान नहीं रहा है इसलिए ये पोल कांटे की टक्कर या जीत में दस-पच्चीस सीट का अंतर दिखा रहे हैं ताकि चित भी मेरी और पट भी मेरी हो।

बहरहाल जो हालात राजनैतिक नेताओं के चेहरे बता रहे हैं, उसके मुताबिक मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ कांग्रेस जीत रही है। इस जीत की वजह कांग्रेस के दो राज्य राजस्थान और छत्तीसगढ़ ऐसे हैं उनमें मुख्यमंत्रियों ने जो कहा कर दिखाया चाहे चिरंजीवी योजना हो, पेंशन बहाली या एमएसपी और किसान ऋण वापसी जैसे महत्वपूर्ण काम हों।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार गिराई गई इस बात से आमजन, किसान परेशान रहे वरना उन्हें भी ये लाभ मिले होते। मौका आया तो वे हाथ के साथ हो लिए। कांग्रेस पर उनका विश्वास बढ़ा है। कहा जाता शिवराज सरकार ने एक करोड़ लाडली बहना को जो राशि तीन माह से दी है उसका भाजपा को लाभ मिलेगा। सत्य यह है कि महिलाओं का एक बड़ा समूह उमा भारती के समय से भाजपा के साथ है। शिवराज की जीत भी इन्हीं की वजह से हुई इसलिए उसमें वृद्धि नहीं बल्कि जिन्हें नहीं शामिल किया गया वे घट गई है। तेलंगाना में राव और भाजपा की तकरार के बीच कांग्रेस विजय पथ पर अग्रसर है। मिजोरम में कांग्रेस दूसरी बड़ी पार्टी बनती नज़र आ रही है संभावित है वह सत्ता में सहभागी हों।

-सुसंस्कृति परिहार

CMYK

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

सोमवार 04 दिसंबर 2023

उल्टा पुल्टा

अफसर– तुमने शेर के पिंजरे को ताला क्यों नहीं लगाया?

कर्मचारी– क्या जरूरत है, इतने खतरनाक जानवर को भला कौन चुराएगा?

कार ने बाइक सवार को सामने से मारी टक्कर, मां बेटे की मौके पर ही मौत, पिता समेत 2 बच्चे गंभीर

मल्हार चौकी क्षेत्र की घटना

बिलासपुर, 3 दिसंबर (देशबन्धु)। मस्तूरी थाना क्षेत्र के मल्हार चौकी अंतर्गत ग्राम चकरबेढा में रविवार दोपहर 2ः30 बजे के आसपास तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रहे बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया जिससे मौके पर ही 2 लोगो की मौके पर मौत हो गई वही बच्चे सहित 3 लोग घायल है। वही मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम और मल्हार चौकी पुलिस ने घायलों को तत्काल इलाज के लिए मस्तूरी भेज आगे की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार मल्हार चौकी क्षेत्र के ग्राम चकरबेढा बस्ती के आगे मोड़ के पास दोपहर 2ः30 बजे के आसपास मस्तूरी तरफ से आ रही ब्रेजा कार क्र. छ्त्त 10ँ 4320 ने मल्हार तरफ से मस्तूरी की ओर जा रही टीवीएस मोपेड बाइक छ्त्त 11 क्न्न 0495 को सामने से ठोकर मार दी जिससे मोपेड में सवार

राम प्रसाद पटेल पिता सुखदेव पटेल उम्र 41 वर्ष अपनी पत्नी तुलसी पटेल उम्र 36 वर्ष बेटा कान्हा पटेल उम्र 5 वर्ष बेटी मानषी पटेल उम्र 9 वर्ष बेटा जयंत पटेल उम्र 14 वर्ष को लेकर बलौदाबाजार जिला किसी रिश्तेदारी में गए हुए थे। जो एक बाइक में 5 लोग सवार होकर वापस जांजगीर जिले के मुलमुला थाना क्षेत्र के अपने गांव रेमंड परसदा जा रहे थे जो दुर्घटना का शिकार हो गए।

जिसमे पत्नी तुलसी पटेल और बेटा कान्हा की मौके पर ही मौत हो गई है। वही बाइक चालक रामप्रसाद सहित 2 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसको पास से गुजर रहे राहगीरों ने डायल 112 और मल्हार चौकी पुलिस को इसकी सूचना दी सूचना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस ने सभी को मस्तूरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहां से तीनो घायलों को गंभीर स्थिति होने के कारण बिलासपुर सिम्स रिफर किया गया है। वही मल्हार पुलिस कार को जब्त कर फरार ड्राइवर की तलाश में जुट गई है।

गड़वा बाजा धुन पर जमकर थिरके यदुवंशी

बिलासपुर, 3 दिसंबर (देशबन्धु)। राज्य का सबसे बड़ा रावत नाच महोत्सव शनिवार को लाल बहादुर शास्त्री स्कूल परिसर में संपन्न हुआ। गढ़वा बाजा व मुरली की तान पर यदुवंशी जमकर थिरके। तुलसी, कबीर व सूरदास के दोहों से शहर गूंज उठा। नर्तकों में अस्त्र– शस्त्र और श्रृंगार का गजब का संगम दिखा। न्यायधानी में 46वां रावत नाच महोत्सव में छोटे बच्चे भी आकर्षक पारंपरिक वेशभूषा में सजे धजे नजर आए। भगवान श्रीकृष्ण की तस्वीरों के साथ जमकर थिरके। गोले के भीतर टोली में पहुंचे नर्तकों के हाथ में लाठी, ढाल की तरह फरी, सीने पर कवच की तरह कौड़ियों से युक्त जैकेट, सिर पर शिरस्त्राण की तरह पगड़ी बांधकर कर शौर्य का प्रदर्शन किया। पगड़ी के ऊपर मोर पंख की कलगी, घुंघरू एवं साज श्रृंगार के राथ महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहे। महोत्सव के बीच अतिथियों ने भी नृत्य किया। लाठी चालन किया। दोहे पढ़े। कौशल व शौर्य प्रदर्शन ने मोहा मन शनिवार शाम को महोत्सव की शुरुआत हुई जो रविवार की सुबह तक जारी रहा। भव्य सजावट, आमजन की भीड़, यदुवंशी व नर्तक दलों के नृत्य दोहे के साथ कौशल एवं शौर्य प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया। 80 फीट के घेरे में रावत दलों ने अपनी नृत्य व शस्त्रकला का प्रदर्शन किया। इस साल भी पुरस्कृत होने वाले दलों के लिए 15 रनिंग शील्ड और दो लाख रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया। निर्णायकों द्वारा नर्तक दलों की परपरागत वेशभूषा, अनुशासन, सुंदर नाचा व बाजा, लाठी, फरी, गुरुद चालन या झाकी और राउत–बाना में संगठित अधिकतम यादवो की संख्या के आधार मूल्याकन किया गया। इन पांचो मापदंडों के लिए 10–10 अंक मिलाकर एक दल के लिए कुल 50 अंक निर्धारित थे। एक दल को प्रस्तुति के लिए छह मिनट का समय दिया गया था।

संपादकीय

छत्तीसगढ़ का विकास जारी रहे

छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिये 7 एवं 17 नवम्बर को हुए मतदान के रविवार को जो परिणाम घोषित हुए हैं और यहां की जनता ने एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार को चुना है, उससे साफ है कि अब विकास की जिम्मेदारी इस दल पर है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि अगर मतदाताओं ने 5 साल के बाद फिर भाजपा को सत्ता सौंपने की इच्छा जताई है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि कांग्रेस की सरकार ने जो काम अपने पिछले कार्यकाल यानी 2़18 से 2़23 के दौरान लागू किये हैं, वे बिलकुल ही बेकार रहे हैं। जनता का जीवन स्तर और ऊपर उठाने के लिये कांग्रेस जो नीतियां एवं कार्यक्रम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के जरिये लेकर आयी, सम्भव है कि अगली सरकार अपने तरीके से, उन नीतियों एवं कार्यक्रमों के जरिये जारी रहेंगी क्योंकि जनता की भलाई हर सरकार की सर्वोच्च वरीयता होती है।

उल्लेखनीय है कि 2़3 से 15 वर्षों तक डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में सरकार चलाई थी। इसलिये उसके पास पर्याप्त प्रशासकीय अनुभव भी है। उस वक्त रमन सिंह ने शहर केन्द्रित और उद्योग आधारित विकास नीति अपनाई थी। दूसरी तरफ निवर्तमान भूपेश बघेल सरकार ने राज्य के लिये ग्राम केन्द्रित और कृषि आधारित विकास का मार्ग चुना था। पिछली सरकार द्वारा अनेक ऐसी योजनाएं लाई गईं जिनके चलते गांवों में खुशहाली आई है। किसानों की कर्ज माफी से लाखों किसानों को फायदा पहुंचा था। इस बार भी यह वादा किया गया था कि पहले के मुकाबले धान का जो सर्वाधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य छग में मिल रहा है वह मिलता रहेगा। अगर कांग्रेस फिर से सरकार बनाती तो 32़ रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी मिलता। अब यह भाजपा की नयी सरकार का दायित्व होगा कि वह किसानों को उसके द्वारा घोषित धान की अच्छी कीमत (31़ रु. प्र. क्विं.) दे।

ऐसे समय में जब भाजपा सत्ता में पांच वर्षों के बाद लौट आई है तो वह नये लोकहित कार्यक्रम बनाये, उन्हें लागू करे ताकि नागरिकों के जीवन स्तर में सतत सुधार हो और राज्य तरक्की करे। चुनाव आते-जाते रहेंगे, दल जीतते-हारते रहेंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि लोक हित के अच्छे कार्यक्रम चाहे जिस रूप में हों, चलते रहें। पिछली तीन सरकारों (अजीत जोगी, रमन सिंह व बघेल) ने अपने-अपने स्तर और समझ के अनुसार जनता के लिये कार्यक्रम चलाये जिनका असर भी हुआ है। किसी का कम किसी का अधिक हो सकता है। आशा है कि नयी सरकार बगैर किसी पूर्वाग्रह के और पूरी निष्पक्षता के साथ काम करेगी। जो भी वादे उसने अपने चुनावी घोषणापत्र में किये हैं, उन्हें वे यथासम्भव और यथाशीघ्र लागू करे। ये कार्यक्रम जनता के लिये हितकारी हों।

जनता का जनादेश स्वीकार - शैलेष

बिलासपुर, 3 दिसंबर (देशबन्धु)। बिलासपुर के पूर्व विधायक शैलेष पांडे ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बिलासपुर में जनादेश को विनम्रता पूर्वक स्वीकार करता हूँ, आपने सेवा का अवसर दिया और सुख दुख में आपके साथ खड़ा रहा इसके लिए रोम रोम से आपका ऋण महसूस करता हूं। सभी सम्मानीय वरिष्ठ जनो और सम्मानीय माताओं और बहनो एवं युवा साथियों को दिल से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने हर पल मेरा साथ दिया और मेरा मनोबल बढ़ाया। जहां कमियाँ और गलतियाँ रह गई होंगी उन्हें आगे सुधार करने का प्रयास करूँगा। सभी धर्म और जाति के मतदाताओं को धन्यवाद और आभार देता हूं जिनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

सार-संक्षेप

डॉ. बीपी सिंह को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

बिलासपुर, 3 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान सिम्स में संचालक प्राध्यापक के पद पर पदस्थ पैथोलोजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ भानू प्रताप सिंह को स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया जाएगा। यह अवार्ड उन्हें ग्लोबल हेल्थ केयर एंड वैलनेस अवार्ड कॉन्फ्रेंस 2023 में 25 दिसंबर को देश की राजधानी दिल्ली में एक आयोजन में दिया जाएगा । इस अवार्ड सेरेमनी में भारत के अलावा कई देशों के चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े लोग शामिल होंगे । डॉ भानू प्रताप सिंह ने बताया मेरे और मेरे परिवार के लिए हर्ष की बात है, लेकिन वास्तविक रूप में इसका श्रेय मेरे कर्म क्षेत्र में मेरे साथियों और सहयोगियों के वरिष्ठ को जाता है।

वैशाली नगर कल्याण समिति की कार्यकारिणी गठित

बिलासपुर, 3 दिसंबर (देशबन्धु)। वैशाली नगर कल्याण समिति के नई समिति के गठन हेतु चुनाव संपन्न हुआ जिसमें अध्यक्ष पद के लिए विजॉन सूर, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार सिंह, सचिव बापी घोष, कोषाध्यक्ष गौस मोहम्मद, सह सचिव अमित कुमार विश्वकर्मा निर्वाचित हुए। पृथ्वी सहगल कार्यकारी अध्यक्ष और जयकुमार को मुख्य संयोजक नामित किया गया। सरंक्षक का दायित्व सुधीर शर्मा पूर्व कुल सचिव एवं गौतम पाल को दिया गया। 11 सदस्यीय कार्यसमिति का गठन पदाधिकारीगण के द्वारा किया गया जिसमें दो महिला प्रतिनिधि श्रीमती ज्योति सिंह एवं श्रीमती शमिला पाल को दायित्व दिया गया। आसित पाल, शेख फकीरा, अनिल कुमार सिंह, गोपाल अग्रवाल, अशरफ जैदी, जितेंद्र बरंनवाल, विक्रम मुखर्जरी, प्रणव राय, अतनु दास कार्यसमिति सदस्य नियुक्त किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शेख नजीरूद्दीन एवं विशिष्ट अतिथि सुधीर शर्मा, संरक्षक, वैशाली नगर कल्याण समिति उपस्थित थे। सुधीर शर्मा ने सइयी पदाधिकारी एवं कार्य समिति सदस्यों को पद की शपथ दिलाई।

व्यसन मुक्त भारत बनाने संगठित होकर आगे बढ़ें

बिलासपुर, 3 (देशबन्धु)। गायत्री शक्तिपीठ विनोबानगर में उपजोन की विशेष बैठक शांतिकुंज के छ.ग. जोन केंद्रीय समन्वयक प्रभारी सुखदेव निर्मलकर एवं छत्तीसगढ़ जोन समन्वयक आदर्श वर्मा के मुख्य आतिथ्य व डॉ. हेमंत कौशिक प्रांतीय संगठन समिति के सदस्य के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुई। उपजोन के तीनों जिला समन्वयक नंदिनी पाटनवार, हरिप्रसाद पटेल, गायत्री प्रसाद साहू के साथ ब्लॉक समन्वयकों एवं सक्रिय कार्यकताअरं की उपस्थिति रही। बैठक में सुखदेव निर्मलकर ने शैल जीजी का पत्र वाचन कर उनके संदेश से अवगत कराया। क्षेत्रीय सभी संगठन,शक्तिपीठ प्रज्ञापीठ युवा मंडल, महिला मंडल, दीया ग्रुप एवं सभी कार्यकर्ता परिजन अपनी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी छत्तीसगढ़ जोन समन्वयक, रायपुर को पत्राचार द्वारा करेंगे। आदर्श जीजी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2026 वंदनीया माताजी एवं अखंड ज्योति की शताब्दी के सभी कार्यक्रमों को उत्साह के साथ आगे बढ़ाते रहें एवं व्यसनमुक्त भारत बनाने के लिए संगठित होकर आगे बढ़ते रहें। मंच संचालन रामकुमार श्रीवास सहायक उपजोन समन्वयक ने किया।

सम्पत्ति संबंधी अपराध पर हिर्री पुलिस की कार्रवाई

दो साल से फरार दो आरोपियों को पकड़ने में मिली सफलता

बिलासपुर, 3 दिसंबर (देशबन्धु)। सम्पत्ति संबंधी अपराध पर हिर्री पुलिस ने फरार दो आरोपियों को पकड़ा हैं।

हिर्री पुलिस ने बताया कि प्रार्थिया रेखा साहू पति स्व. राजेश साहू साकिन रविहाईट्स जरहामाठा थाना सिविल लाईन बिलासपुर के द्वारा रिपोर्ट दर्ज करायी कि इनके वाहन ट्रेलर क्रमांक सीजी 15 ए सी 4838 को चालक मनीष शर्मा व सुरेन्द्र कुमार पटेल चलाते थे। जो दिनाक 17.08.2021 को दीपका जिला कोरबा से कोयला लोड कर पारस पावर प्लांट एण्ड कोल बेनिफिकेशन लिमिटेड घुटकू आफिस में कोयला खाली करने के लिए वाहन क्रमांक सीजी 15 ए सी 4838 से निकले थे जो दिनांक 19.08.2023 को पावर प्लांट पहुंचे पावर प्लांट द्वारा कोयला को चेक करने पर मानक अनुरूप कोयला नही मिला वाहन को पारस पावर प्लांट में खड़ी कर चले गये कि रिपोर्ट पर अपराध पंजीबंद्ध कर विवेचना की जा रही थी। प्रकरण गंभीर अपराध एवं दो साल से लंबित होने के कारण वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा जल्द से जल्द आरोपी को पकड़कर निराकरण करने हेतु निर्देश दिया गया था। जिस पर से आरोपियों का लगातार पता साजी किया जा रहा था जो मुखबिर सुचना मिला की ग्राम लहिया जिला सिधी में उक्त प्रकरण के आरोपी पीछ कर रह रहे है ।कि उक्त सुचना पर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह (भा.पु.से.) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अर्चना झा एवं उप पुलिस अधीक्षक चकरभाठा कृष्णकुमार पटेल को अवगत कराया गया एवं वरिष्ठ अधिकारीयो से प्राप्त दिशा निर्देशो पर थाना हिर्री पुलिस द्वारा मुखबिर सुचना पर से ग्राम लहिया जिला सिधी में टीम बनाकर 03 दिनो से आरोपियो की निगरानी की जा रही थी। जो आरोपियो के मिलने पर मनीष शर्मा एवं सुरेन्द्र कुमार पटेल को मध्य प्रदेश से पकड़कर लाया गया। पूछताछ करने पर घटना कारित करना एवं बेचे कोयले के कुछ पैसो को खर्च कर देना एवं बचत पैसा 5000 रूपये को पेश किये जिससे आरोपीयों के सयुक्त कब्जे से जुमला नगदी 5000/– रुपये को जप्त कर आरोपीयो को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

निषाद पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने अरूण साव को बंपर जीत की दी बधाई

बिलासपुर,3 दिसंबर (देशबन्धु)। निषाद पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और भावी मुख्यमंत्री अरुण साव को छत्तीसगढ़ में बीजेपी की बम्मर जीत और सरकार बनने की बधाई दी, । निषाद पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने मीडिया को संबोधित किया बीजेपी के प्रचंड जीत की बधाई दी। साथ मे प्रदेश अध्यक्ष सूरज निषाद, कुंजराम निषाद, राजकुमार निषाद, प्रवेश निषाद उपस्थित रहे।

नई स्ट्रीटलाइट से शहर का प्रवेश मार्ग मोपका रोड हुआ जगमग

बिलासपुर,3 दिसंबर (देशबन्धु)। बिलासपुर जिले में वार्डों के परिसीमन से पंचायत से नगर निगम में जुड़ कर न्यायधानी का हिस्सा बना मोपका क्षेत्र शुक्रवार की रात स्ट्रीट लाइटों से जगमगा उठा। निगम में शामिल वार्डों में स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए नगर निगम 3.96 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। मोपका से चिल्हाटी मुख्य मार्ग पर 102 खंभों में इतनी ही संख्या में लाइटें शुरू की गई। नगर निगम कमिश्नर कुणाल दुदावत ने स्ट्रीट लाइटों का जायजा लिया। उन्होंने अन्य वार्डों में भी शहर जैसी स्ट्रीट लाइटें लगाने का काम जल्द पूरा करने कहा है। उन्होंने बताया कि निगम में शामिल हरेक वार्ड चाहे वह पंचायत के हों या हाईवे की सड़कें सभी जगह एक जैसी स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। तिफरा फ्लाई ओवर ब्रिज से सकरी पेंड्रीडीह मोड़ यानी बिलासपुर रायपुर एनएच 130 में ग्यारह किलोमीटर तक स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं ।हाईवे पर 367 खंभों पर 768 स्ट्रीट लाइटें लगाई गई। हाईवे पर स्ट्रीट लाइट के अभाव में पहले लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही थीं। लिहाजा जनप्रतिनिधियों द्वारा नगर निगम से हाईवे पर स्ट्रीट लाइटें लगाने की मांग की गई, जिसकी पूर्ति की जा चुकी है ।नगर निगम ने पहले चरण में मोपका से चिल्हाटी रोड पर स्ट्रीट लाइट शुरू कर दी है। इसके बाद मशः पांच प्रमुख सड़कों को इसी महीने रोशन करने का लक्ष्य रखा गया है। जिन सड़कों में स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं, उनमें राजकिशोर नगर से छठघाट, मंगला से महर्षि स्कूल, तोरवा से लालखदान और अशोक नगर चौक से पत्रकार कॉलोनी शामिल है। इससे 10 से अधिक वार्डों के हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। स्ट्रीट लाइटें लगाने के लिए 3.96 करोड़ रुपए खर्च जानकारी के मुताबिक मोपका रोड के बाद जिन पांच सड़कों पर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं, उनके नाम इस प्रकार हैं। मंगला चौक से महर्षि स्कूल चौक तक 102 लाइट, अशोक नगर चौक से पत्रकार कॉलोनी तक 216 लाइट, पावर हाउस चौक से लालखदान ओवरब्रिज तक 56 लाइट शामिल है। इसी तरह राजकिशोर नगर चौक से छठघाट तक 216 लाइट और मोपका चौक से चिल्हाटी तक 102 लाइटें शामिल हैं। इन मार्गों में स्ट्रीट लाइट लग जाने से अंधेरा दूर होगा और राहगीरों को आवागमन में आसानी होगी। रायपुर रोड के अतिरिक्त माँ महामाया चौक से तुर्काडीह पुल तक लगभग 6 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 200 इलेक्ट्रिक पोल पर 448 स्ट्रीट लाइटें तथा जगमल चौक से गुरुनानक चौक तक भी 30 पोल पर 65 स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं।

ट्रेनें रद्द, वैवाहिक कार्यक्रमों में जाने के लिए यात्री हो रहे हलाकान

कोहरे की वजह से भी कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

बिलासपुर , 3 दिसम्बर (देशबन्धु)। अघोसंरचना विकास का हवाला देकर रेलवे मंत्रालय ने चुनाव से पहले जिन ट्रेनों को बंद कर दिया था। विधानसभा चुनाव होने के बाद रेलवे मंत्रालय ने पुरानी बंद ट्रेनों के अलावा रूट पर चलने वाली अन्य ट्रेनों को भी रद्द करने की घोषणा कर दी। वैवाहिक सीजन में लगातार प्रमुख ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों की परेशानी काफी बढने वाली है। रेलवे मंत्रालय ने अलग – अलग 8 आदेश जारी कर जोन से चलने व गुजरने वाली 110 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। बीच रास्ते में समाप्त होने वाली गाड़ियो को अगर जोड़ा जाए तो इन रद्द ट्रेनों की संख्या 150 के आस–पास पहुंच जाएगी। रेलवे मंत्रालय ने अघोसंरचना के नाम पर नया आदेश जारी कर 5 और ट्रेनों को रद्द कर दिया है। ट्रेनों के रद्द होने से छत्तीसगढ़ के यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और भविष्य में यह परेशानी फरवरी माह तक जारी रहने वाली है। अलग– अलग आदेश में रेलवे मंत्रालय ने अघोसंरचना विकास के नाम पर एक्सप्रेस से लेकर पैसेंजर व मेमू को रद्द यात्रियों की परेशानियों को कई गुना बढ़ा दिया है। एकादशी के बाद छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो चुकी है। वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने लोगों ने महीनों पहले से ही रिजर्वेशन करवाना शुरू कर दिया था। वैवाहिक सीजन के दौरान रेलवे मंत्रालय का प्रमुख ट्रेनों को रद्द करने का आदेश लोगों को सकते में डाल रहा है। प्रमुख ट्रेनों के रद्द होने से उस रूट पर चलने वाली ट्रेनों में यात्रियों का दबाव वैसी ही बढ़ा हुआ था। अब रेलवे मंत्रालय के एक नए आदेश जिसमें 5 प्रमुख ट्रेनों का परिचालन रद्द करने के फरमान ने यात्रियों की परेशानी और बढ़ाने का काम किया है। रेलवे मंत्रालय के जारी नए आदेश में बताया गया है कि पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मण्डल के बुदनी–बरखेड़ा सेक्सशन के बीच चल रहे नॉन इंटरलॉकिंग कार्य व तीसरी लाइन विस्तार कार्य को जल्द पूरा करने के लिए निजामुद्दीन–रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस, कोरबा अमृतसर सहित 5 ट्रेनों को 6 से 10 दिसम्बर के बीच रद्द कर दिया है। बुदनी–बरखेड़ा के बीच चल रहे कार्य के चलते 4 एक्सप्रेस पहले ही रद्द हैं। अब और कितनी ट्रेनें रद्द होने वाली है इसे लेकर भी कुछ कहा नही जा सकता। मौसम में अचानक कोहरे की मौजूदगी बढ़ने से इसका सबसे ज्यादा असर ट्रेनों पर हुआ है। बिलासपुर आने वाली कई ट्रेनें छह से आठ घंटे तक देरी से चल रही हैं। कोहरे से ज्यादा असर दिल्ली समेत उत्तर भारत की ओर से आने वाली ट्रेनों पर हुआ है। ट्रेनों के देरी से चलने से यात्रियों का सफर प्रभावित हो रहा है। उत्तर प्रदेश और बिहार से बिलासपुर आने वाली ट्रेनें भी कोहरे की वजह से प्रभावित है। इसके अलावा उत्तर भारत से दक्षिण भारत जाने वाली लगभग 60 फीसदी ट्रेनें कोहरे की वजह से प्रभावित हुई हैं। रेलवे ने यात्री ट्रेनों को कोहरे से प्रभावित होने से बचाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसके बाद भी ट्रेनें लेट चल रही हैं।

आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में मिचौंग तूफान कुछ ट्रेनों का परिचालन रद्द

आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों से मिचौंग साइक्लोन के टकराने की चेतावनी के चलते दक्षिण मध्य रेल प्रशासन द्वारा एहतियात बरतते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली निम्नलिखित ट्रेनों को निर्धारित तिथियों में निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

रद्द की गई गाड़ियां

03 दिसम्बर 2023 को बिलासपुर से चलने वाली 12851 बिलासपुर–एमजीआर चेन्नई सेंट्रल(मद्रास) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 04 दिसम्बर 2023 को एमजीआर चेन्नई सेंट्रल(मद्रास) से चलने वाली 12852 एमजीआर चेन्नई सेंट्रल(मद्रास) – बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 03 दिसम्बर 2023 को तिरुनेलवेली से चलने वाली 22620 तिरुनेलवेली – बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी ।05 दिसम्बर 2023 को बिलासपुर से चलने वाली 22619 बिलासपुर – तिरुनेलवेली एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 04 दिसम्बर 2023 को बिलासपुर से चलने वाली 22815 बिलासपुर – एर्नाकुलम एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 06 दिसम्बर 2023 को एर्नाकुलम से चलने वाली 22816 एर्नाकुलम – बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 04 दिसम्बर 2023 को कोचुवेली से चलने वाली 22648 कोचुवेली–कोरबा एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 06 दिसम्बर 2023 को कोरबा से चलने वाली 22647 कोरबा–कोचुवेली एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

राजस्व मंत्री को हराकर लखन ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, तानाखार में गोंगपा

कटघोरा में भाजपा के प्रेम ने पुरुषोत्तम को हराया, रामपुर में कांग्रेस के फूलसिंह जीते

कोरबा, 03 दिसंबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 में कोरबा जिले की कोरबा विधानसभा में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। 15 साल के विधायक और राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को लखनलाल देवांगन ने करारी शिकस्त दी है। जीतने के बाद श्री देवांगन खुले वाहन में सवार होकर जनता का आभार जताने निकल पड़े।

प्रत्याशित और अप्रत्याशित नतीजों में कोरबा विधानसभा से भाजपा के लखनलाल देवांगन ने बड़ी जीत हासिल कर जयसिंह अग्रवाल को 25629 वोटों से शिकस्त दी है। कटघोरा विधानसभा में कांग्रेस के पुरुषोत्तम कंवर को हराकर भाजपा के प्रेमचंद पटेल ने 16900 वोटों से चुनाव जीता है। रामपुर विधानसभा में फूलसिंह राठिया ने भाजपा के ननकीराम कंवर को 22859 मतों के बड़े अंतर से हरा कर कांग्रेस की एक सीट बचा लिया है। पाली-तानाखार विधानसभा में कांग्रेस और भाजपा पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की आरी खूब चली है और तुलेश्वर हीरासिंह मरकाम ने काफी कांटे की टक्कर में कांग्रेस को परास्त कर चुनाव जीत लिया है। यहां जीत का अंतर 714 वोटों का रहा। अपनी जीत का दावा करके सीधे दिल्ली से टिकट लाने वाले भाजपा के रामदयाल उईके फिर से तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। परिणाम घोषित होने के साथ ही समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ पड़ी। परिणाम की घोषणा होते ही कोरबा व कटघोरा के भाजपाई खेमे में समर्थक जय श्रीराम के जयघोष के साथ बैण्ड बाजा की धुन पर नाचते दिखे। जीत का जश्न आतिशबाजी कर व मिठाईयां बांटकर मनाया। जगह-जगह जीत की बधाईयों के पोस्टर-बैनर भी लगने लगे हैं। घोषित परिणाम हारने वाले उम्मीदवारों के लिए अप्रत्याशित तो जीतने वाले प्रत्याशियों के लिए प्रत्याशित रहा। सभी ने जनता के फैसले का स्वागत किया है। परिणाम घोषणा उपरांत विजयी प्रत्याशियों को रिर्टर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रमाण पत्र दिए गए।

राठिया समाज का खुला खाता

रामपुर विधानसभा क्षेत्र में स्व. प्यारेलाल कंवर के समय से कंवर समाज को ही जनता ने प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया। श्यामलाल कंवर व ननकीराम कंवर चुनाव जीतते रहे और राठिया समाज से चुनाव लड़ने वालों को जीतने मौका नहीं मिला। इस बार कांग्रेस ने फूलसिंह राठिया को मैदान में उतारा और एकजुट हुए समाज ने जीत दिलायी। यहां फूलसिंह राठिया को कुल 93647 वोट प्राप्त हुए जबकि ननकीराम कंवर को 70788 मत प्राप्त हुए। रामपुर विधानसभा में कुल 1 लाख 73 हजार 839 वोट डाले गए थे जिनमें 2497 वोट नोटा को प्राप्त हुए। 98 वोट निरस्त किए गए।

प्रेम को नकारते रहे, उसी ने जीत दिलायी

कटघोरा विधानसभा में जब भाजपा ने प्रेमचंद पटेल को मैदान में उतारा तब उनकी खिलाफत शुरु हो गई और समर्थन नहीं देने का ऐलान कर दिया गया। इसके बावजूद प्रेमचंद पटेल ने यहां कांग्रेस के विधायक पुरुषोत्तम कंवर को उनके गढ़ में हरा कर भाजपा को जीत दिलाया है। कटघोरा में कुल 1 लाख 61 हजार 57 वोट पड़े जिनमें प्रेमचंद पटेल को 7368 व पुरुषोत्तम कंवर को 5678 वोट प्राप्त हुए। यहां 97 मत निरस्त हुए जबकि नोटा पर 1462 मतदाताओं ने बटन दबाया।

परिणाम जानने उत्सुक रहे अधिकारी भी, डटे रहे त्यागी

मतगणना स्थल आईटी कॉलेज परिसर में मौजूद अधिकारी वर्ग भी परिणाम जानने के लिए उत्सुक रहे। मतों की गणना उपरांत घोषणा पर जहां उनके कान टिके रहे वहीं मीडिया कर्मियों से भी जानकारी लेते नजर आए। कोरबा के पूर्व कलेक्टर भाजपा नेता आरपीएस त्यागी यहां पूरे समय डटे रहे। इनके अलावा अधिकारी वर्ग की निगाहें कोरबा विधानसभा के परिणाम को लेकर ज्यादा टिकी रही।

चावलानी फिर शुभ हुए लखन के लिए

कोरबा विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी लखन लाल देवांगन के चुनाव संचालक अशोक चावलानी एक बार फिर शुभ साबित हुए। राजस्व मंत्री ने चुनाव के दौरान कटाक्ष किया था कि चावलानी जब-जब संचालक बनते हैं तो कांग्रेस को फायदा मिलता है।

इस बार भाजपा ने जिस तरह से संगठित होकर चुनाव लड़ा, उसका पूरा लाभ लखनलाल को मिला। जिला अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, विकास महतो, जोगेश लांबा, नवीन पटेल, प्रफुल्ल तिवारी, नरेन्द्र देवांगन, राजेन्द्र अग्रवाल, अशोक चावलानी, गोपाल मोदी समेत पूरा संगठन जमीनी स्तर पर जुटा रहा।

शाह ने कहा था- राजनीतिक भविष्य उज्जवल

कोरबा विधानसभा की सीट पर सीधे दिल्ली से नजर थी। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनावी सभा के दौरान कहा था कि लखनलाल का राजनीतिक भविष्य उज्जवल है और इन्हें प्रचंड मतों से जिताएं। सबसे बड़े अंतर से जीत दर्ज करने के बाद अब राज्य में भाजपा की भी सरकार बन रही है तब लखनलाल को भारी भरकम मंत्रालय मिलने की उम्मीद अभी से समर्थक लगाए हैं। कोरबा में पिछला चुनाव जयसिंह अग्रवाल ने 11 हजार से अधिक वोटों

से जीता था। वे इस बार 25629 वोटों से हारे हैं। लखनलाल देवांगन को कुल 92029 वोट प्राप्त हुए जबकि जयसिंह अग्रवाल 66400 मतों पर ही सिमट गए। कोरबा विधानसभा में कुल 1 लाख 71 हजार 246 वोट पड़े थे, जिनमें से 1 लाख 70 हजार 274 विधि मान्य मत पाए गए। 972 वोट नोटा (इनमें से कोई नहीं) को मिले हैं। 133 मत निरस्त हुए और निवित्त मतों की संख्या 5 दर्ज हुई है।

तानाखार में अंत तक कांटे की टक्कर

तानाखार विधानसभा में अंत तक कांटे की टक्कर कांग्रेस के साथ गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की रही। गोंगपा के तुलेश्वर हीरासिंह मरकाम शुरु से बढ़त बनाए रहे तो गिनती के अंत में आते-आते दुलेश्वरी सिदार मात्र 91 मतों से आगे बढ़ गईं। गोंगपा को लगा कि अब परिणाम उनके पक्ष में नहीं आएगा और समर्थक लौटने लगे। 22वें चक्र की गणना के वक्त मशीन में खराबी आने से विलंब हुआ। आखिरकार गणना बाद 714 वोटों के अंतर से तुलेश्वर मरकाम जीत गए। यहां कुल 1 लाख 81 हजार 66 वोट पड़े जिसमें तुलेश्वर को 6862, दुलेश्वरी को 6148 व रामदयाल उइके को 46522 मत प्राप्त हुए। 3557 लोगों ने नोटा में वोट डाले जबकि 137 मत निरस्त हुए हैं। उन्होंने अपनी जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत व पिता स्व.हीरासिंह मरकाम को समर्पित की है।

मतगणना के दौरान जायजा लेने एजेंटों के पास पहुंचे लखनलाल देवांगन

कोरबा विधानसभा जीतने के बाद विक्ट्री बनाते हुए लखन

कोरबा विधानसभा जीतने के बाद विक्ट्री बनाते हुए लखन

रिटर्निंग ऑफिसर से निर्वाचन प्रमाण पत्र लेते हुए कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल

रिटर्निंग ऑफिसर से निर्वाचन प्रमाण पत्र लेते हुए रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया

रिटर्निंग ऑफिसर से निर्वाचन प्रमाण पत्र लेते हुए तानाखार विधायक तुलेश्वर मरकाम

भाजपा नेता अमित टमकोरिया ने कुछ इस तरह उठा लिया प्रत्याशी को

सार-संक्षेप

न्यू ऐरा की छात्राओं ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का किया भ्रमण

कोरबा, 03 दिसंबर (देशबन्धु)। न्यू ऐरा प्रोग्रेसिव स्कूल की छात्राओं द्वारा शैक्षणिक गतिविधि के अन्तर्गत हिन्दी क्लब की बाह्य गतिविधि के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का भ्रमण एवं शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को ग्रामीण परिवेश से अध्ययन के लिए आई बालिकाओं के छात्रावासी जीवन एवं उनकी जीवटता से परिचित कराना था। दो विपरीत पृष्ठभूमि से आई छात्राओं के मध्य आपसी समन्वय एवं समझ को विकसित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधान पाठक जगजीत सिंह भट्टी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया। विद्यालय की छात्राओं ने बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ के उद्देश्य को लेकर रंगारंग कार्यक्रम एवं लघुनाटिका की प्रस्तुति दी। विद्यालय के प्रधान पाठक ने अपने उद्बोधन में छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। आवासीय विद्यालय की छात्रावासी अधीक्षिका श्रीमती निशा पाटिल ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि दो अलग-अलग विद्यालय द्वारा सामूहिक रूप से विचारों की अभिव्यक्ति निश्चित ही सराहनीय कदम है। इस दौरान दोनों विद्यालय की छात्राओं ने आपस में अनुभव व विचार साझा किए। भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम की अपेक्षा करते हुए हिन्दी क्लब की अध्यक्षा श्रीमती रेखा जैन ने आभार प्रदर्शन किया।

वन कर्मियों ने बचाई बुजुर्ग की जान

कोरबा, 03 दिसंबर (देशबन्धु)। धान मिंजाई कर घर लौट रहे एक ग्रामीण को वन कर्मियों ने हाथियों के चंगुल में आने से सुरक्षित बचा लिया। कटघोरा वन मंडल के एतमानगर रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत गुरसियां के आश्रित ग्राम सेंदरीमुढ़ा का निवासी प्यारेलाल धान की मिंजाई करने गांव के ही करमन सिंह, राजकुमार चंद्रभान, प्रकाश सिंह व सरमहिया बिंझवार (65 वर्ष) के साथ गया था। वे शाम करीब 6 बजे धान मिंजाई कर कुंजीपारा गुरसियां बस्ती से जंगल के रास्ते घर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान उन्हें उमेंद सिंह के खेत में हाथी दिखाई दिया। वे हाथी को सड़क किनारे खेत में देख घबरा गए। किसी अनहोनी की आशंका पर सभी ग्रामीण घर की ओर सरपट भाग निकले। इस दौरान बुजुर्ग होने के कारण सरमहिया जंगल में ही छूट गया। जिसकी जानकारी ग्रामीणों को तब हुई जब वे गिरते पड़ते गांव पहुंचे। उन्होंने अपने साथी को गायब देख पूछताछ शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। आखिरकार ग्रामीण सरमहिया के घर रिंगनिया पहुंचे। जहां उसकी पत्नी ने घर नहीं पहुंचने की जानकारी दी। इस बात की सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी।

चीन में फैली रहस्यमयी बीमारी, कोरबा में स्वास्थ्य अमला अलर्ट

सीएमएचओ ने जारी किए निर्देश

कोरबा, 03 दिसंबर (देशबन्धु)। कोरोना वायरस के बाद चीन में फिर से एक रहस्यमयी बीमारी फैली है। इस रहस्यमयी बीमारी के कारण लोग दहशत में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस बीमारी में बच्चे चपेट में आ रहे हैं जिन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है। हालांकि छत्तीसगढ़ और कोरबा में इस रहस्यमयी बीमारी का कोई केस सामने नहीं आया है, लेकिन चीन में बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को निर्देश जारी किए हैं। इसे लेकर जिला स्वास्थ्य अमला भी अलर्ट मोड पर आ गया है।

रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित बच्चों के फेफड़ों में जलन, तेज बुखार और जुकाम जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। बीमारी की गंभीरता को देखते हुए देश भर में एडवाइजरी जारी की गई है। वहीं छत्तीसगढ़ में भी बीमारी को लेकर दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। चीन में फैली महामारी को देखते हुए राज्य स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। जिला स्वास्थ्य महकमा के पास भी दिशा निर्देश पहुंच चुका है। सीएमएचओ को पहुंचे दिशा निर्देश में रहस्यमयी बीमारी को लेकर तैयारी रखने कहा गया है, ताकि इस तरह के मामले सामने आने पर पीड़ित का तत्काल उपचार शुरू किया जा सके। साथ ही जारी की गई एडवाइजरी के अनुरूप मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक सावधानी बरतने कहा गया है। डॉ. एसएन केसरी, सीएमएचओ कहा कि मुख्यालय से आदेश से प्राप्त हुआ है। जिसका पालन करते हुए अधिकारी कर्मचारियों को दिशा निर्देश जारी किया गया है। अस्पतालों में अतिरिक्त वार्ड सहित जरूरी संसाधन तैयार रखने निर्देश दिए गए हैं।

बेड, आक्सीजन व उपकरण की तैयारी: सीएमएचओ ने बताया कि चीन में फैली बीमारी को लेकर मिले दिशा निर्देश के अनुरूप बेड, आक्सीजन व जरूरी उपकरणों की तैयारी रखने कहा गया है। इसके लिए अलग वार्ड की व्यवस्था भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि कोरबा में इस तरह का कोई मामला नहीं है, लेकिन बीमारी की गंभीरता को देखते हुए इसके बचाव को लेकर तैयारियां की जा रही है। उन्होंने बताया कि मातहत अधिकारी कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं। जिले में बीमारी को लेकर तैयारियां की जा रही है।

क्या है बीमारी के लक्षण: इस बीमारी के लक्षण निमोनिया जैसे ही हैं। ये बीमारी खासतौर पर बच्चों को अपना शिकार बना रही है। बच्चों को बुखार, खांसी और सांस लेने में परेशानी हो रही है।

नशा मुक्ति के लिए समिति ने छेड़ा अभियान

कोरबा, 03 दिसंबर (देशबन्धु)। सर्वमंगला नगर ग्राम समिति नशा मुक्ति अभियान चला रही है। इसके तहत वार्ड में शराब की अवैध बिक्री और सार्वजनिक स्थान पर बैठकर शराब पीने को प्रतिबंधित किया है। इसी कड़ी में ग्राम समिति को सूचना मिली कि कुछ लोगों द्वारा वार्ड में ही अवैध रूप से शराब की बिक्री की जाती है। इसकी सूचना पाकर ग्राम समिति के सदस्य संबंधित व्यक्तियों के घर पहुंचे और कहा कि अगर आप शराब की अवैध बिक्री करते हैं, तो इसे बंद करें, यह गलत है। इस दौरान ग्राम समिति के साथ पुलिस कर्मी भी मौजूद थे। बताया गया कि कुछ लोग सरकारी शराब दुकान से शराब खरीद कर लाते हैं और घर में रखकर उसे अवैध रूप से बिक्री करते हैं। समिति ने ऐसे लोगों के घर जाकर उन्हें समझाइश दी है। समिति ने कहा है कि वार्ड क्रमांक 54 में होने वाले अवैध काम को रोका जाएगा।

खरमोरा के मकान से दिनदहाड़े नगदी व जेवर की चोरी

कोरबा, 03 दिसंबर (देशबन्धु)। शातिर चोर ने खरमोरा में रहने वाले लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के रिटायर्ड कर्मी के घर दिन दहाड़े धावा बोल दिया। वह मकान मालिक को घर के भीतर आते देख आहाता फांद भाग निकला, लेकिन चोर अपने साथ नगदी सहित करीब ढाई लाख रुपए कीमती सोने, चांदी के आभूषण ले जाने में भी कामयाब हो गया। पुलिस को निरीक्षण के दौरान घटनास्थल से एक चप्पल मिला है। पुलिस डाग स्क्वायड की मदद से आरोपी की पतासाजी कर रही है।

सिविल लाइन रामपुर थानांतर्गत खरमोरा में आरपी साव निवास करते हैं। वे पीएचई विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी है। प्रतिदिन की तरह शुक्रवार की सुबह उनका पुत्र ड्यूटी चला गया। शाम करीब 4.30 बजे श्री साव भी अपनी पत्नी के साथ बाहर चले गए। वे शाम करीब 6 बजे घर पहुंचे। उन्होंने जैसे ही दरवाजा खोलकर भीतर प्रवेश किया उनके होश उड़ गए। मकान के भीतर सभी दरवाजे खुले हुए थे। उन्हें भीतर से खटपट की आवाज सुनाई दी। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही एक युवक घर से निकलकर भागने लगा। श्री साव ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जब तक बस्तीवासी एकत्रित होते चोर अहाता फांदकर फरार हो चुका था। जब श्री साव ने कमरे में जाकर देखा तो आलमारी खुली थी। चोर ने आलमारी में रखे 23 हजार रुपए नगदी सहित ढाई लाख रुपए कीमती सोने चांदी के जेवर को पार कर दिया था।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडेय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान घर के बाहर एक चप्पल पड़ा मिला। जिसे छोड़कर चोर फरार हुआ था। पूछताछ के दौरान कुछ अन्य लोगों के द्वारा भी लाल रंग के स्वेटर पहनकर पहुंचे चोर को देखे जाने की जानकारी मिली। मामले की तह तक जाने पुलिस ने डाग स्क्वायड की भी मदद ली। बहरहाल पुलिस मामले में आरोपी की पतासाजी कर रही है।

घर से निकले बालक की लाश मिली, 8 आरोपी गिरफ्तार

सुअर मारने के लिए बिछाए गए तार से करंट लगा था बालक को

कोरबा-कटघोरा, 03 दिसंबर (देशबन्धु)। देर शाम घर से बाहर घूमने के लिए निकले एक बालक की घर वापसी नहीं हुई। पुलिस ने सूचना पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर पड़ताल शुरू की तो उसकी लाश बरामद हुई। शिनाख्त उपरांत 24 घण्टे के भीतर 8 आरोपीगणों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा पुलिस ने किया है। सुअर मारने के लिए बिछाए गए तार से करंट लगने के कारण बालक की मौत हुई थी किन्तु पूरे मामले को छिपाया गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम कुटेशरनगोई निवासी परमेश्वर यादव 17 साल अपने दोस्तों के साथ कार्तिक पूर्णिमा मनाने गया था। शाम को घर वापस आया और कुछ देर बाद फिर घर से बाहर घूमने निकला था, जो घर वापस नहीं आया। गुम इंसान व अपहरण का मामला कायम कर बालक की तलाश थाना प्रभारी तेज कुमार यादव के नेतृत्व में शुरू की गई। इस दौरान संदेही भवन सिह कंवर से पूछताछ में परमेश्वर को मानगुरू पहाड़ झोका नाला की तरफ जंगली सुअर होने एवं फसल देखने जाना है कहकर ले जाने का पता चला। रात 9:30 बजे झोका तालाब के पास पगडंडी रास्ते में कोई खुला तार में करेंट लगने से भुवन सिंह वहीं गिर गया और लगभग 2 घंटा बाद होश आने पर घर आया तथा गोपाल व फूलसाय वहां से भाग गये। विवेचना के दौरान ग्रामीणों शिशुपाल सिह धनुहार, संतोष कुमार कंवर के द्वारा गांव के कन्हैया राम यादव, लक्ष्मी नारायण पोर्ते को जंगली सुअर मारने के लिए सेट्रिंग तार बिछाने के लिए मना करना बताया गया। इस पर संदेही लक्ष्मीनारायण तथा अंजय को तलब कर कड़ाई से पूछताछ में बताया कि जंगली सुअर फंसाने के लिए अवैध रूप से सेंट्रिंग तार बिछा कर बिजली करेंट सप्लाई किये थे जिसमें परमेशवर यादव की करेंट से मृत्यु हो जाने पर शव को मानगुरू पहाड़ ऊपर छिपा दिया गया। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर बालक के शव को बरामद किया। पुलिस ने आरोपियों कन्हैयाराम यादव पिता स्व. शिवराम यादव 39 वर्ष कुटेशरनगोई, लक्ष्मीनारायण पिता भरत लाल पोर्ते 34 साल डुमरमुडा,अंजय यादव उर्फ अज्जे पिता संतराम यादव 25 साल कुटेशरनगोई, पंचराम बिरहोर उर्फ पंच्चू पिता राम सिह बिरहोर्र 30 साल नागरमुडा बिंझरा इन्द्रभुवन नेटी उर्फ पप्पू पिता बुधवार सिह नेटी 34 साल डुमरमुडा, भवन सिह कंवर पिता घासी सिह कंवर 24 साल कुटेशरनगोई, फूलसाय धनवार पिता भांवर साय धनवार 42 साल कुटेशरनगोई, गोपाल सिह कंवर पिता जीरजोधन सिह कंवर 36 साल कुटेशरनगोई के विरुद्ध धारा 363,304,201,34 भादवि एवं 135 विद्युत अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तारी की है। प्रकरण का एक आरोपी दशरथ यादव फरार है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक तेजकुमार यादव, एएसआई कुंवर साय पैकरा, विनोद खाण्डे, प्रधान आरक्षक दीपक कश्यप, राजेन्द्र मरकाम, संदीप पाण्डेय, आरक्षक महेन्द्र चंद्रा, नंदलाल सारथी, मनीष साहू, भुनेश्वर आदिले, अजय खुटले, अरूण पाटले, सुखदेव मुण्डा, खम्हन सिंह, राजेन्द्र कंवर, रामसुददीन मरकाम का सराहनीय योगदान रहा।

सार-संक्षेप

रंगोली प्रतियोगिता में सविता अग्रवाल बनी विजेता

मनेन्द्रगढ़ 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ वी क्लब मनेंद्रगढ़ समर्पण का दीपावली मिलन समारोह उत्साहपूर्वक और गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। समारोह का आयोजन वी इंदिरा सेंगर और शोभना वर्मा के द्वारा किया गया। वी ज्योति मजूमदार के द्वारा समारोह का अत्यंत रोचक एवं सफल संचालन किया गया। इस अवसर पर क्लब द्वारा आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में सविता अग्रवाल को प्रथम, प्रतिभा अग्रवाल द्वितीय और लीना शाह को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वॉइस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अनीता फरमानिया और अध्यक्ष प्रीति जायसवाल के द्वारा आगामी माह की कार्ययोजना तैयार की गई। इस कार्यक्रम में एरिया सचिव पम्मी अरोड़ा, क्लब सचिव बबीता अग्रवाल, क्लब कोषाध्यक्ष प्रीति अग्रवाल, मीरा गुप्ता, हेमा गायकवाड, माधुरी गायकवाड, अरुण अग्रवाल, शशि अरोड़ा, नीलम कालरा, सविता अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, कमलेश अरोड़ा, बेबी मखीजा, रजनी अग्रवाल, मंजू गोयल, प्रतिभा अग्रवाल, भारती चावड़ा, मधु जैन, प्रतिभा अग्रवाल, निधि अग्रवाल, लीना शाह, ममता राणा और अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

उत्तरी जांगड़े को मिली ऐहिसाहिक जीत

सारंगढ 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। विधायक उत्तरी गनपत जांगडे ने 30165 वोट से चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है ज्ञात हो कि सारंगढ विधानसभा में अभी तक कोई भी लगातार दो बार विधायक चुनाव नहीं जीत पाया था परन्तु विधायक उत्तरी गनपत जांगडे ने इतिहास रचकर यह साबित कर दिया है कि अगर जनप्रतिनिधि लगातार जनता के सम्पर्क में रहे और उनके दुख सुख में सहभागी बने तो कोई एन्टी इनकम्बेंसी उस जन प्रतिनिधि को गद्दी से हटा नहीं सकती है क्योंकि प्रदेश स्तरीय परिणामों को देखने व कई मंत्रियों के चुनाव हारने से यह साबित हो गया है इस बार जनता ने सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से मतदान किया है।साथ ही उत्तरी जांगडे की इस 30165 के बडे अंतर से जीत ने कांग्रेस के दमदार चुनाव संचालन व भाजपा के लचर व कमजोर मैनेजमेंट को भी साबित किया है।

जिले के तीनों विधानसभा भाजपा के कब्जे में

प्रेमनगर भटगांव व प्रतापपुर से भाजपा की एक तरफा जीत कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

सूरजपुर 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव का परिणाम एवं से बाहर निकाल और जिले की तीनों विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशियों ने प्रचंड बहुमत से विजयी हासिल किया प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भूलन सिंह मरावी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के खेलसाय सिंह को 33291 मतों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी पारसनाथ राजवाड़े को 43962 मतों से परास्त कर विजयी हासिल किया है इसी प्रकार प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी शकुंतला सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी राजकुमारी मरावी को 11708 मतों से प्राप्त कर विजय हासिल की है। भाजपा के भारी मतों से जीत पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।

जिले के तीनों विधानसभा के नतीजे घोषित परिणाम के अनुसार विधानसभा प्रेमनगर(04) के प्रत्याशियों के खेलसाय सिंह (इंडियन नेशनल कांग्रेस) को 66253, भूलन सिंह मराबी (भारतीय जनता पार्टी) 99412, कोतमा (भारतीय शक्ति चेतना पार्टी) 1803, जयनाथ केराम (गोड़वाना गणतंत्र पार्टी) 14463, तिलेश्वरी सांडिल्य (अम्बेडकर राईट पार्टी ऑफ इण्डिया) 939, अंगत श्रीवास (निर्दलीय) 458, खेलसाय (निर्दलीय) 398, गणेश सिंह उर्रे (निर्दलीय)377, भूलन सिंह (निर्दलीय) 598, राजेश कुमार जगते (निर्दलीय)756, सूरज रवि (निर्दलीय) 932, संतोश विश्वकर्मा (निर्दलीय) को 1718 मत और इनमे से कोई नहीं (नोटा) 3537 के पक्ष में मत आए।विधानसभा भटगांव (05) के प्रत्याशियों के परिणाम- पारसनाथ राजवाड़े (इंडियन नेशनल कांग्रेस) को 60804, लक्ष्मी राजवाड़े (भारतीय जनता पार्टी) 104662, नरेन्द्र साहू (बहुजन समाज पार्टी) 11401, सुरेन्द्र गुप्ता (आम आदमी पार्टी) 1069, समय लाल पाटील (जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे)1847, रामबाई देवांगन (निर्दलीय)561, अरविंद शरण सिंह (निर्दलीय)997, मोतीलाल पैकरा (हमर राज पार्टी)1130, आलम सिंह (निर्दलीय)1163, अशोक कुमार राजवाड़े (निर्दलीय)813, दिलीप कुमार यादव (निर्दलीय)990, कपीलदेव पैकरा (कम्युनिस्ट पार्टी)2015, अजय कुमार कुशवाहा (नेशनल युथ पार्टी)299, कलावती सारथी (निर्दलीय)1487, पारस राजवाड़े (निर्दलीय)2562, सोनुलाल भगत (गोडवाना गणतंत्र पार्टी)645, धर्मेन्द्र कुमार (समाजवादी पार्टी)432 और इनमे से कोई नहीं (नोटा) 635 पक्ष में मत आए द्य विधानसभा प्रतापपुर (06) के प्रत्याशियों के परिणाम– राजकुमारी शिवभजन मरावी (इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी) को 71723, शकुतंला सिंह पोर्ते (भारतीय जनता पार्टी) 83390, राजराम श्याम (आम आदमी पार्टी) 4838, सुन्दरलाल श्याम (जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे)1464, सीताराम पण्डो (समाजवादी)548, गीता सोन्हा (हमर राज पार्टी)1298, जगमोहन सिंह (गोडवाना गणतंत्र पार्टी)17013, रामनरायण सिंह (अम्बेकडर राईट पार्टी ऑफ इंडिया)894, आशा देवी पोया (निर्दलीय)732, देवकुमारी आयम (निर्दलीय)666, नैनेन्द्र सिंह मरावी (निर्दलीय)1542, राजकुमारी सिंह (निर्दलीय)1427, शकुन्तला पैकरा (निर्दलीय)1497 और इनमे से कोई नहीं (नोटा) 4348 पक्ष में मत आए।

डाक मतपत्र के अंतिम परिणाम

विधानसभा प्रेमनगर(4) के प्रत्याशियों के परिणाम- खेलसाय सिंह (इंडियन नेशनल कांग्रेस) को 414, भूलन सिंह मराबी (भारतीय जनता पार्टी) 545, कोतमा (भारतीय शक्ति चेतना पार्टी)1, जयनाथ केराम (गोड़वाना गणतंत्र पार्टी) 99, तिलेश्वरी सांडिल्य (अम्बेडकर राईट पार्टी ऑफ इण्डिया)2, अंगत श्रीवास (निर्दलीय)1, खेलसाय (निर्दलीय)2, गणेश सिंह उर्रे (निर्दलीय)1, भूलन सिंह (निर्दलीय)1, राजेश कुमार जगते (निर्दलीय)2, सूरज रवि (निर्दलीय)4, संतोश विश्वकर्मा (निर्दलीय) और इनमे से कोई नहीं (नोटा)`2 प्राप्त हुये ।

विधानसभा भटगांव (05) के प्रत्याशियों के परिणाम

पारसनाथ राजवाड़े (इंडियन नेशनल कांग्रेस) को 396, लक्ष्मी राजवाड़े (भारतीय जनता पार्टी)5, नरेन्द्र साहू (बहुजन समाज पार्टी)4, सुरेन्द्र गुप्ता (आम आदमी पार्टी)11, समय लाल पाटील (जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे)4, रामबाई देवांगन (निर्दलीय)3, अरविंद शरण सिंह (निर्दलीय)6, मोतीलाल पैकरा (हमर राज पार्टी)44, आलम सिंह (निर्दलीय), अशोक कुमार राजवाड़े (निर्दलीय)`1, दिलीप कुमार यादव (निर्दलीय), कपिल देव पैकरा (कम्युनिस्ट पार्टी)`3, अजय कुमार कुशवाहा (नेशनल युथ पार्टी), कलावती सारथी (निर्दलीय)1, पारस राजवाड़े (निर्दलीय)3, सोनुलाल भगत (गोडवाना गणतंत्र पार्टी)`5 धर्मेन्द्र कुमार (समाजवादी पार्टी) को` मत और इनमे से कोई नहीं (नोटा)`2 प्राप्त हुये द्यविधानसभा प्रतापपुर (6) के प्रत्याशियों के परिणाम- राजकुमारी शिवभजन मरावी (इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी) को 365, शकुंतला सिंह पोर्ते (भारतीय जनता पार्टी)46, राजराम श्याम (आम आदमी पार्टी)32, सुन्दरलाल श्याम (जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे)2, सीताराम पण्डो (समााजवादी)1, गीता सोन्हा (हमर राज पार्टी)13, जगमोहन सिंह (गोडवाना गणतंत्र पार्टी)28, रामनरायण सिंह (अम्बेकडर राईट पार्टी ऑफ इंडिया)3, आशा देवी पोया (निर्दलीय)1, देवकुमारी आयम (निर्दलीय)2, नैनेन्द्र सिंह मरावी (निर्दलीय)2, राजकुमारी सिंह (निर्दलीय) और शकुन्तला पैकरा (निर्दलीय) को`4 मत और इनमे से कोई नहीं (नोटा)`3 प्राप्त हुये द्य विधानसभावार प्रेमनगर(4) में डाक मतपत्र से कुल 1172 वोट दिए गये जिनमे 98 निरस्त हुए,भटगांव(5) से डाक मतपत्र से कुल 178 वोट दिए गय जिनमे 59 निरस्त हुए,और प्रतापपुर(6) से डाक मतपत्र से कुल 1443 वोट दिए गय जिनमे 57 निरस्त हुए। अंतिम परिणाम प्रेमनगर`4 से भुलन सिंह मरावी(भारतीय जनता पार्टी), भटगांव(5) से लक्ष्मी रजवाड़े (भारतीय जनता पार्टी), प्रतापपुर (6) से शकुंतला सिंह पोर्ते (भारतीय जनता पार्टी), के पक्ष में रहा।

कोरिया,एनसीबी की तीनों सीट भाजपा के पाले में

कोरिया 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। छत्तीस गढ़ विधान सभा चुनाव के परिणाम अ प्रत्याशित तरीके से भाजपा के झोली में चले गए, जिस प्रकार से 2018 की चुनाव एक तिलस्मी तरीके से सत्ता मे कांग्रेस सरकार बनाई, तथा कोरिया एंसिबी कि तिनो सीट भाजपा से कांग्रेस अपने खेमे में लेकर आई थी ठीक उसी प्रकार भाजपा इन तीनो सीटो को वापस अपने खेमे में ले आई,चाहे इसके लिए भलेही कांग्रेस केंद्रीय नेता रेणुका सिंह को मैदान में उतार कर कांग्रेस के कद्दावर नेता गुलाब कमरों विपक्ष में चुनाव लड़वाकर जनकपुर क्रमांक 1 के सीट को 3995, मतों से जीत दर्ज कर अपने पाले में किया , वही विधान सभा क्रमांक 2 के प्रत्याशी श्याम बिहारी जयसवाल अपने निकटतमप्रतिद्वंदी रमेश सिंह को 11 हजार 808, मतों से पराजित कर जीत दर्ज की,वही विधान सभा क्रमांक 3 के प्रत्याशी भईया लाल राजवाड़े अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के विधायक अंबिका सिंह को 24 हजार 728 मतों से हराकर विजय हासिल किया,जिसके फल स्वरूप कोरिया की तीनों सीट भाजपा अपने पक्ष में किया।

भईया लाल राजवाड़े को 25 हजार 413 मतों से मिली जीत

जीत का श्रेय कार्यकताओं की मेहनत, बैकुंठपुर वासियों के प्रेम- राजवाड़े

कोरिया 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। 17 नवम्बर को हुए मतदान के बाद पूरे जिले में रिजल्ट को लेकर बेसब्री से इंतजार में आम से लेकर खास तक टकटकी नजर लगाए हुए थे। 3 दिसम्बर को परिणाम आया और शुरू से बढ़त बनाए हुए भाजपा प्रत्याशी श्री भैया लाल राजवाड़े को कुल 66 हजार 866 मत मिले और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती अम्बिका सिंहदेव से 25 हजार 413 मतों से जीत हासिल की।

बैकुंठपुर विधानसभा में 8 प्रत्याशी चुनाव में भाग्य आजमाए थे। कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती अम्बिका सिंहदेव को कुल मत 41 हजार 453 मिले। जबकि आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी डॉ आकाश कुमार को 1 हजार 872 मत मिले तो जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) दुर्गेश साहू को 472 मत मिले। भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रत्याशी मेजर प्रसाद यादव को 1 हजार 426 मत प्राप्त हुआ। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सोमार साय को 746 मत मिले, वहीं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रत्याशी इंजीनियर संजय सिंह कमरो को 23 हजार 288 मत मिले, तो निर्दलीय प्रत्याशी बृजमोहन साहू को 649 मत प्राप्त हुए तो नोटा पर 1 हजार 934 मतदाताओं ने बटन दबाया। इस तरह ईवीएम व पोस्टल बैलेट से 1 लाख 38 हजार 706 मतदाताओं ने मतदान किए थे।

रामानुज हायर सेकेंडरी स्कूल, बैकुंठपुर में मतगणना सुबह निर्धारित समय 8 बजे प्रारम्भ हुआ था। मतगणना के लिए 14 टेबल लगाए गए थे। 17 राउंड में हुए मतगणना में शुरू से भइया लाल राजवाड़े बढ़त बनाए हुए थे।

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। भाजपा के भइया लाल राजवाड़े को 43 हजार 546 मत प्राप्त हुआ था, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती अम्बिका सिंहदेव को 48 हजार मत प्राप्त हुआ था। इस तरह 5 हजार 339 मत से जीत हासिल की थी, वहीं नोटा में 2 हजार 630 मत पड़े थे।

बता दें 17 नवम्बर को बैकुंठपुर विधानसभा में हुए मतदान में 81.94 प्रतिशत मतदान हुआ था। 228 मतदान केन्द्रों में कुल 1लाख 68 हजार 81 मतदाताओं में से 1 लाख 37 हजार 726 मतदाताओं ने मतदान किए थे। बैकुंठपुर विधानसभा में 5 प्रत्याशियों का जमानत जब्त हुआ है।

कलम का लंगर लगाया मुस्लिम समाज ने

रायपुर, 2 दिसंबर। एक रोटी कम खाओ लेकिन अपने बच्चों को ज़रूर पढ़ाओ ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन की मुहिम, शिक्षा के महत्व को समझते हुए ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन ने एक नई मुहिम शुरू की है, इस मुहिम के जरिए वो वालदैन (अभिभावकों) से ये गुजारिश कर रहे हैं की भले ही 1 रोटी कम खाओ लेकिन अपने बच्चों को ज़रूर पढ़ाओ। इसी मुहिम के तहत फाउंडेशन द्वारा प्रदेश के विभिन्न मस्जिदों के बाहर जुमा की नमाज़ के बाद कलम का लंगर लगा रहे हैं, इस लंगर में बच्चों को और युवाओं को भी कलम एवम किताब का तोहफा दिया जा रहा है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा पाने हेतु ज़रूरत की अहम चीजों की वजह से शिक्षा से दूर न रह जाए। आज ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा रायपुर की 2 बड़ी मस्जिद मोवा मस्जिद तथा संजय नगर मस्जिद के बाहर ये कलम का लंगर लगाया है। फाउंडेशन के रायपुर संभाग अध्यक्ष जनाब शाज़ी रशिद साहब ने बताया की इल्म हासिल करना बोहोत ज़रूरी है, हमारे प्यारे आका हजरत मोहम्मद साहब ने कहा है यदि इल्म हासिल करने चीन भी जाना पड़े तो जाओ, यानी इल्म शिक्षा हासिल करने आपको अगर आपके शहर से दूर भी क्यों न जाना पड़े जाओ और इल्म शिक्षा हासिल करो।

जिले के दोनों विधानसभा में भाजपा की जीत

बलरामपुर 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 07-रामानुजगंज एवं 08-सामरी का मतगणना 03 दिसम्बर 2023 को लाइवलीहुड कॉलेज भेलवाडीह बलरामपुर के परिसर में सम्पन्न हुआ।

विधानसभा क्षेत्र 07-रामानुजगंज में भारतीय जनता पार्टी के श्री रामविचार नेताम ने कांग्रेस के निकटतम प्रतिद्वंदी डॉ. अजय तिर्की को 29740 मतों से हराया। भारतीय जनता पार्टी के श्री नेताम को कुल डाक मत सहित 99574 तथा कांग्रेस के डॉ. तिर्की को 69911 मत मिले। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 08-सामरी में भारतीय जनता पार्टी की उद्धेश्वरी पैकरा ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के श्री विजय पैकरा को 13643 मतों से हराया। भारतीय जनता पार्टी के श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा को डाक मत सहित 83483 तथा कांग्रेस के विजय पैंकरा को 69540 मत मिले। रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के विजयी प्रत्याशी रामविचार नेताम को विधानसभा रामानुजगंज के रिटर्निंग ऑफिसर श्री गौतम सिंह ने तथा सामरी विधानसभा क्षेत्र के विजयी प्रत्याशी उद्धेश्वरी पैकरा को विधानसभा सामरी के रिटर्निंग ऑफिसर चेतन साहू ने प्रमाण पत्र प्रदाय किया। ज्ञातव्य है कि रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में 182475 मतदाताओं ने एवं विधानसभा क्षेत्र सामरी में 183425 मतदाताओं ने अपना मताधिकार का प्रयोग किया।

कलेक्टर ने किया आभार व्यक्त

कलेक्टर लंगेह ने भारत निर्वाचन आयोग से आए प्रेक्षको का भी आभार व्यक्त किए, जिनके मार्गदर्शन, सुझाव पर जिले में शान्ति पूर्वक निर्वाचन कार्य सम्पन्न कराने में मदद मिली ।

श्री लंगेह ने कहा कि विगत 3-4 माह से निर्वाचन कार्य में पूरे सरकारी अमले लगे हुए थे। लोकतन्त्र के इस महापर्व में उन्होंने एसपी श्री त्रिलोक बंसल, जिला पंचायत के सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नन्दिनी साहू, संयुक्त कलेक्टर श्री नीलम टोप्पो, आरओ श्रीमती अंकिता सोम सहित सभी कर्मचारियों, अधिकारियों, मतगणना अधिकारियों, आब्जर्वर, नोडल अधिकारियों, पुलिस प्रशासन के अमले, सुरक्षा जवान, मीडिया प्रतिनिधियों व जिलेवासियों का इस कार्य में भरपूर सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किए।

क्या है जमानत जब्त ?

जब कोई उम्मीदवार सीट पर पड़े कुल वोटों का 1/6 यानी 16.66: वोट हासिल नहीं कर पाता तो उसकी जमानत जब्त कर ली जाती है। उदाहरण के लिए अगर किसी सीट पर 1 लाख वोट पड़े हैं और वहां 5 उम्मीदवारों को 16,666 से कम वोट मिले हैं, तो उन सभी की जमानत जब्त कर ली जाएगी।

हृदय की दीवार फटी, अंबेडकर में हुई सफल सर्जरी

रायपुर, 3 दिसंबर (देशबन्धु)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग में हार्ट अटैक के कारण दिल में हुए छेद जिसको मेडिकल भाषा में वेन्ट्रीकुलर सेप्टल रफ्चर ' कहा जाता है।

ऐसे मरीज की सफल सर्जरी कर एवं मरीज की जान बचाकर चिकित्सा जगत में नया इतिहास रच दिया गया।यह ऑपरेशन हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू एवं टीम द्वारा किया गया।ऑपरेशन के 15 दिनों बाद मरीज को डिस्चार्ज कर दिया गया।

डॉ. साहू बताते हैं, कि यह मरीज आज से कुछ माह पहले उनके ओपीडी में छाती में दर्द की शिकायत को लेकर पहुंचे थे। ईसीजी एवं अन्य जांच से पता चला कि उनको हार्ट अटैक आया है एवं उनको एंजियोग्राफी के लिए तत्काल कार्डियोलॉजी विभाग में भेज दिया गया। वहां पर एंजियोग्राफी करने से पता चला कि उनके हृदय की मुख्य कोरोनरी आर्टरी (धमनी) में ब्लाक (रूकावट) है जिसको कार्डियोलाजिस्ट द्वारा एन्जियोप्लास्टी के बाद एक से दो दिन तक मरीज ठीक रहा। परन्तु तीसरे ही दिन उसकी सांस फूलने लगी, पेशाब बनना बंद हो गया, बी.पी. बहुत ही कम हो गया। एवं शरीर में पानी भरना प्रारंभ हो गया। उसके बाद कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा पुन: इकोकार्डियोग्राफी करने पर पता चला कि उनकी दो वेन्ट्रीकल, लेफ्ट और राइट वेन्ट्रीकल के बीच की दीवाल में हार्ट अटैक के कारण बड़ा सा छेद हो गया था। इकोकार्डियोग्राफी में पता चला कि यह छेद इतना बड़ा था, कि इसमें कोई भी छेद बंद करने वाली डिवाइस नहीं लग सकती थी।

ओपी चौधरी का प्रचंड मतों से विजयी होना जनता के भरोसे की जीत - विकास

मतदाताओं के भरोसे व आशीर्वाद से छग में एक बार फिर बन रही है भाजपा सरकार

रायगढ़ 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के रुझानों और अब तक आए नतीजों को देखने से स्पष्ट है कि राज्य में एक बार फिर बीजेपी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। देर दोपहर तक आए परिणामों और अंतिम दौर के रुझानों के बाद रायगढ़ जिला भाजपा उपाध्यक्ष विकास केडिया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि स्थानीय स्तर पर उन्हें भी इतनी बड़ी जीत का अंदाजा नहीं था, हालांकि जीत को लेकर वे पहले दिन से ही पूरी तरह से आश्वात जरूर थे, लेकिन स्थानीय नेतृत्व को लेकर इतना बड़ा अंडरकरंट था इसका अंदाजा उनको भी नहीं था। भाजपा नेता केडिया ने कहा कि अंतिम दौर के रुझानों और अब तक आए परिणामों को देखकर स्पष्ट है कि छग में अब पूर्ण बहुमत से बीजेपी की सरकार बन रही है और राज्य के जागरुक मदादाताओं ने सिरे से मौजूदा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी कांग्रेस शासित सरकार पर अविश्वास जताते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे और केंद्र की भाजपा सरकार के नौ सालों के कार्यों पर भरोसा जताया है। आगे भाजपा नेता केडिया ने कहा कि चुनाव के परिणाम से एक बात साफ है कि छग की जनता ने भूपेश बघेल की बातों और वायदों को सिरे से नकार दिया है और भाजपा को जनता ने पूरा आशीर्वाद और समर्थन दिया है। जनता ने पीएम मोदी के नेतृत्व और गारंटी पर भरोसा जताया। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जो समय दिया और बीजेपी सरकार की जो साढ़े 9 साल की उपलब्धियां हैं, जनता ने उस पर भरोसा जताया है।

सार-संक्षेप

जवाली में हुआ धान खरीदी केन्द्र का शुभारंभ

डभरा 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। विकासखंड डभरा के अंतर्गत अंतर्गत ग्राम जवाली के धान खरीदी केन्द्र में किसानों की धान को समर्थान मूल्य पर खरीदी शुभारंभ किया गया । धान खरीदी केन्द्र में किसान मनोज पटेल के 72 क्विंटल धान को खरीदी की गई जिसे जनपद सदस्य भानुमति टांडे द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया खरीदी केन्द्र के ग्रामों के किसानो द्वारा धान बेचने के लिए समिति में ला रहे है खरीदी केन्द्र में धान की आवक शुरू हो गया है इस अवसर पर प्रमुख रूप से जेपी राव पर्यवेक्षक संस्था प्रबंधक बैजनाथ साहू नानूराम प्राधिकृत अध्यक्ष एवं रेशम कुर्रे पूर्व जनपद सदस्य रामायण दास महंत रोहित पटेल अछेराम कुर्रे अशोक पटेल पप्पू पटेल राजू दुबे घनश्याम कुर्रे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान उपस्थित थे।

हाउसिंग बोर्ड में समस्याओं को लेकर लोगों ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन,

जांजगीर, 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टोरेट रोड स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी यानी हसदेव विहार कालोनी में व्याप्त समस्याओं को लेकर कालोनी के लोगों ने बुधवार को सीएमओ व नगरपालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा है।

जिसमें बिजली पानी सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं का उल्लेख है। गौरतलब है कि कलेक्टोरेट के समीप स्थित हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में अब छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने बिजली, पानी, साफ सफाई सहित अन्य सुविधाएं देने हाथ खड़े कर दिया है। क्योंकि कालोनी को नगरपालिका को हैंडओवर कर दिया गया है। हाऊसिंग बोर्ड ने बाकायदा इसकी नोटिस नगरपालिका को तामील कर चुका है। जिससे कालोनी में निवासरत 500 परिवार के लोगों के बीच संशय की स्थिति बन चुकी है। कालोनीवासियों का कहना है कि अगर नगरपालिका इस ओर ध्यान नहीं दिया तो वे बीच मझधार में फंस जाएंगे।

आखिर उन्हें बिजली पानी साफ सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं कैसे मिलेगी। जिसे लेकर कालोनी के लोगों ने आपस में बैठक की और इस समस्या के निराकरण के लिए नगरपालिका के सीएमओ चंदन शर्मा व अध्यक्ष भगवान दास गढ़ेवाल को सौंपा है। फिलहाल छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की एक नोटिस के चलते हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में जबरदस्त हडकंप मच गया है। ज्ञापन सौपने वालों में अधिवक्ता निलेश तिवारी सहित कालोनी के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ी व्यंजन प्रतियोगिता में विभिन्न व्यंजनों की प्रस्तुती माडर्न कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा

कोरबा, 03 दिसंबर (देशबन्धु)। माडर्न कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एण्ड इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी, कोरबा महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ी व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ी व्यंजन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न प्रकार के व्यंजन एवं पकवान प्रस्तुत किये। प्रतियोगिता में व्यंजन के साथ-साथ इसे बनाने की विधि एवं समाग्री की सूची को भी प्रतिभागियों ने प्रस्तुत किया।

छत्तीसगढ़ी व्यंजन प्रतियोगिता में अरसा, सोहारी, फरातील, गुझिया, मुठिया, चौसेला, अईरसा, बिजोरी, दूध फरा, साबूदाना बडा, बोबरा, तीलगुझिया, गुलगुला, डुबकी एवं इड़हर सब्जी तथा विभिन्न प्रकार की चटनी, इत्यादि व्यंजनो को विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सभी संकाय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। व्यंजन प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्य सहायक प्राध्यापिका मंजू मानिकपुरी, उषा यादव, तथा गजेन्द्र प्रसाद के द्वारा विद्यार्थियों के व्यंजन एवं पकवानो के प्रस्तुतीकरण पर निर्णय दिया गया। जिसमें प्रथम स्थान साहिबा बानो एवं निशा चन्द्र, द्वितीय राखी सोरते तथा तृतीय स्थान विपिन कुर्रे को प्राप्त हुआ। इसके साथ ही नीरज, प्रियांशु कुर्रे एवं हेमन्त को उनके पाक कला एवं प्रस्तुतीकरण पर निर्णायक मंडल द्वारा सांत्वना पुरस्कार दिया गया। छत्तीसगढ़ी व्यंजन प्रतियोगिता को आयोजित करने में सहा.प्राध्यापिका सोनल खरे, शुचिस्मिता मुखर्जी, आंचल मिश्रा, कुलसुम बेगम, अंजली मंहत एवं सहायक प्राध्यापक राकेश कुमार कर्ष तथा नीरज गांगुली का सराहनीय योगदान रहा।

अविभाजित जांजगीर चांपा जिले के सभी 6 सीटों पर कांग्रेस का एक तरफा कब्जा

- नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल,विधायक सौरभ सिंह,इंदु बंजारे, केशव चन्द्रा हारे

जांजगीर, 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतगणना में अविभाजित जांजगीर चांपा जिले के सभी 6 सीटों पर कांग्रेस का एक तरफा कब्जा हुआ है। इससे पूर्व यहां दो सीटों पर भाजपा दो सीटों पर बसपा तथा दो सीटों पर कांग्रेस के विधायक हुआ करते थे, मगर आज आए परिणाम में कांग्रेस ने एकतरफा बाजी मारते हुए सभी 6 सीटों पर धमाकेदार जीत दर्ज की है।

आज सुबह 8 बजे के करीब जिला मुख्यालय के पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतगणना का कार्य शुरू हुआ जिसमें जांजगीर चांपा जिले के तीन विधानसभा अकलतरा जांजगीर -चांपा व पामगढ़ सीट के लिए मतगणना किया गया जिसमें अकलतरा विधानसभा में शुरुआत से ही कांग्रेस ने जो बढ़त बनाई वह अंत तक कायम रहा। कांग्रेस प्रत्याशी राघवेंद्र सिंह 22 हजार से अधिक मतों के अंतर से निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी सौरभ सिंह को करारी शिकस्त दी। दूसरी ओर जांजगीर-चांपा विधानसभा का मुकाबला रोमांचक रहा, यहां शुरुआती गणना में कांग्रेस प्रत्याशी व्यास कश्यप ने मामूली बढ़त बनाई मगर चौथे राउंड से यह बढ़त घटते हुए बराबरी पर आ पहुंचा और देखते ही देखते भाजपा प्रत्याशी नारायण चंदेल करीब 6900 मतों से बढ़त बना ली, जिससे कांग्रेसी खेमे में मायूसी का माहौल बनने लगा था, मगर नवे राउंड की मतगणना के बाद एक बार फिर कांग्रेस प्रत्याशी व्यास कश्यप ने खाई को पाटते हुए फिर बढ़त बनानी शुरू की और अंततः 6500 से अधिक मतों के अंतराल से नारायण चंदेल को हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह जिले के अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित पामगढ़ सीट में भी देखने को मिला, यहां बसपा विधायक इंदू बंजारे तीसरे नंबर पर रही। यहां मुकाबला कांग्रेस के शेष राज हरबंस व भाजपा प्रत्याशी संतोष लहरे के बीच देखा गया। यहां भी शुरुआती दौर में कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती शेष राज हरबंस मामूली मतों से बिछड़ती नजर आई मगर जल्द ही वे बढ़त बनाने में कामयाब रही और 16000 से अधिक मतों से जीत दर्ज की।

जनता ने भरोसा जताया- राघवेंद्र

अकलतरा विधानसभा से 22 मतों से प्रचंड जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि यह जीत वास्तव में क्षेत्र की जनता की जीत है, जिन्होंने उन पर और कांग्रेस पार्टी पर भरोसा किया है। उन्होने क्षेत्र की जनता का आभार ज्ञापित करते हुए निरंतर क्षेत्र के विकास के लिए जनता के साथ मिलकर कार्य करने की बात कही है।

जनता को समर्पित-व्यास कश्यप

जांजगीर चांपा विधानसभा से कांग्रेस के विजयी प्रत्याशी व्यास कश्यप ने अपनी जीत को क्षेत्र की जनता को समर्पित करते हुए कहा कि वे जनसेवक के रूप में पिछले 2 वर्षों से कार्य करते आ रहे हैं, यह जीत आम लोगों की जीत है जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। मैं उनके भरोसे पर खरा उतारने का हर संभव प्रयास करूंगा।

पामगढ़ की जनता ने उन्हें जो आशीर्वाद दिया-शेष राज हरबंस

अपनी जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पामगढ़ सुरक्षित सीट से कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती शेष राज हरबंस ने कहा कि पामगढ़ की जनता ने उन्हें जो आशीर्वाद दिया है उसके लिए वह क्षेत्र की जनता का हमेशा आभारी रहेगी। उन्होंने कांग्रेस पार्टी का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने मुझे भरोसे के साथ प्रत्याशी नियुक्त किया था मैं पार्टी के भरोसे को बनाए रखने में कामयाब हुई हूं, आगे क्षेत्र की विकास के लिए जो भी करना हो वह हमेशा तत्पर रहेंगी।

दूध मुंहे बच्चे को जमीन पर पटकर हत्या करने वाला आरोपी पकड़ाया

पत्नी पर करता था चरित्रशंका

जांजगीर, 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। पत्नी पर चरित्र शंका करने वाले पति ने दूध में बच्चों को जमीन पर पटक कर मौत के मुंह में धकेल दिया था इस पर कार्यवाही करते हुए डभरा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है ।

इस संबंध में पुलिस ने बताया कि डभरा क्षेत्र में रहने वाली प्रार्थीया मंजू सिदार पति रोहित सिदार साकिन खोंधरी सिदार मोहल्ला थाना डभरा , जिला-सक्ती (छ.ग.) अपने बच्चे फनिस सिदार उम्र 06 माह का सर्दी बुखार से तबियत खराब होने से उसकी सास पितरबाई को साथ दोपहर करीबन 3.30 बजे ईलाज कराने डॉ. एन.पी. मिश्रा अस्पताल लेकर आये थे। ईलाज के दौरान इसका पति रोहित सिदार के द्वारा चरित्र शंका करते हुए फनिस सिदार मेरा बच्चा नहीं है कहते हुए लड़ाई झगड़ा कर इसका ईलाज में मैं नहीं कराऊँगा। इसे जान से मारकर खत्म कर दूंगा कहते हुए बच्चे फनिस सिदार को उठाकर डॉ. एन.पी. मिश्रा अस्पताल के सामने मेन रोड डभरा में कई बार जमीन में पटक दिया। जिससे फनिस सिदार के बॉये आँख के ऊपर भव के पास सिर में, दाँये आँख ऊपर भव के पास एवं सिर में चोट लगने से सिर में खून का काला धब्बा का निशान पड़ा है। बच्चे को पटकने से आयी चोट से बेहोश हो गया था। जिसका बेहतर ईलाज हेतु रायगढ़ ले जा रहे थे। कि रास्ते में ग्राम छुहीपाली चौक के पास बच्चे की मृत्यु हो गई। फौत होने से बच्चे को वापस ग्राम खोधर ले आये। इसके बच्चे को मृत्यु इसके पति रोहित सिदार के द्वारा बच्चे को जमीन पर पटक-पटक कर हत्या कर दिया। कि रिपोर्ट पर थाना डभरा में अपराध की धारा 302 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस दौरान प्रार्थीया के द्वारा अपराध पंजीबद्ध कराने की जानकारी आरोपी रोहित सिदार को हो गयी थी। इसलिए वह अपने खोधरी स्थित घर से फरार होने के फिराक में था। जिसे थाना प्रभारी डभरा , निरीक्षक नरेन्द्र यादव के द्वारा संवेदनशीलता से त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को उसके सकुनत ग्राम खोधरी से पकड़कर गिरफ्तार किया गया है। तथा आज 03 दिसम्बर को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी डभरा निरीक्षक नरेन्द्र यादव एवं समस्त स्टॉप थाना डमरा की सक्रिय योगदान रहा।

सूने घर से रात में ताला तोड़कर चोरी, दो गिरफ्तार

जांजगीर, 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। सूने घर का रात में ताला तोड़कर नकदी रकम चोरी करने वाले दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 45 सौ रूपये जब्त भी किया है। जानकारी के अनुसार चारपारा निवासी सुनील कुमार हलवाई पिता स्व. लखनलाल हलवाई 25 नवंबर को किसी जरूरी काम से सपरिवार घर में ताला लगाकर चांपा गया था। दो दिन बाद 27 नवंबर को जब अपने घर वापस आया तो देखा कि घर के दरवाजा का ताला टूटा हुआ है।

घर के अंदर जाकर देखा तो घर में रखे नकदी रकम 16 हजार रूपये गायब थे। कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। उसने इसकी रिपोर्ट पर थाने में दर्ज कराई। जिस पर पुलिस ने भादवि की धारा 457, 380 कायम कर विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि रामनगर बलौदा निवासी मोहन सिंह राजपूत उर्फ सीनू और निक्का साहू दोनों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिस पर उन्होंने 26 नवंबर की रात्रि में दीवाल से कूदकर सुनील कुमार के घर के अंदर प्रवेश करने और सब्बल, हथौड़ी व छीनी से कमरे के दरवाजा को ताला तोड़कर नकदी रकम 16 हजार रूपये को चोरी करना स्वीकार किए। चोरी की रकम को आपस में आठ आठ हजार बंटवारा करना बताए। तथा चोरी की उक्त रकम में से आरोपी निक्का साहू द्वारा 2500 रू व घटना में प्रयूक्त सब्बल हथौड़ी व छीनी तथा मोहन सिंह उर्फ सीनू द्वारा चोरी की रकम में से 2000 रू पेश करने पर समक्ष गवाहो के बरामद किया गया बंटवारा में मिले शेष रकम को दोनो खा पीकर खर्च करना बताए। पुलिस ने रामनगर बलौदा निवासी दोनों आरोपित निक्का साहू एवं मोहन सिंह राजपूत उर्फ सीनू को गिरफ्तार कर न्यायाल में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया ।

जिले में सुरक्षित नहीं शराब दुकानों के सुरक्षाकर्मी, दो लोगों की मौत

जांजगीर, 03 दिसम्बर (देशबन्धु)। जिले में देसी और अंग्रेजी मिलाकर 66 सरकारी शराब दुकानें संचालित हैं। शराब दुकानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निजी सुरक्षा एजेंसी के लाठीधारक सुरक्षाकर्मियों के ऊपर है। जबकि जिले के शराब दुकानों में डकैती, लूट और हत्या जैसे संगीन अपराध हो चुके हैं। इसके बाद भी शराब दुकानों की सुरक्षा ताक पर है। वारदातों के बाद भी आबकारी विभाग शराब दुकानों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है।

जिले के शराब दुकान की सुरक्षा की जिम्मेदारी निजी सुरक्षा एजेंसी के लाठीधारक सुरक्षाकर्मियों के कंधे पर है। शराब दुकानों की सुरक्षा को लेकर आबकारी विभाग गंभीर नहीं है। शराब दुकानों में डकैती , लूट की वारदातें आए दिन होती रहती है। मगर अब वहां की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी भी सुरक्षित नहीं है। पिछले दिनों 4 नवंबर की रात्रि सिवनी चांपा के देसी शराब दुकान के सामने सो रहे दो लोगों मारकर हत्या कर दी गई। हथनेवरा निवासी यदुनंदन पटेल (23) और पिसौद निवासी जयकुमार सूर्यवंशी (25) एसआईएस निजी सुरक्षा कंपनी के सुरक्षाकर्मी थे।

दुकान के सामने लगे सीसीटीवी में कैद घटना में रात करीब 1.30 बजे एक अज्ञात व्यक्ति पहुंचा और सो रहे यदुनंदन पटेल और जयकुमार सूर्यवंशी के सिर पर टांगी से वार कर हत्या कर दी। जिससे दोनों की मौत हो गई। मगर घटना के 25 दिनों बाद भी पुलिस के हाथ खाली है। चांपा सिवनी के शासकीय शराब दुकान में हुए लूट एवं दो सुरक्षा कर्मियों की हत्या के बाद जिले के पामगढ़ के ससहा गांव के देसी शराब दुकान में 28 नवंबर की रात रात 9 बजे के करीब बाइक में सवार तीन नकाबपोश युवक शराब भट्ठी में पहुंचे और बंदूक की नोक पर शराबभट्ठी में लूट की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान भट्ठी के कर्मचारी सतर्क हो गए और नकाबपोश युवकों की हरकतों को देखकर दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद लुटेरों ने हाथापाई करते हुए लूट की कोशिश की। इस बीच नकाबपोश में से एक ने एयर गन से फायर भी किया लेकिन हाथ दरवाजा में फंसे होने के कारण गोली दिवाल में लगी और कर्मचारियों के द्वारा हल्ला मचाने पर लूटेरे भाग निकले। जिले में देसी और अंग्रेजी मिलाकर 66 सरकारी शराब दुकानें संचालित हैं। इन शराब दुकानों में सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षा कंपनी के दो - दो लाठीधारी सुरक्षाकर्मियों के भरोसे है। सिवनी में सुरक्षा कर्मियों की हत्या और ससहा में लूट की कोशिश जैसे संगीन अपराध होने के बाद भी शराब दुकानों की सुरक्षा को लेकर विभाग गंभीर नहीं है।

सात साल पहले कलेक्शन सेंटर में हुई थी डकैती

सात साल पहले 26 नवंबर 217 को शराब दुकानों से बिक्री की राशि कलेक्शन करने वाली कंपनी राइटर सेफ गार्ड के चांपा स्थित आफिस में 5 अज्ञात नकाब पोश लूटरों ने वहां के कर्मचारी से बंदूक की नोक पर 63 लाख रूपये की डकैती की थी। पुलिस चार माह तक आरोपितों की खोजबीन में लगी रही। जिले के इस सबसे बड़े डकैती कांड का मास्टर मांइड कोरबा जिले के एक ढाबा संचालक हाजी मेमन और वहां के जामा मस्जिद के इमाम बिहार निवासी मोहर्रम अली उर्फ खुश्तर रब्बानी निकला था। बिहार से अन्य आरोपितों को बुलाकर इस कांड को अंजाम दिया गया था। मामले में करीब दर्जनभर से अधिक आरोपितों की गिरफ्तारी हुई थी।

निजी कंपनियों के सुरक्षाकर्मी

जिले में देसी और अंग्रेजी मिलाकर 66 शराब दुकानें संचालित हैं। इनमें निजी कंपनियों के सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। इनके पास हथियार नहीं होता है, ये डंडा लेकर शराब दुकानों की रखवाली करते हैं। बंदूक धारी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती राज्य स्तर का मामला है।

प्रवीण वर्मा, जिला आबकारी अधिकारी

देश विदेश

पेरू खदान पर हमला, नौ की मौत

लीमा। उत्तरी पेरू के ला लिबर्टाड विभाग में पोडेरोसा खदान पर सशस्त्र हमलावरों के हमले में करीब नौ लोग मारे गए और 15 घायल हो गए। आंतरिक मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना स्थानीय समयानुसार शनिवार करीब छह बजे हुयी। मंत्रालय ने बयान में कहा कि सशस्त्र अपराधियों के एक समूह ने खदान पर हमला किया। बाद में, सुरक्षा गार्डों पर भी हमला किया और चार को बंधक बना लिया। इसमें से नौ लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए।

हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी जानकारी

इजरायल के खान यूनिस पर हवाई हमले में करीब 193 फिलीस्तीनी मारे गए

गाजा, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। इजरायल ने दक्षिणी गाजा में खान यूनिस पर रविवार को हवाई हमले किये जिसमें करीब 193 फिलीस्तीनी मारे गए। गाजा के हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार शहर के पूर्वी इलाकों के लोगों को इजरायली सेना ने दक्षिण की ओर खाली करने के लिए कहा है। इजरायली हमलों में करीब 193 लोग मारे गए हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को, इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गाजा में हमास के खिलाफ अपना आक्रमण फिर से शुरू कर दिया, जो इजरायल में सात अक्टूबर के हमलों के जवाब में शुरू किया गया था।

इसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे। शुरुआती दिनों से अब तक गाजा में मारे गए लोगों की संख्या अब 15,200 से अधिक हो गई है। शुक्रवार को अस्थायी युद्धविराम समाप्त होने के बाद गाजा पर इजरायल की बमबारी फिर से शुरू हो गई।

आईडीएफ ने कहा कि उसने नए सिरे से शुरू किए गए ऑपरेशन के पहले दिन हमास के 400 से अधिक आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। लड़ाई फिर से शुरू होने के बाद से गाजा से इजरायल पर नियमित रूप से रॉकेट दागे गए हैं, जिसमें शनिवार शाम को तेल अवीव और मध्य इजराइल के आसपास के इलाके को निशाना बनाकर हवाई हमले किए गए। हमास के राजनीतिक ब्यूरो के उप प्रमुख सालेह अल-अरौरी ने शनिवार को अल जज़ीरा को बताया कि अब इजरायल के साथ कोई बातचीत नहीं है और युद्ध समाप्त होने तक इज़रायल के साथ और कैदियों की अदला-बदली नहीं की जाएगी।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने

इजरायल ने 7 अक्टूबर से गाजा पर 1,00,000 बमों, रॉकेटों से हमला किया

गाजा। गाजा में हमास-नियंत्रित सरकार के मीडिया कार्यालय (जीएमओ) ने कहा कि 7 अक्टूबर से जारी युद्ध के बाद से इजरायल ने घिरे इलाके पर लगभग 1,00,000 बमों और रॉकेटों से हमला किया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, जीएमओ के निदेशक इस्माइल अल-थवाबतेह ने शनिवार रात बताया कि कुछ बमों का वजन 2,000 पाउंड था, जो नागरिकों को निशाना बनाने के लिए जानबूझकर और क्रूर इरादे से बनाए गए थे। इजरायल के हमलों के कारण फिलीस्तीन लोगों की मौत का आंकड़ा शनिवार दोपहर तक 15,207 हो गया है।

हमास ने बंधक बनाए गए सभी महिलाओं, बच्चों को किया रिहा

काहिरा। हमास ने गाजा पट्टी में बंधक बनाई गई सभी महिलाओं और बच्चों को रिहा कर दिया है। आंदोलन के राजनीतिक ब्यूरो के उप प्रमुख सालेह अल-अरौरी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने शुक्रवार सुबह गाजा में संघर्ष फिर से शुरू होने के तुरंत बाद कहा था कि हमास ने सभी

महिला बंधकों को रिहा करने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी नहीं की है। अल-अरौरी ने अल जज़ीरा प्रसारक को बताया, कब्जा [इज़रायल] इस बात पर जोर देता है कि कई महिलाओं और बच्चों को हमने बंधक बना रखा है, लेकिन हमने कहा है कि ऐसा नहीं है। हमने अपने पास मौजूद सभी महिलाओं और बच्चों को रिहा कर दिया है। यदि कोई मामला है, तो हम ऐसा करेंगे उनके बारे में नहीं जानते हैं या हम उन तक नहीं पहुंच सकते। अल-अरौरी ने कहा कि शेष बंधक इजरायली सैनिक और पुरुष हैं जो पहले इजरायली सेना में कार्यरत थे, उन्होंने कहा कि जब तक गाजा पट्टी के खिलाफ आक्रामकता बंद नहीं हो जाती, तब तक उनकी रिहाई पर कोई बातचीत नहीं होगी। पिछले हफ्ते, कतर ने इज़राइल और हमास के बीच एक अस्थायी संघर्ष विराम और कुछ कैदियों और बंधकों की अदला-बदली के साथ-साथ गाजा पट्टी में मानवीय सहायता पहुंचाने के समझौते में मध्यस्थता की थी।

सुडोकू 6395

				9	3	7		4
					4			5
			2			6		
	2			1				
	1	8	6		7	3	9	
				8			5	
		2			9			
6			4					
9		1	7	2				

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6395

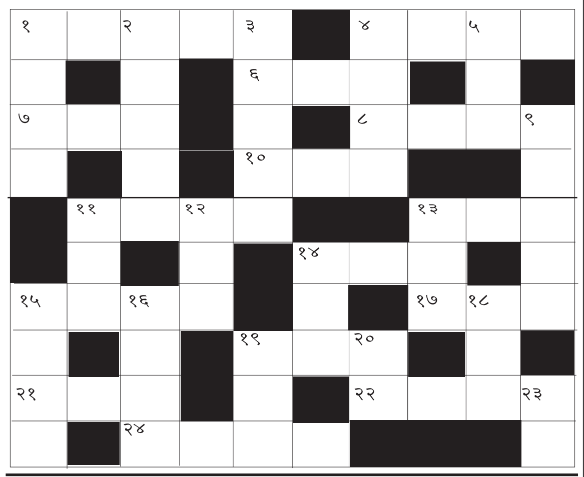

बायें से दायें:-

१. वह पात्र जिसमें शवदाह के पश्चात मृतक की हड्डियों को रखा जाता है
४. अव्यवस्था, गोलमाल, घपला
६. पढ़ा-लिखा साक्षर
७. बुद्धिमान
८. बंदीगृह
१०. सौदे आदि में मध्यस्थता करने वाला
११० प्रज्वलित होना, जोर से जल उठना, क्रुद्ध होना, चौंकना
१३. जीत, फतह
१४. हरगिज
१५. बंधुत्व
१७. ऊंट के नाक में डाली जाने वाली रस्सी
१९. कमल
२१. उपवन
२२. कामयाबी
२४. सूर्यकिरण

ऊपर से नीचे:-

१. जिसके पास कुछ न हो, अतिनिर्धन, वह वस्तु जिसका कोई मूल्य न हो
२. असह्य, असक्त कर देने वाला (उपमा)
३. चंद्रमा के समान सुंदर मुख वाली
४. बीता हुआ समय
५. उपद्रव, दंगा (उर्दू)
९. टाईम कीपर
११ हित, कल्याण, अच्छाई
१२. भैंस का नर बच्चा
१३. जंगल, वन
१४. दया, अनुकम्पा
१५. किस्मतवर
१६. चापलूस
१८. सिर्फ, मात्र
१९. चंद्रमा, चंद्रमा का धब्बा
२०. चिपकने का गुण
२३. करतल ध्वनि

वर्ग पहेली-6394

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 4 दिसम्बर, 2023 अगहन कृष्ण पक्ष 7

राशिफल

मेष - आपको अपने उग्र स्वभाव और जिद्दी व्यवहार पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। परिश्रम के बाद निर्धारित सफलता नहीं मिलने से मन में खिन्नता रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य भी कमजोर रहेगा। यात्रा के लिए योग्य समय नहीं है।

वृषभ - आज आपकी कार्य सफलता में दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास की भूमिका होगी। पितृपक्ष की तरफ से लाभ होगा। विद्यार्थी पढ़ाई में रुचि बनाए रख सकेंगे। सरकारी काम में सफलता या लाभ मिलेगा।

मिथुन - दिन की शुरुआत से ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। भाग्यवृद्धि के अवसर आएंगे। तेजी से बदलते हुए विचार आपको उलझपूर्ण स्थिति में रखेंगे। नए काम का आरंभ कर सकेंगे।

कर्क - आज मन में थोड़ी हताशा रह सकती है। परिवार में सदस्यों के साथ गलतफहमी या मनमुटाव होगा। इगो से किसी की भावनाओं को चोट पहुंचेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। धन खर्च होगा।

सिंह - आत्मविश्वास तथा त्वरित निर्णय लेकर काम में आगे बढ़ सकेंगे। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी, व्यवहार में उग्रता तथा किसी के साथ इगो का टकराव होने की संभावना है। पिता या बुजुर्गों से लाभ प्राप्त होगा।

कन्या - शारीरिक और मानसिक चिंता में रहेंगे। इगो के कारण किसी के साथ झगड़ा हो सकता है। आकस्मिक धन खर्च होगा। दांपत्यजीवन में परेशानी आ सकती है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य खराब होगा।

तुला - गृहस्थ जीवन में सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। आय वृद्धि का योग है। ऑफिस, व्यवसाय के क्षेत्र में अनुकूल वातावरण रहेगा। पदोन्नति मिलने के योग हैं। पारिवारिक सदस्य तथा मित्र मंडल के साथ खुश रहेंगे।

वृश्चिक - आपके सभी काम सरलता से पूरे होंगे। गृहस्थजीवन में आनंद और संतोष का अनुभव होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। समाज में मान-सम्मान मिलेगा। अधिकारियों और बुजुर्गों की कृपादृष्टि रहेगी।

धनु - आज कोई भी खतरनाक कदम आपको कठिनाई में डाल सकता है। किसी भी काम को करने में उमंग- उत्साह का अभाव रहेगा। शारीरिक तथा मानसिक रूप से चिंता में रहेंगे। नौकरी- धंधे में तकलीफ और अवरोध उत्पन्न होंगे।

मकर - आज आपके लिए नकारात्मक विचारों से दूर रहने और खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है। अचानक धन खर्च होगा। चिकित्सा के पीछे खर्च होने की संभावना है। व्यापार में भागीदारों के साथ मतभेद बढ़ेंगे।

कुंभ - प्रेम, रोमांस, यात्रा, पर्यटन और मनोरंजन आपके आज के दिन का एक हिस्सा बनकर रहेंगे। परिजनों और मित्रों के साथ भोजन करने जाने का अवसर आएगा। उत्तम वस्त्र, आभूषण और वाहन प्राप्ति का योग है।

मीन - दैनिक कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। घर में सुख- शांति का वातावरण रहेगा। स्वभाव में उग्रता रहेगी। वाणी और व्यवहार में संभलकर काम करें। विरोधियों को परास्त कर सकेंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

जिनपिंग ने लियांगझू फोरम को भेजा बधाई पत्र

बीजिंग, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रविवार को पहले लियांगझू फोरम को बधाई पत्र भेजा। श्री जिनपिंग ने कहा, लियांगझू प्राचीन शहर के खंडहर चीनी सभ्यता के 5,000 साल के इतिहास का प्रदर्शन और विश्व सभ्यताओं का खजाना है। उन्होंने कहा, चीनी सभ्यता खुली और समावेशी रही है, लगातार खुद को समृद्ध कर रही है और अन्य सभ्यताओं के सार को अपनाकर विश्व सभ्यताओं को समृद्ध करने में अपना योगदान दे रही है। उन्होंने मानव सभ्यता के विकास के लिए आपसी सम्मान, एकता, सद्भाव और सह-अस्तित्व को सही रास्ता बताया और सभी पक्षों से लिआंगझू फोरम के मंच का सर्वोत्तम लाभ उठाने, बेल्ट एंड रोड पहल के भागीदार देशों के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने विभिन्न सभ्यताओं को सद्भाव में रहने और एक-दूसरे को मजबूत करने में मदद करने के साथ-साथ विभिन्न देशों के लोगों के बीच दोस्ती तथा आपसी समझ एवं स्नेह को बढ़ाने के लिए समानता, पारस्परिक शिक्षा, संवाद व पारस्परिक आवास की दृष्टि को बढ़ावा देने के प्रयासों का भी आह्वान किया। संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय और पूर्वी चीन के झेजियांग की प्रांतीय सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पहला लिआंगझू फोरम, वैश्विक सभ्यता पहल को लागू करना, सभ्यताओं के बीच आदान-प्रदान और पारस्परिक शिक्षा को बढ़ावा देना की थीम के साथ रविवार को प्रांत की राजधानी शहर हांगझोउ में खोला गया।

पाकिस्तान में यात्री बस पर आतंकियों ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 1 की मौत

गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र की है घटना

रावलपिंडी, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में काराकोरम राजमार्ग पर आतंकियों ने एक यात्री बस पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डायमेर के डिप्टी कमिश्नर कैप्टन (सेवानिवृत्त) आरिफ अहमद ने कहा कि घटना शनिवार शाम 6:30 बजे चिलास के हुदुर इलाके में हुई, जब आतंकवादियों ने बस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की, जिससे चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। अधिकारी ने कहा कि हमले में मारे गए अधिकांश यात्री देश भर से थे, जिनमें कोहिस्तान, पेशावर, गिज़र, चिलास, राउंडु, स्कर्दू, मनसेहरा, स्वाबी और सिंध के एक या दो लोग शामिल थे। डायमेर के डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि हमले में मारे गए लोगों में दो सैनिक भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट का एक सदस्य भी घायल हो गया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, डायमर के पुलिस अधीक्षक सरदार शहरयार ने कहा कि घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले लोग काराकोरम हाईवे (केकेएच) पुलिस कर्मी थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने शवों और घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया। एसपी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद अन्य वाहनों को काफिले के रूप में वहां से ले जाया गया। उन्होंने आगे कहा कि जिस जगह पर हमला हुआ था, वहां सबूत इकट्ठा करने के लिए घेराबंदी कर दी गई है। घायल लोगों को क्षेत्रीय मुख्यालय अस्पताल चिलास में भर्ती कराया गया है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, किसी भी समूह ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है और गोलीबारी का मकसद स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री हाजी गुलबार खान ने घटना की निंदा की और यात्री बस पर हुए हमले को आतंकवाद की कायरतापूर्ण कार्रवाई करार दिया।

पाकिस्तानी मूल के मुस्लिम परिवार के चार सदस्यों की हत्या के दोषी को सजा

ओटावा, 3 (एजेंसियां)। कनाडा में ओंटारियो के लंदन में पिकअप वैन से जून 2021 में पाकिस्तानी मूल के मुस्लिम परिवार के चार सदस्यों को कुचलकर हत्या करने के मामले में दोषी करार दिए गए नाथनियल वेल्टमैन को अदालत चार और पांच जनवरी 2024 को सजा सुनाएगी। विंडसर अदालत ने एक संक्षिप्त सुनवाई के दौरान निर्णय लिया। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार वेल्टमैन शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिमी ओंटारियो शहर के साउथवेस्ट डिटेंशन सेंटर से आभासी माध्यम से विंडसर अदालत में पेश हुए। उल्लेखनीय है कि वेल्टमैन को छह जून, 2021 को सैर के लिए निकले अफ़ज़ाल परिवार को पिक-अप वैन से कुचल दिया था। पिछले महीने जूरी द्वारा प्रथम-डिग्री हत्या के चार मामलों और हत्या के प्रयास के मामले में उन्हें दोषी पाया था। इस घटना में 46 वर्षीय सलमान अफ़ज़ाल, उनकी 44 वर्षीय पत्नी मदीहा सलमान, उनकी 15 वर्षीय पुत्री युमना और उनकी 74 वर्षीय दादी तलत अफ़ज़ल की मौत हो गयी थी, जबकि नौ वर्षीय पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी बाद में मौत हो गयी थी। जनवरी 2024 में दो दिवसीय सजा की सुनवाई लंदन सुपीरियर कोर्ट में न्यायमूर्ति रेनी पोमेरेंस के समक्ष होगी। न्यायमूर्ति पोमेरेन्स ने विंडसर में 11 सप्ताह के मुकदमे की भी निगरानी की, जबकि मुकदमा विंडसर में एक जूरी के समक्ष हुआ था। पीड़ितों के परिवार के सदस्यों के अनुरोध पर सजा लंदन में सुनायी जाएगी। उल्लेखनीय है कि अफ़ज़ाल परिवार पर हुए हमले की पूरे कनाडा में निंदा की गयी। पुलिस ने इसे घृणित अपराध करार दिया है और इस हमले से कनाडा में इस्लामोफोबिया से निपटने के उपायों की मांग बढ़ गयी है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान वेल्टमैन ने कहा था कि वह ब्रेंटन हैरिसन टैरंट के लेखन से प्रभावित था, जिसने 2019 में न्यूजीलैंड की दो मस्जिदों में 51 मुस्लिम उपासकों की सामूहिक हत्याएं की थीं।

फिलीपींस विश्वविद्यालय के जिम में विस्फोट में चार की मौत

मनीला, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। फिलीपींस के दक्षिणी प्रांत लानाओ डेल सुर में स्थित मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी के एक जिम के अंदर रविवार सुबह हुए विस्फोट में करीब चार लोग मारे गए और 50 घायल हो गए। सेना के प्रथम इन्फैंट्री डिवीजन के कमांडर मेजर जनरल गेब्रियल विरे ने कहा कि मरने वालों में तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। उन्होंने बताया कि विस्फोट स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे उस वक्त हुआ, जब विद्यार्थी और शिक्षक जिम के अंदर कैथोलिक प्रार्थना सभा के लिए एकत्र हुए थे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।, स्थानीय मीडिया जीएमए नेटवर्क ने हालांकि एक स्थानीय अस्पताल स्रोत का हवाला देते हुए मरने वालों की संख्या 11 बताई है। पुलिस ने संदेह जताया कि विस्फोट एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण के कारण हुआ है। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुअलडेज मार्कोस ने घातक बमबारी की निंदा की, जिसके लिए उन्होंने 'विदेशी आतंकवादियों' को जिम्मेदार ठहराया। रक्षा मंत्री गिल्बर्ट टेओडोरो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमले में 'किसी विदेशी तत्व के होने के पुख्ता संकेत हैं'। फिलीपींस के सशस्त्र बल (एएफपी) के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रोमियो ब्राउनर ने कहा, सेना लगातार खुफिया अभियान एकत्र कर रही है।

सुडोकू 6395 का हल

2	8	6	5	9	3	7	1	4
1	9	7	8	6	4	2	3	5
4	3	5	2	7	1	6	8	9
7	2	9	3	1	5	4	6	8
5	1	8	6	4	7	3	9	2
3	6	4	9	8	2	1	5	7
8	4	2	1	3	9	5	7	6
6	7	3	4	5	8	9	2	1
9	5	1	7	2	6	8	4	3

आज का इतिहास

1748 - नमकों पर शोध करने वाले फ्रांस के रसायन शास्त्री बर्टले का जन्म।
1791 - दुनिया का पहला रविवार का अखबार द ऑब्जर्वर लंदन में प्रकाशित हुआ।
1796 - बाजीराव द्वितीय पेशवा नियुक्त हुए।
1829 - वायसराय लार्ड विलियम बेंटिक ने सती प्रथा समाप्त की।
1833 - आर्थर तप्पान द्वारा फिलाडेल्फिया में अमेरिकी एंटी-स्लेवरी सोसाइटी गठित की गयी।
1859 - मेकटेब-ए मुल्कियाय स्कूल ओटोमन साम्राज्य में स्थापित किया गया।
1860 - गोवा में मारगाव के निवासी अगस्टिनो लॉरेंसो ने पेरिस विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि ली। वह विदेशी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि पाने वाले पहले भारतीय थे।
1881 - लॉस एंजिल्स टाइम्स का पहला संस्करण प्रकाशित।
1910 - हिन्दी सिनेमा के अभिनेता मोतीलाल का जन्म।
1919 - पूर्व प्रधानमंत्री इन्द्र कुमार गुजराल का जन्म।
1952 - इंग्लैंड में कोहरे की घनी परत छाने के कारण हजारों लोगों की मौत।
1959 - भारत और नेपाल के बीच गंडक सिंचाई एवं विद्युत परियोजना पर हस्ताक्षर किया गया।
1963 - अभिनेता जावेद जाफरी का जन्म।
1967 - देश के पहले रॉकेट 'रोहिणी आरएच 75' का थुम्बा से प्रक्षेपण किया गया।
1996 - अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह के लिए एक और अंतरिक्ष यान %मार्स पाथफाउंडर% प्रक्षेपित किया।

बयान अमेरिका ने हमास पर युद्धविराम उल्लंघन का आरोप लगाया

कमला हैरिस चाहती हैं सीओपी28 में अरब नेताओं से युद्ध पर चर्चा

वाशिंगटन, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका ने विस्तारित युद्धविराम के उल्लंघन के लिए सीधे तौर पर हमास को दोषी ठहराया है, जबकि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने दुबई में जलवायु पर चल रहे शिखर सम्मेलन में गाजा के हालात पर चर्चा करने की मांग की थी कि अरब के नेताओं और अन्य देशों के प्रमुखों के के साथ इस बात पर चर्चा की जाए कि युद्ध का कैसे अंत किया जाए।मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि हमास द्वारा सप्ताह भर की लड़ाई पर विराम लगाने के बाद इजरायली सैन्य बलों ने कथित तौर पर हवाई हमलों के साथ गाजा पट्टी पर बमबारी फिर से शुरू कर दी।

इजरायल ने आरोप लगाया कि हमास द्वारा इजरायल की ओर रॉकेट दागकर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के बाद उसने लड़ाई फिर से शुरू कर दी।

हमास के अधिकारियों ने इजरायलियों को दोषी ठहराते हुए कहा कि उन्होंने बुजुर्ग बंधकों को रिहा करने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया और साथ ही इजरायली हवाई हमलों में कथित तौर पर मारे गए तीन बंधकों के शवों पर भी दावा किया। सप्ताहभर चले युद्धविराम में 100 से अधिक बंधकों, दो अमेरिकियों सहित सभी महिलाओं और बच्चों को हमास की कैद से मुक्त कराया गया। एक महिला सहित सात अमेरिकी लापता हैं। बदले में इजरायल में कैद 240 से अधिक फ़िलिस्तीनियों को रिहा कर दिया गया। व्हाइट

दुबई में जलवायु पर चल रहा शिखर सम्मेलन

हाउस ने शुक्रवार को कहा कि हमास उन बंधकों की सूची देने में विफल रहा, जिन्हें आतंकवादी संगठन रिहा करेगा। इजरायल और हमास ने इस बारे में परस्पर विरोधी बातें कहीं।

रणनीतिक संचार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा, यह हमास के कारण है कि यह ठहराव समाप्त हुआ। यूएसए टुडे ने किर्बी के हवाले से कहा, वे असमर्थ थे और बंधकों की एक सूची तैयार करने में विफल रहे, जो युद्धविराम को बढ़ाने में मदद कर सकता था।

राष्ट्रपति जो बाइडेन राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के साथ बंधकों की रिहाई को लेकर वार्ता और युद्ध खत?म करने के प्रयासों में लगे हुए हैं। अमेरिका विराम लगाने और अधिक बंधकों को रिहा कराने के लिए एक और बड़ा प्रयास कर रहा था। मिस्र के साथ एक अन्य अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थ कतर ने कहा कि वह युद्धविराम को नवीनीकृत करने के लिए काम कर रहा है और नए सिरे से लड़ाई पर गहरा खेद व्यक्त किया है।

कमला हैरिस, जो जलवायु शिखर सम्मेलन के लिए दुबई में हैं, दो सप्ताह तक चलने वाले शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले अरब नेताओं और अन्य देशों के प्रमुखों के साथ युद्ध पर चर्चा करना चाहती हैं।

दुनिया को जानें

पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो का छठा मामला सामने आया

इस्लामाबाद, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में चालू वर्ष के दौरान पोलियो का छठा मामला सामने आया है जबकि 20 और नमूनों की जांच सकारात्मक प्राप्त हुई है। यह जानकारी समाचारपत्र डॉन ने रविवार को दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) में पोलियो उन्मूलन की क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला ने अधिसूचित किया कि ओरकजई जिले में नौ महीने के बच्चे में पोलियो वायरस का पता चला। संघीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नदीम जान ने कहा, मैं बहुत दुखी हूं कि इस वायरस ने एक और बच्चे को अपनी चपेट में ले लिया है जिससे जीवन जीने और अपनी क्षमता पर खरा उतरने का अवसर उसके लिए कठिन हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि जब तक हम इस वायरस को खत्म नहीं कर देते, तब तक यह बीमारी न केवल हमारे बच्चों के लिए बल्कि पूरी दुनिया के बच्चों के लिए लगातार खतरा बनी रहेगी। मंत्री ने एक बयान में पूरे देश के माता-पिता और अभिभावकों से बच्चों के लिए जोखिम को समझने और पोलियो वैक्सीन को कभी मना नहीं कहने का आग्रह किया, जो आजीवन विकलांगता को रोकने और जीवन बचाने में मदद कर सकता है।

खेल जगत

तमिलनाडु के गिरीश ने पुरुषों के 6-रेड में जीत हासिल की

चेन्नई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के गिरीश ने रविवार को यहां नेहरू इंडोर स्टेडियम में 90वीं राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप के पुरुषों के 6-रेड स्नूकर क्वालीफाइंग में महाराष्ट्र के सुमेर मागो को 4-2 से हराया। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले स्थानीय स्टार गिरीश ने क्वालीफाइंग मैच में मागो को 44-41, 21-37, 51-12, 35-55, 42-01, 41-16 से हराया। अन्यत्र, मौजूदा तमिलनाडु 15-रेड स्नूकर चैंपियन पार्थिबा राजेंद्रन ने पुडुचेरी के पूरन कुन को 4-0 से हराया, जबकि उनके राज्य साथी सैयद सिकंदर ने दिल्ली के विष्णु प्रकाश को 4-3 से हराया। हरियाणा की दिव्या शर्मा ने महाराष्ट्र के अभिषेक बजाज पर 4-1 (41-25,44-16, 21-49, 75(75)-0, 39-19) की जीत में चौथे फ्रेम में 75 का अधिकतम ब्रेक दर्ज किया।

रिंकू सिंह में मोहम्मद अली जैसा निडर रवैया है : श्रीसंत

विशाखापत्तनम, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रिंकू सिंह के आक्रामक और निडर दृष्टिकोण की गूंज के बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत का मानना है कि खेल के प्रति 26 वर्षीय खिलाड़ी का रवैया 20वीं सदी के प्रतिष्ठित खेल व्यक्तित्व मुहम्मद अली की याद दिलाता है। आईएएनएस से बात करते हुए, पूर्व दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार पर विचार किया, उन्होंने अपने असाधारण क्षेत्ररक्षण से भारतीय टीम को मात देने के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय दिया, जबकि उन्होंने अपनी उम्मीदें भारतीय युवा कंधों पर केंद्रित कीं। टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम तैयार हो रही है।

मैं ईमानदार रहूँगा। ऑस्ट्रेलिया ने हमें पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई तरीके से खेला। लक्ष्य जो 280 से 290 होना चाहिए था, ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने इसे 240 तक रोक दिया। यह वार्नर, लाबुशेन, स्मिथ थे जिन्होंने उन 40 से 50 रनों को बचाया। श्रीसंत ने कहा, खेल का पूरा परिदृश्य बदल गया।

आत्मविश्वास और निडर दृष्टिकोण वाले उभरते सितारे रिंकू ने श्रीसंत का ध्यान खींचा और 40 वर्षीय खिलाड़ी ने युवा बल्लेबाज में मोहम्मद अली की झलक देखी और सभी प्रारूपों में उनके लगातार प्रदर्शन और अपने दिल की बात कहने की उनकी क्षमता की सराहना की। श्रीसंत ने उनके लचीलेपन और रवैये पर प्रकाश डालते हुए कहा, मुझे रिंकू सिंह का आत्मविश्वास पसंद है। वह जिस भी टीम के साथ खेलते हैं, उसके लिए लगातार ऐसा कर रहे हैं, चाहे वह क्लब क्रिकेट हो, चाहे वह टीम क्रिकेट हो, चाहे वह फ्रेंचाइजी हो। वह परवाह नहीं करते, बहकते नहीं लेकिन वह अपने दिल की बात कहते हैं और वह हैं मोहम्मद अली मेरे लिए।

श्रीसंत, जो एम एस धोनी के नेतृत्व में 2007 टी 20 विश्व कप विजेता टीम के प्रमुख सदस्य थे, ने भी अपने करियर के महत्वपूर्ण क्षणों पर विचार किया, उन बाधाओं और लचीलेपन के बारे में बताया जिसने अंतत: क्रिकेट के मैदान में उनकी वापसी का मार्ग प्रशस्त किया। श्रीसंत ने कहा, जैसे कि विश्व कप जीतना मेरे करियर में एक मील का पत्थर है। लेकिन मैं और मेरा परिवार जिस दौर से गुजरे उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। इसलिए जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो 39 साल की उम्र में केरल के लिए वापसी करना आसान नहीं था। और साबित करने और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज होने के बाद भी इसे बंद करना एक बहुत ही व्यक्तिगत कॉल जैसा था।

श्रीसंत का सफर किसी रोलरकोस्टर राइड जैसा था. 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने और जनवरी 2022 में केरल का प्रतिनिधित्व करते हुए घरेलू मैचों से संन्यास की घोषणा करने के बाद, अनुभवी क्रिकेटर को कई व्यक्तिगत और व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हालाँकि, 39 साल की उम्र में केरल के लिए उनकी वापसी, जहाँ वे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे, ने उनके अटूट दृढ़ संकल्प को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। अब, लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में गुजरात जायंट्स की जर्सी पहनकर और स्टुअर्ट बिन्नी के साथ अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) टी20 के दूसरे संस्करण के लिए तैयारी करते हुए, श्रीसंत ने भारत के बाहर फ्रेंचाइजी क्रिकेट द्वारा दिए गए अवसरों की सराहना की। एलएलसी उनके लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक मंच रहा है, जिसमें महान सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में प्लेयर ऑफ द मैच ट्रॉफी प्रदान करते हुए उनके लचीलेपन को स्वीकार किया था, एक ऐसा क्षण जिसे वह संभावित बायोपिक के अंतिम दृश्य के रूप में देखते हैं। श्रीसंत ने कहा, मैं अपनी फिटनेस में सुधार कर सकता हूं। कोलकाता में वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में वीरू भाई ने मुझे ट्रॉफी दी और कहा कि यह तुम्हारे लचीलेपन के लिए है। इसलिए यह अभी भी मेरे घर में रखी हुई है, अगर मैं कभी बायोपिक बनाता हूं, तो मुझे लगता है कि फिल्म मेरे हाथ में लीजेंड्स लीग कप के साथ खत्म हो जाएगी।

क्रिकेट के मैदान से बाहर, श्रीसंत सेवानिवृत्ति के बाद काम की पेशकश करने, उन्हें व्यस्त रखने और उनके परिवार के लिए आजीविका के साधन के रूप में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय फिल्म उद्योग को स्वीकार करते हैं।

रिंकू सिंह जिस स्थान को निशाना बना रहे हैं, उसके लिए कई चुनौतियां हैं : आशीष नेहरा

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा का मानना है कि मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह की अगले साल होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की संभावनाएं उज्ज्वल दिख रही हैं, हालांकि साथ ही प्लेइंग इलेवन में जगह के लिए फिनिशर के सामने कई चुनौतियां भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही टी20 श्रृंखला में, रिंकू पारी के अंत में अपनी तेज फिनिशिंग के माध्यम से भारतीय टीम में फिनिशर के रूप में पूर्णकालिक पद के लिए अपना दावा मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम में 14 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर 209 रन के लक्ष्य का अंत किया। तिरुवनंतपुरम में उन्होंने फिर से नौ गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए और रायपुर में 29 गेंदों पर 46 रन की आकर्षक पारी खेली। सिर की स्थिर स्थिति और अंदर से शांति के साथ, रिंकू एक फिनिशर के रूप में अपने कौशल का प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं, यह भूमिका वह आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए और घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए अच्छी तरह से निभाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि रिंकू सिंह भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने के दावेदार हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में डेविड वॉर्नर को जगह, लांस मॉरिस नया चेहरा

मेलबर्न, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो गया है। टेस्ट मैचों में ख़राब फ़ॉर्म से जूझ रहे सलामी बल्लेबाज़ डेविड वॉर्नर को 14-सदस्यीय दल में जगह मिली है, जबकि ऑलराउंडर मिचेल मार्श और कैमरन ग्रीन दोनों को भी टीम में शामिल किया गया है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ लांस मॉरिस टीम में नया चेहरा हैं। एशेज सीरीज़ के दौरान पिंडली की चोट से बाहर हुए ऑफ़ स्पिनर नाथन लियोन की टीम में वापसी हुई है। वह टॉड मर्फ़ी की जगह लेंगे। ग्रीन टीम में अतिरिक्त बल्लेबाज़ और मॉरिस व स्कॉट बोलैंड टीम में अतिरिक्त गेंदबाज़ के तौर पर शामिल हैं।

वनडे विश्व कप के दौरान जॉश इंग्लिस से अपनी जगह गंवा चुके एलेक्स कैरी टेस्ट मैचों में विकेटकीपर के रूप में बने हुए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह ही साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए विक्टोरिया के ख़िलाफ़ 81 रनों की पारी खेली थी। वहीं टीम के नए नाम तेज़ गेंदबाज़ मॉरिस भी चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने इस साल सिर्फ़ दो मार्श कप मैच और तीन शेफ़ील्ड शील्ड मैच खेले हैं। हालांकि मेडिकल टीम नें उन्हें अब पूरी तरह से फ़िट घोषित किया है।

वॉर्नर इस सीरीज़ के तीसरे मैच से टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहना चाहते हैं, जो कि उनके घरेलू मैदान सिडनी में होना है। पिछले दो सालों में उनका टेस्ट औसत 30 से भी कम है। हालांकि चयनकर्ताओं का मानना है कि फ़िलहाल वह देश के सर्वश्रेष्ठ दो उपलब्ध सलामी बल्लेबाज़ों में से एक हैं। मार्कस हैरिस, मैट रेनशॉ और कैमरन बैनक्रॉफ़्ट उनकी जगह लेने के प्रबल दावेदार नाम हैं। हालांकि वे अभी पाकिस्तान के ख़िलाफ़ प्रधानमंत्री एकादश टीम में खेलते हुए दिखेंगे, जो इसी बुधवार से शुरू हो रहा है। 14 सदस्यीय टेस्ट दल में ग्रीन ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अभ्यास मैच में भी खेलेंगे । उन्होंने हाल ही में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए क्वींसलैंड के ख़िलाफ़ 96 रनों की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्र्यू मैक्डोनाल्ड्स ने संकेत दिए हैं कि वॉर्नर के संन्यास लेने के बाद मार्श और ग्रीन टेस्ट एकादश में एक साथ भी खेल सकते हैं। हालांकि इसके लिए बल्लेबाज़ी क्रम को थोड़ा ऊपर-नीचे करना होगा। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहला टेस्ट 14 दिसंबर से पर्थ में शुरू हो रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई दल : पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, उस्मान ख़्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर) नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, जॉश हेज़लवुड, मिचेल स्टार्क, लांस मॉरिस

अभिनव चौधरी ने पुरुषों की रैपिड-फायर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता

NATIONAL RIFLE ASSOCIATION OF INDIA

नई दिल्ली/भोपाल, 3 दिसंबर (एजेंसियां) राजस्थान के अभिनव चौधरी ने भोपाल में चल रही 66वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) रविवार को एमपी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में पिस्टल स्पर्धा में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) का खिताब जीता।

अभिनव ने फाइनल में 30 का स्कोर बनाकर उत्तर प्रदेश के अंकुर गोयल को पछाड़ दिया, जिन्होंने 26 हिट अपने नाम किए। दिल्ली के अर्पित गोयल 21 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अभिनव ने इससे पहले क्वालीफिकेशन में 584 के स्कोर के साथ शीर्ष छह निशानेबाजों के फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया था, जो अग्रणी स्कोर भी था। जूनियर पुरुष आरएफपी में, विजयवीर सिद्धू ने फाइनल में 28 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता, और हरियाणा के पेरिस ओलंपिक कोटा विजेता अनीश भनवाला से बेहतर प्रदर्शन किया, जिनके पास 25 थे। पंजाब ने इस स्पर्धा में स्वर्ण और कांस्य जीता जब राजकंवर सिंह संधू ने 20 का स्कोर करके कांस्य पदक जीता।

हालाँकि, अनीश (578) ने पुरुष आरएफपी में समीर (578) और आदर्श सिंह (571) के साथ मिलकर 1727 के संयुक्त प्रयास से टीम स्पर्धा जीती। विजयवीर ने राजकंवर और जुड़वां भाई उदयवीर के साथ जूनियर टीम का स्वर्ण जीता।

एक कप्तान के तौर पर पैट कमिंस मेरी उम्मीदों से कहीं आगे निकले : इयान चैपल

सिडनी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर इयान चैपल ने कहा कि तेज गेंदबाज पैट कमिंस एक कप्तान के रूप में उनकी उम्मीदों से आगे निकल गए हैं। उन्होंने कहा कि वह न केवल टेस्ट क्रिकेट में, बल्कि 50 ओवर के प्रारूप में भी सफल साबित हुए हैं। यह कमिंस के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, जहां उनके नेतृत्व में, ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी और इंग्लैंड में अपनी पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप गदा जीती और भारत में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप खिताब जीतकर और अधिक गौरव बढ़ाया, जिसमें पहले दो मैच हारने के बाद लगातार आठ मैच जीते।

कमिंस हमेशा एक अच्छे कप्तान बनने वाले थे। तेज गेंदबाजी कप्तान होने की कठिनाइयों को एक पल के लिए नजरअंदाज करते हुए, वह आसानी से ऑस्ट्रेलियाई टीम में सबसे प्रेरणादायक खिलाड़ी थे, और क्रिकेट के सामान्य ज्ञान से संपन्न खिलाड़ी थे। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में लिखा, कमिंस ने न केवल खुद को एक योग्य टेस्ट कप्तान साबित किया है, उनका नेतृत्व अब विस्तारित हो गया है और वह 50 ओवर के क्रिकेट में भी सफल हैं। मैंने सोचा था कि वह एक अच्छा कप्तान होगा लेकिन वह मेरी उम्मीदों से कहीं आगे निकल गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि अगर प्रशंसक कमिंस के खेल खेलने के तरीके से प्रेरित नहीं हैं तो वे गलत खेल में हैं। कोई भी क्रिकेटर जो कमिंस से प्रेरित नहीं है वह गलत खेल में है। इसके अलावा, कमिंस बड़े दिल वाले एक उत्कृष्ट तेज गेंदबाज हैं और जब जरूरत होती है तब विकेट लेने की उनकी कला बहुत प्रशंसनीय है। इसे खत्म करने के लिए, वह एक ऐसा गेंदबाज है जो नियमित रूप से विपक्षी टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को परेशान करता है।

ये गुण उन्हें एक प्रेरक कप्तान बनने के योग्य बनाते हैं। बाकी यह ऑस्ट्रेलिया टीम का नेतृत्व करने और यह देखने का मामला है कि वह क्या काम कर सकता है। एक कप्तान के रूप में सुधार करने का एकमात्र तरीका काम करना है, गलत अनुमान लगाना और किसी भी असफलता से तुरंत सीखना है।

चैपल का यह भी मानना है कि कमिंस ने तब तक कप्तान रहने का अधिकार हासिल करने के लिए काफी कुछ किया है, जब तक वह रहना चाहते हैं। विभिन्न देशों और प्रारूपों में और विभिन्न परिस्थितियों में एक कप्तान के रूप में अच्छा प्रदर्शन करके, कमिंस खुद को उस श्रेणी में रख रहे हैं। उस तिकड़ी में से केवल इमरान - शानदार उपस्थिति वाले उत्कृष्ट नेता - तेजी से बढ़ते सीमित ओवरों के क्रिकेट के युग में खेले।

मैं कमिंस को मार्क वॉ और अनिल कुंबले के समान श्रेणी में रखूंगा - भयंकर प्रतिस्पर्धी जो अपने कार्यों से अपने इरादे स्पष्ट रूप से व्यक्त

वॉर्नर अभी भी पहला टेस्ट जीतने वाले हमारे सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों में हैं : जॉर्ज बेली

पर्थ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए डेविड वार्नर के चयन पर तीखा हमला करने के बाद, मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज के समर्थन में सामने आए और कहा कि वह उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने के लिए अभी भी सबसे अच्छा विकल्प है। इस साल की शुरुआत में, वार्नर ने सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में अपने टेस्ट करियर को समाप्त करने की इच्छा व्यक्त की थी। हालाँकि वार्नर सफेद गेंद वाले क्रिकेट में असाधारण फॉर्म में हैं, उन्होंने 2020 की शुरुआत से केवल 31.79 की औसत से रन बनाए हैं और इस साल पांच एशेज टेस्ट में 28.50 की औसत से केवल 285 रन बनाए हैं।

बेली ने संवाददाताओं से कहा, आखिरकार, हम अभी भी सोचते हैं कि वह पहला टेस्ट जीतने वाले हमारे सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों में से एक है। मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट, जिस तरह से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक निर्धारित करता है, उसके संदर्भ में, प्रत्येक टेस्ट महत्वपूर्ण है। प्रत्येक मैच के लिए अंक लाइन पर हैं । तो हमारा ध्यान उन 11 को चुनने पर है जो हमें लगता है कि यह काम कर सकते हैं और जाहिर तौर पर इसमें प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका होती है और यह वास्तव में पूरी टीम को कैसे तैयार करता है और हमें लगता है कि डेविड इसके लिए सही व्यक्ति हैं। वार्नर के बारे में आगे बात करते हुए, बेली ने कहा, स्पष्ट रूप से डेव श्रृंखला के माध्यम से सिडनी में समाप्त करना चाहेंगे, और हम इसका पूरा सम्मान करते हैं। हम इस तथ्य को लेकर काफी सुसंगत रहे हैं कि किसी भी खिलाड़ी के साथ, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे एक व्यक्ति के रूप में कैसा प्रदर्शन करते हैं, और वह प्रदर्शन वास्तव में टीम के कार्य में कैसे फिट बैठता है, और यह नहीं बदलेगा।

हमें घरेलू टेस्ट श्रृंखला होने और टेस्ट दर टेस्ट टीम का चयन करने में सक्षम होने का फायदा मिलता है। और यह डेव के लिए विशिष्ट नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि सभी खिलाड़ी, यह प्रदर्शन के बारे में है और यह टीम में कैसे फिट बैठता है जो किसी भी टेस्ट में टीम का स्वरूप तय करेगा। बेली ने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में वार्नर की जगह लेना एक लंबी यात्रा हो सकती है, जैसा कि 2007 से 2011 तक शेन वार्न के प्रतिस्थापन की खोज करते समय हुआ था।

विपक्षी को दबाव में रखने की क्षमता बहुत खास है, और इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। जब भी आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जो इतनी लंबी उम्र का हो और किसी भूमिका में इतना प्रभावशाली हो, (यह महत्वपूर्ण है) कि जो भी हो उसकी अपेक्षाओं पर काबू पाया जाए वहां प्रतिस्थापन होने जा रहा है।

फातिमा, शवाल ने पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर ऐतिहासिक महिला टी2 जीत दिलाई

डुनेडिन, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज फातिमा सना के शानदार 3-18 और शवाल जुल्फिकार के 41 रनों की बदौलत पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच सात विकेट से जीत लिया। इस परिणाम का मतलब यह भी है कि पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर पहली महिला टी20 जीत मिली है।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम फातिमा की बेहतरीन गेंदबाजी के कारण 127/6 पर सिमट गई। फातिमा, जो चोट के कारण बांग्लादेश दौरे से चूक गईं, ने बादल छाए रहने की स्थिति का फायदा उठाते हुए 3-18 का शानदार स्पैल डाला, जिसमें बर्नडाइन बेजुइडेनहाउट, केट एंडरसन और सूजी बेट्स के विकेट शामिल थे । कप्तान निदा डार, डायना बेग और आलिया रियाज ने नियमित अंतराल पर एक-एक विकेट लेकर न्यूजीलैंड की पारी को फिर से बनाने के काम को नुकसान पहुंचाया। मैडी ग्रीन सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं, उन्होंने 28 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 43 रन बनाए और न्यूजीलैंड को 120 के पार पहुंचाया। 128 रनों का पीछा करते हुए, पाकिस्तान की शवाल और मुनीबा अली की सलामी जोड़ी ने 40 रनों की अच्छी साझेदारी की,लेकिन मुनीबा बाद में 24 गेंदों में 23 रन बनाकर सोफी डिवाइन का शिकार बन गईं। निदा ने खुद को इस क्रम में आगे बढ़ाया और युवा शवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रनों की साझेदारी की।

बेल्जियम से हारकर भारत जूनियर महिला विश्व कप से बाहर

सैंटियागो, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के चौथे दिन ने कुछ टीमों के भाग्य का फैसला कर दिया है क्योंकि भारत और दक्षिण अफ्रीका प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं, जबकि पूल ए और सी की चार अन्य टीमें - नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और जर्मनी - ने शीर्ष 8 में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। बेल्जियम ने पूल सी में तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए रोमांचक मुकाबले में भारत पर 3-2 से जीत हासिल की, जबकि जर्मनी ने पूल सी में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए कनाडा पर बड़ी जीत दर्ज की।

पूल ए में, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली थी, ने यह सुनिश्चित किया कि वे दक्षिण अफ्रीका और चिली को बड़े अंतर से हराकर उच्च स्थान पर रहें। इन चारों टीमों ने क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है जबकि अपने-अपने पूल में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को 9वें से 16वें स्थान के लिए वर्गीकरण मैच खेलना होगा। शनिवार रात दिन के पहले मैच में भारत और बेल्जियम के बीच कांटे की टक्कर हुई। पांचवें मिनट में नोआ श्रेउर्स ने फील्ड गोल करके बेल्जियम के लिए खाता खोला। इसके बाद यह बराबरी का मुकाबला था और दोनों टीमें गोल करने के मौके बनाने की कोशिश कर रही थीं। फ्रांस डी मोट ने बेल्जियम के लिए एक और गोल कर अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया, लेकिन तब इस प्रतियोगिता में भारत की स्टार खिलाड़ी अन्नू थीं, जिन्होंने पांच मिनट के भीतर दो गोल करके भारत को खेल में वापस ला दिया। हालाँकि, 52वें मिनट में एस्ट्रिड बोनामी के विजयी गोल ने पूल सी में शीर्ष पर रहने की भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दिन के दूसरे मैच में जर्मनी ने कनाडा को 8-0 से हरा दिया, यह गोल का उत्सव था। लौरा प्लुथ और कप्तान लिली स्टॉफेल्स्मा दोनों ने हैट्रिक बनाई, जबकि कैटरीना हैड और जोआना बोहरिंगर ने एक-एक गोल किया। जर्मनी ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और 14 पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए और कई बार प्रतिद्वंद्वी सर्कल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, जर्मनी पूल सी में बेल्जियम के नीचे दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कनाडा तीन में से शून्य जीत के साथ सबसे नीचे रहा।

ऑस्ट्रेलिया ने पूल चरण में दो जीत और एक हार के साथ विश्व कप के अपने आखिरी लीग मैच में दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से हराया। वह मकायला जोन्स थीं जिन्होंने चौथे मिनट में तेज फिनिश के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए स्कोरिंग की शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया को 11 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वह केवल एक को ही गोल में बदल सका, जिसका श्रेय दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर मोर्गन डी जैगर को जाता है। तीन मैचों में तीन हार के साथ दक्षिण अफ्रीका पूल ए में सबसे निचले स्थान पर रहा।

यह नीदरलैंड बनाम चिली के बीच एक समान मैच था क्योंकि महिला हॉकी में दुनिया की सबसे खतरनाक टीमों में से एक, नीदरलैंड ने मेजबान टीम को 7-0 से हराया था। वे शुरू से ही लय में थे और पहले दस मिनट में तीन गोल दागे।

नीदरलैंड पूल ए में शीर्ष पर रहा, और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जबकि दक्षिण अफ्रीका और चिली 9वें-16वें स्थान के क्वालीफिकेशन मैचों में खेलेंगे।

सार संक्षेप

मोहन बागान सुपर जाइंट ने आईएसएल में हैदराबाद एफसी को 2- से हराया

भुवनेश्वर। मोहन बागान सुपर जाइंट ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में दूसरे हाफ में किए गए दो गोलों की बदौलत हैदराबाद एफसी को 2- से हरा दिया। मेरिनर्स को इस हफ्ते की शुरुआत में घरेलू मैदान पर ओडिशा एफसी के खिलाफ 5-2 से हार का सामना करना पड़ा। हैमिल ने 85वें मिनट में स्कोरिंग की शुरुआत की, और राय ने 96वें मिनट में गोल कर मेरिनर्स की जीत पक्की कर दी, इस टूर्नामेंट में मोहन बागान सुपर जायंट की पांचवीं जीत है। हैदराबाद एफसी अपना अगला मुकाबला 1 दिसंबर को गुवाहाटी में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से खेलेगी, जबकि मोहन बागान सुपर जाइंट छह दिसंबर को साल्ट लेक स्टेडियम में ओडिशा एफसी से भिड़ेगी। हैदराबाद एफसी के थांगबोई सिंग्नल ने कहा, मोहन बागान के बारे में बोलते हुए, मुझे लगता है कि यह सितारों की टीम है, लेकिन मैंने ओडिशा एफसी के खिलाफ उनका मैच देखा और मुझे लगता है कि यह उनके साथ खेलने का अच्छा समय है। उनके पास बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, शुरुआत में भी और बेंच पर भी।

केंद्रीय अनुबंध पाने के लिए विंडीज वनडे, फ्रेंचाइजी क्रिकेट की तलाश में इंग्लैंड के विल जैक

लंदन। केंद्रीय अनुबंध तय करते समय इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा नजरअंदाज किए गए इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर विल जैक नॉर्थ साउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला को स्थायी रूप से टीम में जगह बनाने और अगले साल केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल होने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। । इसके अलावा, विल जैक्स अगले साल के आईसीसी पुरुष टी2 विश्व कप 224 में जगह पक्की करने के लिए अपने भविष्य के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाना चाह रहे हैं। 25 वर्षीय ऑलराउंडर ने अपने शुरुआती करियर में तीन प्रारूपों में प्रदर्शन किया है और उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज की भूमिका सौंपी गई है। रविवार को पहले मैच की पूर्व संध्या पर जैक्स ने कहा, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि आपको यह विश्वास दिया जाए कि चाहे कुछ भी हो आप टीम में बने रहेंगे। भले ही मैं रविवार को असफल हो जाऊं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, मेरे पास जाने का एक और मौका होगा और आखिरी दो मैचों में सफलता हासिल करूंगा। उन सभी के लिए जो उस आक्रामक शैली को खेलना चाहते हैं, आपको इसकी आवश्यकता है। यदि आप असफलता का डर मन में लाते हैं या इस बात की चिंता करते हैं कि आप खेलेंगे या नहीं, तो जाहिर तौर पर यह आपके प्रदर्शन में बाधा डालता है, और आप 1 प्रतिशत आत्मविश्वास के साथ नहीं खेल पाएंगे।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

एनटीपीसी	3.28 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	2.97प्रतिशत
एलटी	2.52 प्रतिशत
टाटा स्टील	1.56 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	1.44 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

विप्रो	1.34 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.27 प्रतिशत
मारुति	0.37 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	0.29 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	0.22 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

उड़ानों में बार-बार देरी के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने की इंडिगो की आलोचना

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने रविवार को इंडिगो उड़ानों में बार-बार देरी पर निराशा व्यक्त की। पिछले सप्ताह इंडिगो की तीन उड़ानों में सवारी कर चुके तिवारी ने रविवार को चंडीगढ़ से दिल्ली जाने वाली उड़ान संख्या 6ई2159 की डेढ़ घंटे से अधिक की देरी का जिक्र किया।

तिवारी को हाल ही में दिल्ली से चंडीगढ़ जाने वाली इंडिगो की 6ई1855 उड़ान में भी ढाई घंटे से अधिक की देरी का सामना करना पड़ा था। तिवारी ने एक्स पर लिखा, 'इंडिगो की यह तीसरी उड़ान है जो मैं इस सप्ताह ले रहा हूं जो 90 मिनट से अधिक की देरी से चल रही है। इस बार यह चंडीगढ़ से दिल्ली के लिए 6ई2159 है। इससे पहले एक अवसर पर दिल्ली से चंडीगढ़ के लिए इंडिगो की 6ई1855 उड़ान में ढाई घंटे से अधिक की देरी हुई थी।'

उन्होंने कहा, 'इंडिगो से यात्रा करने का एकमात्र कारण यह था कि वह समय पर आती थी। अन्यथा उसकी सेवाओं के बारे में न कहना ही बेहतर है।' कॉमेडियन कपिल शर्मा ने भी 29 नवंबर को एक

सोशल मीडिया पोस्ट में इंडिगो उड़ान 6ई5149 की महत्वपूर्ण देरी पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'प्रिय इंडिगो6ई, पहले आपने हमें बस में 50 मिनट तक इंतजार कराया और अब आपकी टीम कह रही है कि पायलट ट्रैफिक में फंस गया है, क्या? सच में? उन्होंने आगे कहा, 'हमें रात आठ बजे तक उड़ान भरनी थी, और 9:20 बज चुके हैं; फिर भी, कॉकपिट में कोई पायलट नहीं है। क्या आपको लगता है कि ये 180 यात्री फिर से इंडिगो से उड़ान भरेंगे? कभी नहीं।'

देशभर के गांवों में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन और होमस्टे के लिए मुकाबला

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। पर्यटन मंत्रालय देशभर के गांवों के बीच सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम व सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता शुरू की गई है। गांवों के बीच यह प्रतियोगिता ग्रामीण पर्यटन के प्रचार और विकास को बल प्रदान करने के लिए है। भारत में ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति द्वारा ग्रामीण होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने व्यापक राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप शुरू किया है। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक उन्होंने भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान के सहयोग से राष्ट्रीय कार्यनीतियों के कार्यान्वयन की शुरुआत की है। पर्यटन मंत्रालय का कहना है कि ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे को प्रोत्साहन देने के लिए विशिष्ठ पहलों में से एक राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम और राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता का आयोजन करना है।

सहयोग को बढ़ावा देने और ग्रामीण पर्यटन की संवृद्धि के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने हेतु,

मंत्रालय ने इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से सरकारों, उद्योग हितधारकों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और स्थानीय समुदायों को सक्रिय रूप से कार्यबद्ध किया है। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक यह बहु-हितधारक पद्धति ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को बल प्रदान करने के प्रयासों में तालमेल बनाती है। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन में उत्कृष्ट योगदान की पहचान करने और उन्हें पुरस्कृत करने के लिए ग्रामों और ग्रामीण होमस्टे के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को विकसित करना है, जिससे समुदायों और व्यक्तियों को सतत विकास लक्ष्यों में सक्रिय योगदान के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

पर्यटन मंत्रालय का कहना है कि इन प्रतियोगिताओं से न केवल अन्वेक्षित क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, तथापि सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने, सांस्कृतिक प्रामाणिकता को संरक्षित करने और पर्यटन क्षेत्र में दीर्घकालिक और उत्तरदायी अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए एक तरंगित प्रभाव भी पैदा होगा। पर्यटन मंत्रालय ने प्रभावी कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसी, ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे (सीएनए आरटी और आरएच) की स्थापना भी की है। यह ग्रामीण स्तर पर प्रतियोगिताओं के प्रचार-प्रसार हेतु मास्टर ट्रेनर तैयार करने के लिए राज्यों के लिए क्षमता निर्माण सत्र आयोजित कर रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.94 अरब डॉलर पर

मुंबई, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.94 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 5.08 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 595.4 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.14 अरब डॉलर की बढ़त लेकर 528.53 अरब डॉलर हो गयी। इस अवधि में स्वर्ण भंडार 29.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 46.34 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 8.7 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 18.23 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.4 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 4.85 अरब डॉलर हो गई।

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला को चकमा देकर ओपनएआई ने सैम ऑल्टमैन को निकाला था, रिपोर्ट में खुलासा

सैन फ्रांसिस्को, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सैम ऑल्टमैन को ओपनएआई से बाहर करने के मामले में ताजा जानकारी सामने आई है, एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कंपनी के पुराने बोर्ड ने ऑल्टमैन को सीईओ पद से हटाने के लिए शुरुआत में वोटिंग करने के बाद जानबूझकर माइक्रोसॉफ्ट को बाहर रखा था। द न्यू यॉर्कर ने बताया कि ऑल्टमैन को बाहर करने के फैसले से अध्यक्ष और सीईओ सत्या नडेला सहित माइक्रोसॉफ्ट के अधिकारी हैरान थे। माइक्रोसॉफ्ट में कई लोगों ने ओपनएआई बोर्ड के निर्णय को 'मूर्खतापूर्ण' बताया और दावा किया कि यह चैटजीपीटची डेवलपर को नष्ट कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'ऑल्टमैन की बर्खास्तगी पर नडेला ने ओपनएआई बोर्ड के सदस्य एडम डी 'एंजेलो को फोन किया और उन पर विवरण के लिए दबाव डाला।' डी 'एंजेलो ने उन्हें बताया कि ऑल्टमैन बोर्ड के साथ अपने कम्युनिकेशन में स्पष्ट नहीं थे। रिपोर्ट में कहा गया, 'नडेला ने निराशा में फोन रख दिया। माइक्रोसॉफ्ट के पास ओपनएआई की प्रॉफिट आर्म का लगभग आधा हिस्सा है, निश्चित रूप से इस तरह के फैसले पर उनसे परामर्श किया जाना चाहिए था।' नडेला के साथ वीडियो कॉल पर, माइक्रोसॉफ्ट के अधिकारियों ने ऑल्टमैन के निष्कासन पर संभावित प्रतिक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करना शुरू किया। रिपोर्ट में कहा गया है, 'प्लान ए में यह देखना था कि क्या स्टार्टअप का बोर्ड अपने फैसले को पलट सकता है, या कम से कम अपने जल्दबाजी भरे कदम की व्याख्या कर सकता है।' योजना बी में ऑल्टमैन को सीईओ के रूप में फिर से नियुक्त करने और बोर्ड के सदस्यों को हटाकर ओपनएआई के प्रशासन को फिर से कॉन्फ़िगर करने में मदद करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के महत्वपूर्ण लीवरेज का उपयोग करना था। प्लान सी में ऑल्टमैन और उनके सबसे प्रतिभाशाली सहकर्मियों को काम पर रखना था, जो अनिवार्य रूप से माइक्रोसॉफ्ट के भीतर ओपनएआई का पुनर्निर्माण कर रहे थे। नडेला ने कंपनी को एक नए कार्यक्षेत्र के साथ अपने एडवांस एआई ड्रीम्स को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए थोड़े समय के लिए ऑल्टमैन को नियुक्त किया। हालांकि, ऑल्टमैन सीईओ के रूप में ओपनएआई में लौट आए, माइक्रोसॉफ्ट को कंपनी के बोर्ड पर एक नॉन-वोटिंग ऑब्जर्वर सीट मिल गई। ओपनएआई के नए बोर्ड में अध्यक्ष ब्रेट टेलर, लैरी समर्स और एडम डी%एंजेलो शामिल हैं। माइक्रोसॉफ्ट ओपनएआई में एक प्रमुख निवेशक है, जिसकी इस लाभकारी

सार संक्षेप

चीन अंतराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखला संवर्धन एक्सपो में 15 अरब युआन के समझौते होने का अनुमान

बीजिंग, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। पहला चीन अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखला संवर्धन एक्सपो 2 दिसंबर को पेइचिंग में संपन्न हुआ। पहले चीन अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखला संवर्धन एक्सपो ने अपस्ट्रीम-मिड-स्ट्रीम-डाउनस्ट्रीम संबंधों को बढ़ाने, बड़े-मझौले और लघु उद्यमों के एकीकरण, उद्योग, शिक्षा व अनुसंधान के बीच सहयोग और चीनी-विदेशी उद्यमों के बीच आदान-प्रदान के अपेक्षित लक्ष्य हासिल किए। अपूर्ण आंकड़ों के अनुसार, इस बार के एक्सपो में 2 से अधिक सहयोग समझौतों और आशय के समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें 15 अरब युआन से अधिक की राशि शामिल है। बताया जाता है कि चीन अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखला संवर्धन एक्सपो पूरी दुनिया में अपनी तरह की पहली ऐसी प्रदर्शनी है, जो आपूर्ति शृंखला विषय पर एक राष्ट्रीय प्रदर्शनी है। इसका विषय 'दुनिया को जोड़ें और मिलकर भविष्य बनाएं' है। लगभग 1 लाख तीस हज़ार आगंतुकों के साथ कुल 515 चीनी और विदेशी कंपनियों व संस्थानों ने इस बार के एक्सपो में भाग लिया।

विज्ञापनदाता बना रहे दूरी, एलन मस्क के नेतृत्व में एक्स पर मंडरा रहा दिवालियापन का खतरा

लंदन, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। एलन मस्क ने ट्विटर (जिसे अब एक्स कहा जाता है) को खरीदने के लिए लगभग 13 बिलियन डॉलर का ऋण लिया था और सोशल मीडिया कंपनी को हर साल ब्याज भुगतान में लगभग 1.2 बिलियन डॉलर का भुगतान करना पड़ता है। बीबीसी ने रविवार को बताया कि चूंकि बड़े विज्ञापनदाताओं ने प्लेटफॉर्म छोड़ दिया और एक्स अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान नहीं कर सकता या कर्मचारियों को भुगतान नहीं कर सकता, तो यह वास्तव में दिवालिया हो सकता है। लेकिन, यह एक चरम परिदृश्य होगा जिससे मस्क निश्चित रूप से बचना चाहेंगे। हालांकि, जिस कंपनी को उन्होंने 44 बिलियन डॉलर में खरीदा था, उसके लिए दिवालियापन अकल्पनीय लग सकता है, लेकिन यह संभव है। डिज़्नी और एप्पल अब एक्स पर विज्ञापन नहीं दे रहे हैं।
खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट ने पुष्टि की है कि वह एक्स पर विज्ञापन नहीं दे रहा है। रिपोर्ट में वॉलमार्ट के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है, 'हम एक्स पर विज्ञापन नहीं कर रहे हैं, क्योंकि हमने अपने ग्राहकों तक बेहतर पहुंच के लिए अन्य प्लेटफॉर्म ढूंढ लिए हैं।' पिछले महीने मस्क द्वारा यहूदी विरोधी पोस्ट का समर्थन करने के बाद वॉलमार्ट के जाने से एक्स छोड़ने वाली कंपनियों की सूची में इजाफा हुआ। एप्पल, डिज्नी, आईबीएम, कॉमकास्ट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी उन कंपनियों में से हैं जो अब एक्स पर विज्ञापन नहीं दे रही हैं। पिछले साल, एक्स का लगभग 9 प्रतिशत राजस्व विज्ञापन से आया था।
मस्क ने चेतावनी दी है कि बड़े विज्ञापनदाताओं का नुकसान एक्स के अंत का कारण बनेगा। यदि कंपनी विफल हो जाती है, तो यह विज्ञापनदाताओं के बहिष्कार के कारण विफल हो जाएगी और यही कंपनी को दिवालिया बना देगी। 222 में ट्विटर का विज्ञापन राजस्व लगभग 4 बिलियन डॉलर था। इनसाइडर इंटेलिजेंस का अनुमान है कि इस साल यह घटकर 1.9 बिलियन डॉलर रह जाएगा।

आरबीआई के मौद्रिक नीति निर्णय पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मजबूत रुख के बीच स्थानीय स्तर पर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मजबूत आंकड़ों की बदौलत बीते सप्ताह करीब ढाई प्रतिशत की तेजी में रहे घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) की होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा के निर्णय के साथ भारत, अमेरिका और चीन के सेवा पीएमआई आंकड़ों पर नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1511.15 अंक अर्थात 2.3 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 67481.19 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 473.2 अंक यानी 2.4 प्रतिशत उछलकर पहली बार 20267.90 अंक पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जबरदस्त लिवाली हुई। इससे मिडकैप 976.37 अंक अर्थात 2.9 प्रतिशत की तेजी लेकर सप्ताहांत पर 34586.76 अंक और स्मॉलकैप 758.67 अंक मजबूत होकर पहली बार 40 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर पर के पार 40565.96 अंक हो गया।

विश्लेषकों के अनुसार, महंगाई में कमी आने से यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के दर वृद्धि चक्र को समाप्त करने की उम्मीद में वैश्विक

बाजारों में तेजी का रुख देखा गया। घरेलू बाजार को वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी के मजबूत आंकड़ों और विनिर्माण गतिविधि में उल्लेखनीय उछाल से पर्याप्त बढ़ावा मिला। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार ने अपनी जीवंतता बनाए रखी, जिसे टाटा टेक्नोलॉजी की शानदार लिस्टिंग ने उजागर किया। इससे जोखिम भरी संपत्तियों में निवेशकों का विश्वास बढ़ा। पिछले सपताह मिडकैप और स्मॉलकैप ने लचीला रुख दिखाया। निवेशक सरकारी खर्च और बढ़ी हुई खपत के बारे में आशावान बने हुए हैं। मुद्रास्फीति में कमी से चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। ओपेक प्लस के आपूर्ति में कटौती करने के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। साथ ही बाजार की तेजी बनाए रखने में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल ने भी सकारात्मक योगदान दिया। इससे मौजूदा केंद्र सरकार के प्रति निवेशकों की भावनाएं मजबूत रही।

बाजार सलाह देने वाली कंपनी जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर कहा कि अगले सप्ताह निवेशकों की नजर अमेरिका, भारत और चीन में जारी होने वाले सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों पर रहेगी। साथ ही अगले सप्ताह 06 से 08 दिसंबर को आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। इसमें नीतिगत दरों को यथावत रखने की संभावना है। इससे विकास परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव हो सकता है। इसके अलावा नवंबर में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की वापसी बाजार में सकारात्मक गति जारी रहने का संकेत देती है। एफआईआई ने इस वर्ष पिछले लगातार तीन महीने अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में जबरदस्त बिकवाली के बाद नवंबर में 5,795.05 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की है। एफआईआई अगस्त में 20,620.65 करोड़ रुपये, सितंबर में 26,692.16 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 29,056.61 करोड़ रुपये के बिकवाल रहे।

टेलीग्राम ने मैसेजिंग को बढ़ावा देने के लिए 11 नए फीचर्स की घोषणा की

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम ने अपने 800 मिलियन से ज्यादा मंथली एक्टिव यूजर्स के लिए कम्युनिकेशन को सरल बनाने के लिए 11 नए फीचर्स शुरू किए हैं। अब यूजर्स के पास किसी चैनल से जुड़ने पर समान पब्लिक चैनलों की लिस्ट तक एक्सेस होगा। कंपनी ने एक अपडेट में कहा कि यह फीचर सब्सक्राइबर बेस में समानता के आधार पर ऑटोमैटिक सलेक्शन द्वारा संचालित होती है, जिससे यूजर्स के लिए उनकी रुचि के अनुरूप कंटेंट ढूंढना आसान हो जाता है। यूजर्स किसी चैनल की प्रोफाइल से समान चैनल तक भी पहुंच सकते हैं।

टेलीग्राम ने कहा, 'यूजर्स के पास अब केवल दो टैप से फ्रेंड्स और फेवरेट चैनलों की स्टोरीज की रीच बढ़ाने का पावर है। टेक्स्ट, ऑडियो या वीडियो कमेंट्स जैसे अतिरिक्त कंटेंट जोड़ने का ऑप्शन स्टोरी कहने के एक्सपीरियंस को बढ़ाता है। प्राइवेसी प्रोटेक्शन सुनिश्चित करते हुए रीपोस्टिंग 'एव्रीवन' को दिखाई देने वाली स्टोरीज तक ही सीमित है।' कोई स्टोरी पोस्ट करते समय, अब आप कमेंट्री के लिए या केवल फेस बनाने के लिए एक वीडियो मैसेज जोड़ सकते हैं। इन मैसेज का साइज बदला जा सकता है, स्क्रीन के चारों ओर ले जाया जा सकता है, और टाइम एक्सिस के साथ

रखा जा सकता है, जिससे यूजर्स को खुद को व्यक्त करने के लिए असीमित क्रिएटिव संभावनाएं मिलती हैं।

टेलीग्राम प्रीमियम यूजर्स के पास अब 'प्रोफाइल कलर्स' जैसे और भी अधिक कस्टमाइजेशन ऑप्शन तक पहुंच है जो यूजर्स को अपने प्रोफ़ाइल के लिए लोगो के साथ यूनिक कलर कॉम्बिनेशन सेट करने की अनुमति देता है। जबकि कोई भी इंडिविजुअल चैट के लिए कस्टम वॉलपेपर सेट कर सकता है, प्रीमियम यूजर्स अब बातचीत के दोनों पक्षों में अपने पर्सनलाइजेशन का विस्तार कर सकते हैं। टेलीग्राम ने कहा, 'वॉइस-टू-टेक्स्ट फीचर,

खाद्य तेलों में घटबढ़, दालें सस्ती

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के कमजोर रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर मांग बरकरार रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में घटबढ़ रही जबकि उठाव सुस्त रहने होने से दाल-दलहन के भाव गिर गए वहीं मीठे में तेजी रही।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसम्बर वायदा सप्ताहांत पर 47 रिंगिट गिरकर 3733 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह दिसम्बर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.51 सेंट की गिरावट के साथ 52.26 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान सरसों तेल 74 रुपए, मूंगफली तेल 36 रुपए और वनस्पति तेल 134 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता हो गया वहीं सूरजमुखी तेल 220 रुपए, सोया रिफाइंड 146 रुपए और पाम ऑयल के भाव 133 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गए। सप्ताहांत पर सरसों तेल 13113 रुपए प्रति क्विंटल मूंगफली तेल 19890 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12454 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 11281 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 8266 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 9866 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

आईआईटी दिल्ली के छात्रों को हांगकांग, जापान, यूके और यूएस से नौकरी के प्रस्ताव मिले

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर (एजेंसियां)। आईआईटी दिल्ली में कैंपस प्लेसमेंट में 660 अधिक जॉब प्रोफाइल की पेशकश हुई है। जॉब ऑफर करने वाली कंपनियों में माइक्रोसॉफ्ट, गोल्डमैन सैक्स और टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं। कई छात्रों को हांगकांग, जापान, नीदरलैंड, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका से अंतरराष्ट्रीय नौकरी के प्रस्ताव मिले हैं।

नेशनल और मल्टी नेशनल कंपनियों से आईआईटी दिल्ली के इन छात्रों को लाखों रुपए प्रतिमाह के पैकेज ऑफर हुए हैं। हालांकि, अपनी पॉलिसी के तहत आईआईटी दिल्ली ने छात्रों को मिलने वाले हाई पैकेज का खुलासा न करने का निर्णय लिया है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए आईआईटी दिल्ली में प्लेसमेंट सीज़न 1 दिसंबर, 2023 से शुरू हो गया है। यह प्लेसमेंट सीजन मई 2024 तक चलेगा। आईआईटी दिल्ली के मुताबिक प्लेसमेंट सीज़न एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में कार्य

करता है, जहां आईआईटी दिल्ली के सबसे प्रतिभाशाली दिमाग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ जुड़ते हैं। इस वर्ष का प्लेसमेंट सीज़न नौकरी देने वाली कंपनियों की सुविधा के आधार पर फिजिकल और वर्चुअल दोनों तरीकों से आयोजित किया जा रहा है।

आईआईटी दिल्ली के मुताबिक इस सीजन में अब तक छात्रों को कई क्षेत्रों में 660 अधिक जॉब प्रोफाइल की पेशकश हुई है। जॉब प्रोफाइल ऑफर करने वाली कंपनियों में करीब 360 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठन शामिल हैं। इन कंपनियों ने छात्रों को काम पर रखने के लिए आईआईटी दिल्ली में पंजीकरण कराया है। 1 दिसंबर के अंत तक आईआईटी दिल्ली के छात्रों को लगभग 480 पूर्णकालिक नौकरी के प्रस्ताव (प्री-प्लेसमेंट ऑफर सहित) प्राप्त हुए। कई छात्रों को एक से अधिक नौकरी के प्रस्ताव भी मिले हैं।

प्लेसमेंट सीज़न के बारे में बोलते हुए, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर आर. अयोथिरामन ने कहा, 'आईआईटी दिल्ली में कैरियर सर्विसेज कार्यालय हमारी सेवाओं का लाभ उठाने वाले छात्रों के प्लेसमेंट को अधिकतम करने के लिए काम कर रहा है। हमारे छात्र समूह की विभिन्न आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हमारे पास विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों का एक स्वस्थ मिश्रण और लाइनअप है। छात्रों की संख्या के मामले में पहले दिन कैंपस में शीर्ष भर्तीकर्ताओं में माइक्रोसॉफ्ट, गोल्डमैन सैक्स और टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं। लगभग 25 छात्रों को हांगकांग, जापान, नीदरलैंड, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक क्षेत्रों से अंतरराष्ट्रीय नौकरी के प्रस्ताव मिले हैं।'

आईआईटी दिल्ली की डॉ. अनिश्या ने कहा, 'आईआईटी दिल्ली का प्रतिभा पूल उन संगठनों के विकास में योगदान करने के लिए उत्सुक है, जिनसे वे जुड़ते हैं। हम उन सभी भर्तीकर्ताओं का स्वागत करने के लिए तत्पर हैं जो हमारे प्रतिभा पूल की क्षमता पर विश्वास करते हैं।'

बीजेपी की शानदार वापसी,अमर,धरम,धरमजीत,तसुशांत,कांग्रेस से अटल,दिलीप बने विधायक

बिलासपुर, 3 दिसंबर (देशबन्धु)। प्रदेश के साथ साथ बिलासपुर जिले में भी बीजेपी की शानदार वापसी हुई है। जहां 6 सीटो में 4 बीजेपी और 2 कांग्रेस पार्टी के खाते में गए। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी ने अपने इतिहास को दोहराते हुए जीत दर्ज कर ली है। जिसमे बीजेपी नेता सुशांत शुक्ला को 79528 वोट मिले है। तो वही कांग्रेस पार्टी के नेता विजय केसरवानी को 62565 वोट मिले है। इसी तरह बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी नेता अमर अग्रवाल को 83022 वोट मिले है। तो वही कॉन्ग्रेस पार्टी के शैलेश पांडे को 54063 वोट मिले है। इसी तरह तखतपुर विधानसभा क्षेत्र में

बीजेपी नेता धरमजीत सिंह को अब तक 90979 वोट मिले है। जबकि कांग्रेस पार्टी के रश्मि सिंह को 75326 वोट मिले है। साथ ही बिल्हा विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी नेता धरमलाल कौशिक को 68850 मिले है। तो वही कॉन्ग्रेस के नेता सियाराम कौशिक को 67997 वोट मिले है। इधर कोटा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने काफी बढ़त बनाई है। जिसमे अटल श्रीवास्तव को 73060 वोट मिले है। जबकि बीजेपी नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव को 65019 वोट मिले है। वही मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस नेता दिलीप लहरिया को 95497 तो बीजेपी नेता डॉ कृष्णमूर्ति बांधी को 75356 वोट मिले है। बिलासपुर, बेलतरा, बिल्हा और तखतपुर विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के प्रत्याशियों कि जीत हुई है। वहीं कोटा और मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत हासिल की।

बिलासपुर जिले की 6 सीटों पर कोनी स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में की गई काउंटिंग। डाक मतपत्र की काउंटिंग के बाद ईव्हीएम के वोट गिने गए। जिले के कुल 108 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। इनमें बिलासपुर से 21, बिल्हा से 23, बेलतरा से 22, कोटा से 15, तखतपुर से 14 और मस्तूरी से 13 उम्मीदवार शामिल है।

कोनी स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में बने स्ट्रांग रूम में वोटों की गिनती शुरू की गई। इस दौरान 14-14 टेबलों में विधानसभावार मतगणना किया गया। मतदान केंद्रों की संख्या को 14 भागों में बांटकर यह व्यवस्था बनाई गई। इसी आधार पर 1921 बूथों के वोटों की गिनती 141 राउंड में की गई।

इसबार के विधानसभा चुनाव के नतीजे ने सबका आंकलन को गलत साबित कर दिया। एक्जिट पोल भी गलत निकला। हिंदुत्व की आंधी ने कांग्रेस के कर्ज माफी और 3200 रुपए में धान खरीदने सहित अन्य घोषणाओं की हवा निकाल दी है। भाजपा ने पूरे प्रदेश में हिंदुत्व की भावना को सुनियोजित ढंग से प्रसारित और प्रचारित कर उसे वोट में तब्दील कर देने में बड़ी सफलता पाई है। हिंदुत्व के आगे कांग्रेस के सारे तीर तरकश फेल हो गए पर कोटा और मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र में भाजा को बढ़त नहीं मिली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अब नई सहिबो, बदल के रहिबो के नारे ने छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए संजीवनी का काम किया और दो माह पहले तक सत्ता की दौड़ में काफी पीछे भाजपा को सत्ता तक पहुंचा दिया। बिलासपुर जिले में भी भारतीय जनता पार्टी को अच्छी सफलता मिली है। जिले के 6 विधानसभा क्षेत्र में से भाजपा ने 4 और और कांग्रेस ने दो विधानसभा क्षेत्र में जीत दर्ज की है। महत्वपूर्ण बात तो यह है कि पिछले चुनाव में भी भाजपा ने चार और कांग्रेस ने दो सीटें जीती थी। मस्तूरी से दिलीप लहरिया और कोटा से अटल श्रीवास्तव ने कांग्रेस की संकट की घड़ी में कांग्रेस की लाज बचाने में कामयाब रहे।

आज हुए मतगणना में पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल बिलासपुर से, तखतपुर से धर्मजीत सिंह, बिल्हा से धरमलाल कौशिक, मुंगेली से पुन्नूलाल मोहले और लोरमी से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीता है वही पूर्व मंत्री डा. कृष्णमूर्ति बांधी चुनाव हार गए हैं। उन्हें कांग्रेस प्रत्याशी दिलीप लहरिया ने 20141 से भी अधिक मतों से हराया है। दूसरी तरफ कोटा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस का परचम लहराया है। वहां से अटल श्रीवास्तव ने भाजपा प्रत्याशी प्रबल प्रताप सिंह जूदेव को पराजित किया है।

आज सुबह कोनी स्थित मतगणना केंद्र में मतों की गणना शुरू हुई तो पूरे प्रदेश की तरह बिलासपुर जिले में भी भाजपा के प्रत्याशी बढ़त बनाते चले गए। बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने मतगणना के प्रथम चरण से ही अपनी बढ़त जारी रखी उन्होंने मतों की गणना समाप्त होने पर कांग्रेस प्रत्याशी शैलेश पांडे को 28959 मतों से पराजित किया। श्री अग्रवाल पिछले चुनाव में शैलेश पांडे से 11600 मतों से हारे थे लेकिन इस बार बेहतर चुनाव प्रबंधन के तहत अमर अग्रवाल ने अपनी पिछली हार का बदला लिया और दुगने से भी ज्यादा मतों से जीत हासिल की। बिल्हा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी धरमलाल कौशिक और कांग्रेस प्रत्याशी सियाराम कौशिक के बीच लगातार मतों की गणना में बहुत कम मतों का अंतर चल रहा था जिसके कारण यह अंदाज लगाना कठिन हो गया था कि आखिर जीत किसकी होगी लेकिन धरमलाल कौशिक ने सियाराम कौशिक को 8957 से भी अधिक मतों से पराजित किया।

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय केसरवानी भी चुनाव हार गए हैं। मतों की शुरुआती गणना में वे भाजपा प्रत्याशी सुशांत शुक्ला से आगे चल रहे थे लेकिन शहरी इलाके के बूथों में पड़े मतों की गणना शुरू हुई तो भाजपा प्रत्याशी सुशांत शुक्ला भारी पड़े और उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी विजय केसरवानी को 16963 मतों से पराजित किया।

जिले के मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी पूर्व मंत्री डॉ कृष्णमूर्ति बांधी और कांग्रेस प्रत्याशी प्रत्याशी दिलीप लहरिया के बीच कड़ी टक्कर रही। मतों की गणना में दोनों आगे पीछे होते रहे लेकिन अंतिम चरणों की गणना में कांग्रेस प्रत्याशी दिलीप लहरिया ने डॉक्टर बांधी को 20141 मतों से पराजित किया। कोटा विधानसभा क्षेत्र जहां से भारतीय जनता पार्टी ने आज तक चुनाव नहीं जीता इस बार भी भाजपा की प्रत्याशी प्रबल प्रताप सिंह जूदेव चुनाव हार गए हैं। उन्हें कांग्रेस प्रत्याशी अटल श्रीवास्तव ने 8041 मतों से पराजित किया। अटल श्रीवास्तव पहली बार विधायक बने है। कोटा की वर्तमान विधायक तथा जोगी कांग्रेस की प्रत्याशी डॉक्टर रेणु जोगी तीसरे नंबर पर रही।

बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आठ विधानसभा क्षेत्र आते हैं जिसमें मुंगेली जिले की दो सीटें भी शामिल है। मुंगेली विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी पुन्नूलाल मोहले तथा कांग्रेस प्रत्याशी संजीत बनर्जी के बीच कड़ी टक्कर रही लेकिन भाजपा प्रत्याशी मोहले ने कांग्रेस प्रत्याशी बनर्जी को 9000 से भी अधिक मतों से पराजित किया। इसी तरह

लोरमी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अरुण साव ने कांग्रेस प्रत्याशी थानेश्वर साहू को 29000 से भी अधिक मतों से हराया है जोगी कांग्रेस के प्रत्याशी सागर सिंह बेस तीसरे नंबर पर रहे जिसने अरुण साव की जीत में महती भूमिका निभाई है।

प्रदेश में कांग्रेस की सत्ता चली गई और भारतीय जनता पार्टी सत्ता रूढ़ होने जा रही है लेकिन बिलासपुर जिले में सीटों की संख्या के हिसाब से देखें तो कांग्रेस को ना तो फायदा हुआ है और न हीं नुकसान हुआ है। पिछले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जिले में 6 में से चार सीटों पर जीत दर्ज की थी तथा कांग्रेस को दो सीटों पर संतोष करना पड़ा था। आज हुए मतगणना में भी भारतीय जनता पार्टी के सीटों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई और उसे चार सीटों पर ही संतोष करना पड़ा जबकि पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की आंधी चल रही थी। कांग्रेस को भी दो सीटें ही मिली हालांकि कांग्रेस ने बिलासपुर और तखतपुर सीट को खो दिया है तो दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी ने मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र को खोया है बदले में भाजपा को बिलासपुर और तखतपुर तो कांग्रेस को मस्तूरी और कोटा विधानसभा क्षेत्र में जीत मिली है।

बिलासपुर को अपराध मुक्त करने का अभियान करूंगा शुरू,अपराधियों की होगी सफाई

बिलासपुर विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी अमर अग्रवाल चुनाव जीत गए हैं। वह लगातार चार बार विधायक व तीन बार मंत्री रहे थे। पिछले चुनाव में उन्हें कांग्रेस के शैलेश पांडे से हार मिली थी। अब फिर एक बार अमर अग्रवाल ने जोरदार जीत बिलासपुर विधानसभा से दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी अमर अग्रवाल ने चुनाव जीतने के बाद बड़ा बयान दिया है। चुनाव जीतने के बाद अपने पहले ही बयान में अमर अग्रवाल ने कहा कि मैंने अपराध मुक्त बिलासपुर का वादा जनता से किया था जिसको पूरा करने के काम आज से ही शुरू कर दिया जाएगा। आज से ही बिलासपुर का अपराध मुक्त करने का मेरा अभियान शुरू हो जाएगा और अपराधियों की बिलासपुर से सफाई भी शुरू हो जाएगी। अमर अग्रवाल ने कहा कि अपराधी समझ जाएं या तो वे अपराध छोड़ दे या फिर कार्यवाही के लिए तैयार रहें। अमर अग्रवाल ने कहा कि भाजपा के सुशासन की जीत हुई है। भाजपा ने ही छत्तीसगढ़ राज्य बनाया और राज्य बनाने के बाद संवारा भी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम छत्तीसगढ़ का चहुंमुखी विकास करेंगे।

अटल ने बदला इतिहास

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर संसदीय क्षेत्र की कोटा विधानसभा सीट पर रविवार को 15 सालो का रिकॉर्ड टूट गया है। जोगी का गढ़ माने जाने वाले कोटा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के नेता अटल श्रीवास्तव ने इतिहास बदलते हुए, कोटा को फतेह कर दिया है। राजनीतिक इतिहास के दृष्टिकोण से यह काफी अहम सीट थी, क्योंकि यह सीट राज्य के पहले मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी की पत्नी रेणु अजीत जोगी की थी।

रेणु जोगी ने इस सीट पर पिछले तीन चुनाव जीते हैं और वह मौजूदा विधायक भी थी।

रेणु जोगी ने पिछले चुनाव में बीजेपी के काशीराम साहू को करीब 4 हजार वोटों से हराया था। लेकिन, इस बार कांग्रेस ने उनके गढ़ में सेंध लगाने में सफल रही है।

आंकड़ों कि माने तो कांग्रेस पार्टी के अटल श्रीवास्तव को 73 हजार 60 वोट मिले है। तो वही बीजेपी पार्टी के प्रबल प्रताप सिंह जूदेव को 65 हजार 19 वोट मिले है। साथ ही जनता कांग्रेस जे के रेणु जोगी को 8 हजार 759 वोट मिले है। कुल मिलाकर कोटा की जनता ने इस बार कांग्रेस नेता अटल श्रीवास्तव पर अपना भरोसा जताया है।

मस्तूरी विधानसभा में जनता ने बदला मूड, कांग्रेस प्रत्याशी को मिला स्पष्ट बहुमत

मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी की लहर के बीच कांग्रेस पार्टी की जबदस्त वापसी की है। जहा बीजेपी के डॉक्टर कृष्णमूर्ति बांधी और कांग्रेस के दिलीप लहरिया के बीच चुनावी मुकाबला काफी रोमांचक रहा। एक

जहां बीजेपी के विधायक डॉक्टर कृष्णमूर्ति बांधी के पक्ष में भी काफी माहौल बना था। लेकिन जनता जनार्दन ने इस वर्ष अपना समर्थन कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी दिलीप लहरिया को जताई है। जिन्होंने 95 हजार 497 वोटो के साथ मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र पर फतेह हासिल किया है। जबकि बीजेपी नेता डॉक्टर कृष्णमूर्ति बांधी को 75 हजार 356 वोट मिला है। जबकि एससी कोटे के लिए आरक्षित सीट कि भावी प्रत्याशी चांदी भारतद्वाज को 15 हजार 583 वोट मिल है। कुल मिलाकर आपसी खीच तान में कांग्रेस नेता दिलीप लहरिया को 20 हजार 141 वोट से जीत दर्ज कराई है।

ओर कृष्णमूर्ति बांधी यहां से सिटिंग एमएलए थे। जबकि कांग्रेस ने दिलीप लहरिया पर भरोसा जताते हुए उन्हें चुनावी मैदान में उतारा, इस सीट पर दिलीप लहरिया को जीत मिली है।

आपको बता दें कि मस्तूरी विधानसभा सीट एससी कोटे के लिए आरक्षित सीट है। यहां पर बड़ी संख्या में एससी समाज के लोग निवास करते हैं। जहा धर्मांतरण सिंचाई और उद्योग का मुद्दा भी हावी रहा। इसी मुद्दे पर यहां चुनावी दंगल देखने को मिला।

भूपेश बघेल की घोषणाएं निकली डीपफेक,मोदी की गारंटी बनेगी छत्तीसगढ़ के विकास का लोक स्तंभ - अमर अग्रवाल

■ जीत का सेहरा जनता जनार्दन को

■ संगठन एवं कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई

भूपेश बघेल की घोषणाएं डीपफेक साबित हुई है। छत्तीसगढ़ की जनता को भूपेश बघेल के कुशासन से मुक्ति मिली, प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी को छत्तीसगढ़ की जनता ने विकास का लोक स्तंभ मानकर अंगीकार किया है। बिलासपुर समेत पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की जीत कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, परिश्रम और धैर्य का परिणाम है। बिलासपुर की जनता ने भाजपा की जीत तय करके मुझ पर जो विश्वास किया है, उस पर खरा उतरना मेरी प्राथमिकता होगी। आजादी के अमृत काल की पुनीत बेला में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के में यशस्वी नेतृत्व में डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार से छत्तीसगढ़ में समेकित विकास और सुशासन के लोकहितकारी स्वरूपों को आकार देने का काम किया जाएगा। चार राज्यों के चुनाव परिणाम में तीन में भाजपा की प्रचंड जीत से 2024 में देश में मोदी की सरकार की विश्वसनीयता का संकेत दे दिया है। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल 5 सालों में ढाई घर की चाल में भरोसे का झांसा देकर प्रदेश को भ्रष्टाचार एवं तानाशाही के जाल में बुनते रहे,आज के परिणाम में भारतीय जनता पार्टी को छत्तीसगढ़ की जनता ने ढाई गुना से ज्यादा से ज्यादा सीटों बढ़त देकर छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा के लिए अपना आशीर्वाद दिया है। छत्तीसगढ़ के बुजुर्गों, माताओ, भाइयों को कोटि-कोटि प्रणाम करते हुए बिलासा माई की पावन धरा के नागरिक जनों का हृदय से आभारी हूं, जिन्होंने भाजपा को विजयी बनाया एवम मुझे पुनः सेवा का अवसर देकर अपना असीम स्नेह एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

बेलतरा से लगातार भाजपा की जीत

सुबह से मतगणना में विजय केसरवानी ने ग्रामीण क्षेत्र में उन्होंने बढ़त बना ली थी लेकिन जीतने वोट मिलना था ग्रामीण क्षेत्र से उन्हें नहीं मिले। यदि 15000 वोट अधिक पाए होते तो बिलासपुर से लगे शहरी क्षेत्र को कवर कर लेते लेकिन शहरी क्षेत्र में सुशांत शुक्ला को ज्यादा वोट मिले और विजय केसरवानी को हार का सामना करना पड़ा। हाई प्रोफाइल सीट में विजय केसरवानी के साथ पूरा संगठन यहां चुनाव लड़ रहा था जबकि भाजपा के पक्ष में माहौल नहीं दिख रहा था। लेकिन विजय केसरवानी की हर के बाद अब भाजपा में काफी उत्साह आ गया है पिछले चार बार से लगातार बेलतरा में भाजपा के विधायक ही जीते ते आ रहे हैं और इस बार बेलतरा की जनता ने सुशांत शुक्ला को विधानसभा भेजा है भाजपा ने रजनीश सिंह की टिकट काटी और सुशांत को चुनाव मैदान में उतारा और सुशांत चुनाव जीत गए हैं आज प्रमाण पत्र लेने के दौरान रजनीश सिंह विजय तथा भूपेंद्र आदि मौजूद थे।

अचानक शहर ने पलटी बाजी शैलेष की हार को लेकर चर्चा

अमर अग्रवाल 1998 से लगातार बिलासपुर विधानसभा से चुनाव लड़ रहे हैं उन्हें लगातार चार बार जीत हासिल हुई और 2018 के चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा वे तीन बार मंत्री भी रहे लेकिन मंत्री रहते हुए पहली बार चुनाव हारे और इस बार उन्होंने 2018 के चुनाव के हार का बदला ले लिया और सर्वाधिक मतों से जीत का रिकॉर्ड भी बनाया है।

और इस बार बिलासपुर की जनता नहीं फिर से अमर अग्रवाल को अपना प्रतिनिधि चुना है। अमर अग्रवाल की जीत को लेकर तथा कांग्रेस की हर को लेकर अब कांग्रेस में तरह- तरह की चर्चा होती रही। चुनाव के दौरान ही महापौर तथा पूर्व विधायक के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल होना तथा कांग्रेस के शहर के दिग्गज नेताओं का तखतपुर कोटा चले जाना बिलासपुर के चुनाव परिणाम को प्रभावित करने की चर्चा चल रही थी। आज दसवें राउंड की गिनती के बाद जैसे ही अमर अग्रवाल 15000 वोटो से बढ़ा दिए वैसे ही कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने घर जाने लगे और अंतिम राहुल की गिनती के वक्त ही अमर अग्रवाल मतगणना स्थल पहुंचे।

पहले आगे थे फिर पीछे हो गए कश्मकश के बाद जीते धरम

बिल्हा विधानसभा क्षेत्र में काफी कसमकस के बाद धरमलाल कौशिक आखिर लगातार चौथी बार विधानसभा चुनाव जीतने का रिकॉर्ड बना लिए हैं। इस बार धरमलाल कौशिक ने अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के सियाराम कौशिक को पराजित किया है। धरमलाल कौशिक को 86 हजार से अधिक वोट अधिक वोट मिले हैं और आज जैसे ही जिला निर्वाचन अधिकारी ने उनके जीत की घोषणा की क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता उन्हें कंधे में बिठाकर जीत का जश्न मनाया और गाजे बाजे के साथ जीत की रैली भी निकाली।

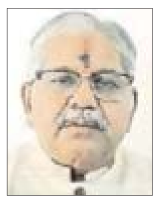

आज के चुनाव परिणाम से जिले की 6 सीटों में कांग्रेस में काफी निराशा का माहौल है जहां कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया जा रहा था। वहीं दूसरी ओर 2018 के विधानसभा चुनाव के तर्ज पर बिलासपुर जिले में फिर से चार सीटों पर भाजपा तथा दो सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली है किसी को यकीन नहीं था कि प्रदेश में एक तरफ भाजपा के पक्ष में माहौल बनेगा एग्जिट पोल भी फेल हो गए और जिले में भी कांग्रेस के दिग्गज नेता चुनाव हार गए। बिलासपुर में भी जहां शैलेश पांडे की जीत का दावा किया जा रहा था वही बेल्थरा में विजय केसरवानी की जीत को लेकर हार जीत की शर्त लगा रही और तखतपुर में तो रश्मि सिंह अपनी जीत को लेकर पूरी तरह संतुष्ट थी लेकिन आखिरी समय में बिलासपुर जिले की जनता ने मोदी की गारंटी तथा डबल इंजन की सरकार बनाने के पक्ष में जनादेश दिया और प्रदेश में 5 चप्पल सेट में भाजपा को जीत मिल रही है और भाजपा में जस्ट का माहौल है कल भाजपा विधायक दल की बैठक रायपुर में होगी और भाजपा सरकार बनाने के लिए कल रणनीति भी बनेगी मुख्यमंत्री कौन होगा बस इसे लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव की जीत से भाजपा में जश्न का माहौल है और प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव प्रचार के दौरान लोरमी में मुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा भी चल रही थी।पहले आगे थे फिर पीछे हो गए कश्मकश के बाद जीते धरम।

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188